



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

Ch 11/1986

सं. 31] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 2, 1986 (श्रावण 11, 1908)
No. 31] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 2, 1986 (SRAVANA 11, 1908)

इस भाग में मिन्न यह वर्णन करता है कि वह प्राप्ति अंडे के बहुत बड़े वा सके

(Separate pages is given to this Part in order that it may be readily referred to in negotiations.)

भाग III—संग्रह १

PAR^F III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे बोर्ड और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिकाराएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

प्रवर्तन निदेशालय

विदेशी मद्रा विभियमः अधिनियम

नई दिल्ली-110003, दिल्ली जून 1986

सं० ए-११/५/८३—उपनिदेशक, प्रवर्तन एतद्वारा निदेशालय के श्री ए० के० सहदेव को २७-२-१९८६ (पुर्वाह्न) से और अगला आदेश होने तक इस निदेशालय के बम्बई-II अधीनियकारी वर्तमान वर्तमान अधिकारी नियन्त्रित करते हैं।

दिनांक 8 जूलाई 1986

सं० ए-11/16/83—उन-निदेश 6, प्रवर्तन एवंद्वारा निदेशालय के श्री सी० विजयन को 19-2-1983 (पुर्वाह्न) से और अगला आदेश होने तक इस निदेशालय के वर्ष-II क्षेत्रीय कार्यालय में स्थानापन्न प्रवर्तन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

४० के० राय

1-176GI/86

केन्द्रीय सन्कर्ता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1986

सं० 2/1 9/86—प्रशासन—ग्रन्थीय सतर्कता आयुक्त एतद्-
द्वारा श्री कृष्ण लाल द्वोडा, स्थानी वैयक्तिक सहायक को इस
आयोग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायता वेतामात्र ६५०-१०४०
के पद पर तदर्थ रूप से ३ माह को अवधि के लिए या अगले अदेश
तक जो भी पहले हो, ८-७-८६ पूर्वाह्न से नियुक्त
करते हैं।

मनोहर लाल

अवर सचिव, प्रशासन
कृते देन्द्रीय सतर्कता आयक्त

कार्मिक एवं प्रशिक्षण, प्रशासन सुधार,
लोक शिक्षायन तथा पेंगव संतान्य
(केन्द्रीय अन्वेषण व्यरो)

नई दिल्ली, दिनांक 28 मई 1986

सं० ए-22020/51/83-प्राप्तासन-3-अधिसूचना सं०
32012/1/85-प्र०-3, दिनांक 13-3-1986 के अधिकमण

(21615)

आयु प्राप्त करने पर 30-6-86 के अवधारन में उसी कार्यालय में उप निदेशक जनगणना परिचालन के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

बी० एस०
भारत के महाराजिस्टरौर

महालेखाकार लेखा परीक्षा का कार्यालय, आनंद प्रदेश

हैदराबाद-500 463, दिनांक 8 जून 1986

सं० प्रशासन I/8-132/86-87/63—महालेखाकार (लेखा परीक्षा-I) आनंद प्रदेश, हैदराबाद ने सहर्ष नीचे लिखे सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को स्थानापन लेखा परीक्षा अधिकारियों के रूप में 840-40-1000-द० अ०-40-1200 रु० के वेतनमान में उनके कार्यभार प्रहण करने की तारीख से अगले आदेशों तक पदोन्नति दी जाती है। पदोन्नति के लिए दिए गए आदेश उनके वरिष्ठों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले यदि कोई हो, और आनंद प्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में लंबित रिट याचिकाओं के परिणामों के अधीन माते जाएंगे।

उन्हें चाहिए कि वे अपना विकल्प भारत सरकार का० शा० सं० एफ०/7/1/80-स्थापना पी० टी० I दिनांक 26-9-81 की शर्तों के अनुसार पदोन्नति की तारीख से एक महीने के अन्दर हो।

नाम	पद प्रहण की तारीख
सबश्री	
1. एम० गोपाल कृष्णमूर्ति	20-6-1986 पू०
2. वै० विं० एस० राजशेखर	17-6-1986 अ०

दिनांक 10 जुलाई 1986

सं० प्रशा० I/8-132/86-87/67—श्री के० राजेश्वर राव-II श्री के० एम० पीटर लेखा परीक्षा अधिकारी महालेखाकार का कार्यालय (लेखा परीक्षा) आनंद प्रदेश, हैदराबाद से दिनांक 30-6-86 (अप०) को सेवा निवृत्त हुए हैं।

ह० अपठनीय
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय (ल० व० ह०) आनंद प्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1986

सं० प्रशा०-I/ल० व० ह० I/8-88/86-87-116—
महालेखाकार (ल० व० ह०) आनंद प्रदेश, हैदराबाद महोदय ने सहर्ष निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 रु० वेतनमान में लेखा अधिकारियों

के रूप में उनके नामों के सम्मुख बतायी गयी तिथियों से अगले आदेशों तक स्थानापन रूप से पदोन्नत किया है।

नाम	कार्यभार प्रहण करने की तिथि
सर्वश्री	
(1) पी० मुब्बु कृष्णेयया	10-12-1985 अप०
(2) सी० हेब० सुब्बाराव-II	1-7-1986 अप०

यह पदोन्नति आदेश उनके वरिष्ठों के दावों के पर बिना, कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले यदि कोई हो तो आनंद प्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में लंबित रिट याचिकाओं के निर्णय के अन्तर्गत रहेंगे।

टी० के० बालसुदूरमणियम
उप महालेखाकार (प्रशासन)

निदेशक, लेखा परीक्षा का कार्यालय

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

गुवाहाटी-781011, दिनांक 27 मई 1986

सं० एम० ओ० ओ० मं० 24—इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज नि० में स्थायी रूप से संविलयन (एव्हिपैशन) के परिणाम स्वरूप श्री पूर्णेन्दु लाहिड़ी जो लेखा परीक्षा अधिकारी के संबंध के स्थायी मदस्य ह का धारणाधिकार दिनांक 1-5-1985 से एफ० आर० 14(ए) (डी) के अन्तर्गत समाप्त किया जाता है।

एन० जी० मल्लिक
निदेशक, लेखा परीक्षा

कार्यालय, निदेशक

लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1986

सं० 1447/ए-प्रशासन/130/83-86--सेप्टेम्बर 1985 पत्र
एण्ड पे० १५८ इंस्टीट्यूट, देहरादून में स्थायी रूप से अन्तर्लंबन के परिणाम स्वरूप, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं विभाग के स्थायी लेखाधीक्षा अधिकारी, रक्षा सेवाएं पर श्री मी० पी० सक्षेत्र का इन विभाग में प्रहणाधिकार मूल नियम 14-ए (डी०) के अधीन, दिनांक 26-11-1985 (पूर्वान्तर), से समाप्त हो गया है।

सं० 1464/ए-प्रशासन/130/82-85—निदेशक लेखा-परीक्षा रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली निम्नलिखित सहायक लेखा-परीक्षा अधिकारियों को उनके नाम के समक्ष अंकित तिथि में

स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में श्रगनं आदेश प्रणित,
सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

क्रम ० नाम एवं पदनाम जारीनं द्वारा नियुक्ति की नियुक्ति की
सं० ग्रेणी है। तिथि

सर्वश्री—

१. सी० के० पी० शंकु, नंदुकः निदेश लेखा-परीक्षा सहायक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं (मध्य कमान्) अधिकारी भैरव।	१७-४-८६
२. एम० सी० पन्त, संयुक्त निदेश लेखा- सहायक लेखा परीक्षा परीक्षा रक्षा सेवाएं अधिकारी (पश्चिमी कमान्) चण्डीगढ़।	२९-५-८६
३. ए० एन० मुखर्जी, उपनिदेशक लेखा परीक्षा सहायक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं (मध्य अधिकारी कमान्) छत्तीसगढ़। २४-६-८६	
४. आलोक भट्टाचार्य, सहायक लेखा परीक्षा लेखा परीक्षा अधिकारी अधिकारी रक्षा सेवाएं (पश्चिमी कमान्) दिल्ली छावनी। २४-६-८६	
५. जी० रामाचन्द्रन, सहायक लेखा परीक्षा निदेश लेखा परीक्षा अधिकारी (वाराणसी/नौसेना) १६-६-८६ रक्षा सेवाएं (प्रपराक्त)	
६. घसीटा सिंह, सहायक लेखा परीक्षा लेखा- अधिकारी परीक्षा रक्षा सेवाएं ३०-६-८६ (मध्य कमान्) भैरव। (प्रपराक्त)	
बी० एस० गिल, संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली	

रक्षा भवालय

डी० जी० ओ० एम० मुख्यालय, मिलिं सेवा

आयुध नियन्त्रणी बोर्ड

कलकत्ता-१, ब्रिनांक ३ जुलाई १९८६

सं० ७/८६/एई-१/(एन० जी०) —वर्धक्य निवृति
आयुध प्राप्त कर थी मृत्युन्य गुब्जी स्थानापन्न निजी यज्ञिव
(मौ० एवं स्थायी आणुनियन्त्रणी-२) दिनांक ३०-६-
१९८६ (प्रपराक्त) से सेवानिवृत्त हुए :

एम० दाता गुप्ता,
उप महानिदेशक/प्रशासन
कुर्ते महानियन्त्रणक आर्डनेस फैक्टरियां

भारतीय आर्डनेस फैक्टरियां सेवा
आर्डनेस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक ३ जुलाई १९८६

सं० ३५/जी०/८६—निरीक्षण जिम्मेदारियों के डी० जी०
आई० से डी० जी० ओ० एफ० को हस्तान्तरण के फलस्वरूप,
राष्ट्रपति महोदय डी० जी० आई० से निम्नलिखित अधिकारियों
को उनके भास्त्रों के असम्बुद्ध दर्शाएं गए आई० ओ० एफ० एस०
ग्रेडों में नियुक्त करते हैं।

क्रम	नाम	ग्रेणी	आई० ओ० एफ० एस०
सं०			जिसमें नियुक्त किए गए

एम० एम० ओ०-१/एम० ए० ओ०

सर्वश्री—

१. पी० मी० प्रभाकरन	वरिष्ठ वेतनमान (इंजीनियर)
२. एस० के० कपूर	—वही—
३. ए० बी० चिकोतिकर	—वही—
४. जी० पी० मोदी	—वही—
५. पी० जयामन	—वही—
६. एम० सी० विधार्थी	वरिष्ठ वेतनमान (गैर तकनीकी)
७. एम० के० कुलश्रेष्ठ	—वही—
८. आर० श्रीनिवासन	वरिष्ठ वेतनमान (रसायनविस्त)
९. के० पी० भरदन	—वही—(धातु कर्मी)
१०. पी० एम० सेनगुप्ता	—वही—
११. आर० एन० शय	—वही—
१२. के० सी० किपाठी	—वही—
१३. यू० एन० शर्मा	—वही—
१४. एम० आर० सेनगुप्ता	—वही—

एम० एम० ओ०-II

सर्वश्री—

१. आर० रंगताथन	लगिष्ट वेतनमान (इंजीनियर)
२. बी० एच० हलागिरि	—वही—
३. ए० के० चौधरी	—वही—
४. जै० डल्लू० पाण्डे	—वही—
५. डी० एन० धोव	—वही—
६. हंस राज	—वही—
७. एम० एल० सूद	—वही—
८. ओम प्रकाश, गुप्ता	लघिष्ट वेतनमान (इंजीनियर)
९. बी० बी० दाम	—वही—
१०. बी० बी० बोद्दाम	—वही—
११. आर० के० नायक	—वही—

12. बी० श्रीनिवासन	लघिष्ट वेतनमान (सहायक कार्यशाला प्रबन्धक/स्थानविस्त)
13. एच० सी० पाठक	—वही—
14. पी० आर० गयन	—वही— (धारुकर्मी)
15. ए० के० लाला	—वही—
16. सी० के० दिक्षित	—वही—
17. ए० के० जौहरी	—वही—
18. डी० बी० रामाशर्मा	—वही—
19. पी० सी० शुक्ला	—वही—
20. एस० आर० कुशवाह	—वही—
	एम० ए० अलहन संयुक्त निदेशक/जी०
	कृते महानिदेशक, आयुष निर्माणी बोर्ड

उद्योग मंत्रालय

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

सं० ए-19018(757)/84-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, उद्योग एवं वाणिज्य निदेशालय, जम्भू व कश्मीर सरकार, श्रीनगर के तकनीकी अधिकारी श्री इन्द्रजीत खुण्ड को 24-4-86 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, सूरी में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (खाद्य) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(779)/85-प्रशा० (राज०)—सार्वजनिक उद्यम विभाग में निदेशक के पद पर नियुक्ति होने के फलस्वरूप श्री के० पी० सिह ने 16 मई, 1986 (पूर्वाह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग) कार्यालय में निदेशक ग्रेड-I, (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सी० सी० राय
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नगपुर, दिनांक 10 जुलाई 1986

सं० ए-19011/77/86-स्था० ए० पी० पी०—दिनांक 30-6-86 (अपराह्न) को ऐच्छिक सेवा निवृत्ति लेने पर श्री वाय० बी० सम्मनवार, स्थायी उप-खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) को एतद्वारा दिनांक 1-7-86 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में उनके कार्यभार से मुक्त किया गया है। और तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

सं० ए-19011(363)/86-स्था० ए० पी० पी०—दिनांक 30-6-86 (अपराह्न) को ऐच्छिक सेवा निवृत्ति लेने पर श्री एम० के० राव, स्थायी खनिज अधिकारी एवं स्थानापन्थ सहायक खनिज अर्थशास्त्री (सांखियकी) को एतद्वारा दिनांक 1-7-1986 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में उनके कार्यभार से मुक्त किया गया है। और तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

पी० पी० वादी
प्रशासन अधिकारी
कृते महानियंत्रक भारतीय खान ब्यूरो

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1986

सं० 17/4/86-एस-4—पदोन्नति के परिणामस्वरूप निम्नलिखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों ने उनके आगे लिखित तारीखों से दूरदर्शन के विभिन्न केन्द्रों में सहायक इंजीनियरों का कार्यभार संभाल लिया है :—

क्र०	नाम	कृकेन्द्र/कार्यालय	कार्यभार संभालने की तारीख
------	-----	--------------------	---------------------------

सर्वेश्वरी—

1. आर० डी० अग्रवाल	टी० बी० एम० सी०, 21-1-86 जैसलमेर (पूर्वाह्न)
2. डी० श्रीधर	टी० बी० एम० सी०, 6-6-86 सतारा (अपराह्न)
3. एन० कुप्पुस्वामी	उपग्रह दूरदर्शन केन्द्र, 29-5-86 कटक (पूर्वाह्न)
4. एन० एल० गोडवोले	टी० बी० एम० सी०, 29-5-86 बिलासपुर (पूर्वाह्न) बी० एस० जैन प्रशासन उपनिदेशक ते महानिदेशक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1986

सं० पी० ए०/79/(19)/84-आर-III/1414—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा इस अनुसंधान केन्द्र के स्थानापन्थ सहायक श्री हरिकृष्ण नाथडू साई प्रकाश को इसी अनुसंधान केन्द्र में 13 जनवरी 1986 (अपराह्न) से 11 जून 1986 (अपराह्न) तक अस्थायी आधार पर और 12 जून 1986 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक नियमित आधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानपन्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सी० जी० सुकुमारन
उप स्थापना अधिकारी

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1986

सं० स्था० (1) 00840—श्री के० पी० दवाले मौसम विज्ञानी भारत मौसम विज्ञान विभाग की स्वेच्छाया-निवृत्त होने की प्रार्थना भारत सरकार द्वारा अब स्वीकृत हो गयी है, अतः श्री दवाले 19-10-1982 की अपराह्न से भारत सरकार की सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

एस० डॉ एम० अब्दी
मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक
प्रशासन एवं भौतिक
कृत मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1986

सं० ए० 12025/6/81-ई० एस०—राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग की भिकारिश पर श्री एम० राजेन्द्रन को दिनांक 18-6-1986 से और अगले आदेश होने तक, नागर विमानन विभाग में 700-1300 रुपए के वेतनमान में स्थानपात्र असता में विमान सुरक्षा अधिकारी (अभियांत्रिकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

एम० भद्राचार्जी
उपनिदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहतालय नागपुर

नागपुर, दिनांक 8 जुलाई 1986

क्र० 11/86—वित्त मंत्रालय के आदेश क्र० 75/86 दिनांक 14-5-1986 (फा० सं० ए-32012/2/86-एण्ड II) के अनुसार पदोन्नत होने पर श्री के० घड़ा, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह 'ख' ने दिनांक 10-6-1986 को पूर्वाह्न में नागपुर समाहतालय में वरिष्ठ अधीक्षक समूह 'क' का कार्यभार ग्रहण किया।

क्र० 12/86—प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी 'ख' में पदोन्नत होने पर निम्नलिखित कार्यालय अधिक्षकों ने प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' में इनके नाम के आगे दर्शायी गयी तिथि से पवधार संभाला।

क्र० नाम	तैनात स्थान	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
----------	-------------	-----------------------------

सर्वश्री—

1 ए०एस० दातार	लेखा परिक्षक, मुख्यालय नागपुर	17-6-86 (पूर्वाह्न)
2 डौ० एल० डोके	प्रशासनिक अधिकारी प्रभाग-1 नागपुर।	18-6-86 (पूर्वाह्न)

आर० के० आदिम
उप समाहता (कार्मिक एवं स्थापना)

निरीक्षण महानिदेशालय,

सीमा व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क,
नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1986

सी० सं० 1041/28/86/9/86—श्री बी० बसु ने, जो पहले मद्रास में सहायक समाहर्ता सीमा शुल्क के रूप में कार्यरत थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के दिनांक 9-7-85 के आदेश संख्या 98/85 द्वारा जारी पत्र फा० संख्या ए० 22012/42/85-प्रशा०-II के अनुसार निरीक्षण महानिदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली में स्थानांतरण होने पर, उन्होंने दिनांक 17-6-86 (पूर्वाह्न) से सहायक निदेशक, निरीक्षण, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एच० एम० सिंह
निरीक्षण महानिदेशक।

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 10 जुलाई 1986

सं० ए-19012/1115/85-स्थापना-पांच—अध्यक्ष—
केन्द्रीय जल आयोग श्री नगेन्द्र प्रसाद सिंह, पर्यवेक्षकों के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/-रुपए के वेतनमान में 27-6-1985 की पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए अर्थवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

मीनाक्षी अरोड़ा

अवर सचिव

केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 11 जुलाई 1986

सं० 3-743/86-स्था० (अनु०)—श्री राम सिंह को दिनांक 23-6-86 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर जी० सी० समूह "ख", (राजपत्रिन) वेतनमान रु 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/-में अस्थायी तीर पर नियुक्त किया जाता है।

एम० के० दास
मुख्य अभियन्ता एवं सदस्य

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1986

सं० 32/3/85-ई० सी०-2—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित कार्यपालक इंजीनियर श्रेणी-1 के ग्रेड के निवृत्त

की आयु (58) वर्ष होने पर सरकारी सेवा में उनके आगे दी गयी तारीख से सेवानिवृत्त किए जाते हैं :—

क० अधिकारी का नाम निवृति की तारीख पदनाम एवं अन्तिम सं०

सर्वश्री—

1 ए० एस० कंवर	30-6-86	कार्यपालक इंजीनियर (प्रपराक्ष)	गृ० ए० एस० डब्लू-२ (उत्तरी अंचल), आर० क० पुरम, नई दिल्ली।
2 ए० एस० राहेजा	30-6-86	कार्यपालक इंजीनियर (प्रपराक्ष)	(सि०) मूल्यांकन यूनिट इन्डौर, आयकर विभाग, इन्डौर।

ए० ए० दास
उप निवेशक प्रशासन (प्रणिक्षण)
कृते निर्माण महानिदेशक

नई बिल्ली, दिनांक 9 जुलाई 1986

सं० 33/2/83-ई० सी० 9—राष्ट्रपति सहर्ष संघ लोक सेवा प्रायोग के नामित श्री सतीश कुमार, उपवास्तुको अस्थायी पद पर (सामान्य लिखित सेवा ग्रुप “क”) के० लो० नि० विभाग में स्थायी 700-40-900-८० रो०-४०-1100-५०-1300/- के० वेतनमात्र में (प्रतिवित भत्तों तहित) सामान्य नियमों एवं शर्तों पर दिनांक 6-6-86 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

(2) श्री सतीश कुमार को नियुक्ति की तिथि से 2 वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रखा जाता है।

पृथ्वी पाल सिंह
प्रशासन उपनिदेशक
केन्द्रीय कार्यालय के० लो० नि० वि०
नई दिल्ली।

विवि. न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय
कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनी रजिस्ट्रार बिहार का कार्यालय
जमाल रोड

पटना-800001 दिनांक 3 जुलाई 1986

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेघदूत फाइनेंस एण्ड इन्वेस्टमेंट प्रा० लि० के विषय में

सं० 1068/560/1746—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेघदूत फाइनेंस एण्ड इन्वेस्टमेंट प्रा० लि० का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और महाबीर कट्रेक्ट्स प्रा० लि० के विषय में

पटना, दिनांक 3 जुलाई 1986

सं० 1782/60/560/1749—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि महाबीर कट्रेक्ट्स/76 प्रा० लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ब्राइट फूड प्रोडक्ट्स प्रा० लि० के विषय में

दिनांक 3 जुलाई 1986

सं० 1481/59/560/1952—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ब्राइट फूड प्रोडक्ट्स प्रा० लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गई है।

ए० ए० सिंह
कम्पनी रजिस्ट्रार बिहार, पटना।

प्रकल्प वाइंटी एवं एस्टेट्स

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाय

269-ए (1) वे अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं. आई० ए० सी०/एक्य०/हिसार/86/85-86—

अतः मुझे, बी० ए० एल० खट्टी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवर इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा जाय है), की वाय 269-ए के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विवरका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 28 का 10 मरले जो हिसार में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिसार में भारतीय आयकर प्रधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 25-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराने प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसराने प्रतिफल से, एसे दूसराने प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक वे दायित्व में कमी करने या उक्से बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ग) एसे किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तीयों के, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षरों, वर्ता :—

(1) चौ० ब्रिजलाल विणोई पुन चौ० पतराम निं०-म० सं० 119, सै०-16ए, अण्डीगढ़ ।
(अन्तरक)

(2) दी विश्व अध्यात्मिक संघ ग्रुप को०-आपरेटिव हाउस विलिंग सोसायटी लि० हिसार ।
(अन्तरिती)

और वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यवाहीयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी आशेष है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में उमात होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में पार्श्वाधीन हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 28 का 10 म० जो हिसार में स्थित है जिसका प्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय के हिसार में रजिस्ट्री संख्या 4899 दिनांक 25-11-85 पर दिया है।

बी० एल० खट्टी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

दिनांक : 30-6-1986

मीहर :

प्रूप आई.टी.एस.एस.

(1) श्री मवासी पुत्र श्री रिक्खा

निवासी—कन्है तह ० व जिला—गुडगांव ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 जुलाई 1986

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य० गुडगांव/114/85-86--
ग्रतः, मुझे, बी० एल० खत्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 20 कनाल 3 मरला जो कि कन्है में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 20-11-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्ति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमत्त फिरी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहसाकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्वों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से है किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

मनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सम्पत्ति भूमि 42 कनाल 3 मरला जो गांव कन्है तह ० गुडगांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 5103 दिनांक 20-11-85 पर दिया है ।

बी० एल० खत्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपभारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्भास् —

प्रमुख वाई. डी. एच. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य० शाहबाद/31/85-86—
अतः, मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा जया है), को भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 21 कनाल 1 मरला जो कि गांव—झावड़ा
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शाहबाद में भारतीय
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 21-11-85

5/12/85, 1/1/86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उच्चमात्र
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
यामा जया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
द्वितीय तर्फे बास्तविक रूप से कठिन नहीं किया जया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाम की, बाष्पत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी जाम वा किसी भन वा अन्य अन्तरितों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने वां सुविधा
को नहीं;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
में, भै, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रोशनलाल पुत्र भगवान दास पुत्र श्री मानूराम
निं०—शाहबाद।

(अन्तरक)

(2) दी नव निकेतन को०—आपरेटिव हाउस बिल्डिंग
सोसायटी लि० शाहबाद, तह० थानेसर।

(अन्तरिती)

को अह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत्त
कार्यालयीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थमें कोई भी अल्पोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की ताबीन से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के कांच
लिहित में किए जा सकेंगे।

स्वार्गीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के वधाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त्त इनके जो उक्त अध्याय में दिया
जया है :—

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 21 कनाल 1 मरला जो गांव—झावड़ा उप०
तह० शाहबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता
के कार्यालय शाहबाद में रजिस्ट्री सं० 945, 988 एवं 1094
दिनांक 21-11-85, 5-12-85 एवं 1-1-86 पर दिया है।

बी० एल० खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 30-6-1986
मोहर :

प्रलेप बाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री शावक अर्धशीट ईरानी

17 ब्रॉन्टन रोड

बैंगलूरु ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूरु

बैंगलूरु, दिनांक 2 जुलाई 1986

निदेश सं० 49232/85-86—यतः, मुझे, आर०
भारद्वाज,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकार प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 17 है तथा जो ब्रॉन्टन रोड, बैंगलूरु में स्थित
है (और इसे उत्तर अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में
दिनांक 18-11-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंडित प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आं अंतरिती
(अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आव की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरुक वा
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
में लिए; और/या

(ख) एसी किसी आव या किसी धन या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रबोचनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया
दया था या किया जाना चाहिए था लियाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(2) 1 एस० के० गांधी
2 पुल्पा गांधी
सं० ८९/१ जे० सी० रोड
बैंगलूरु ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइँ भी वाक्येष्ट ॥

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ॥

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही वर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(दसवें दिन सं० 2406/85-86/18-11-85)
सम्पत्ति है जिसकी सं० 17 ब्रॉन्टन रोड, बैंगलूरु में
स्थित है।

आर० भारद्वाजः
सकार प्राधिकारी
सदाचार आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूरु

दिनांक : 2-7-1986

मीहर :

प्रस्तुत जाह्नवी दीप एवं एस्टेट

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 जुलाई 1986

नोटिस सं० 49228/85-86—यतः, मुझे, आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्वावरु सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूम्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 17 है तथा जो अन्टन रोड, बंगलूर में स्थित
है (और इसमें उपाद्वय अनुमूली में और पूर्णरूप से वर्णित है);
रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में
दिनांक 14-11-85

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार भूम्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथार्थवाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
भूम्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्णह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बस्तुरण
निर्दित में बास्तविक रूप से कार्यपात्र नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसे किसी जाय या किसी भन य अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना आहिए था, जिसने में सुविधा के
लिए;

यतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के, अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष वृत्ति उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिस्तमां, वर्तम् ५—

(1) श्री शावक अर्धशीट ईरानी

17 अन्टन रोड
बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री कदपा मधुकर रेड्डी और अदर्स,
II/362/I को० आपरेटिव सोसायटी मदनपटली
चित्तूर-517326।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाती करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप नहीं—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भर्त हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित भर्त
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही वर्त्त होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्सदी

(इस्तावेज सं० 2455/85-86 दिनांक 14-11-85)
सम्पत्ति है जिसकी सं० 17 अन्टन रोड, बंगलूर में स्थित
है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 8-7-1986

मोहर :

प्रस्तुत ग्राहक दी.एन.एड.

(1) शावक अधिकारी शरामी

17 ब्रण्टन रोड,
बैंगलूरु।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—बैंगलूरु

बैंगलूरु, दिनांक 2 जुलाई 1986

निदेश सं० 49229/85-86—अतःमुझे, आरा० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 17 है तथा जो ब्रण्टन रोड, बैंगलूरु में स्थित
है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर
दिनांक नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तर-
रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रातिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित वा
पात्रावलिक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) बंतरक से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के बंतरक के वायित
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी भव या क्षम्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छात्रों में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तु:—

(1) शावक अधिकारी शरामी

17 ब्रण्टन रोड,
बैंगलूरु।

(अन्तरक)

(2) 1: रत्नाकर अच्युत रान्धारा

2: विजय रत्नाकर रान्धारा

सं० 476 19वां मैन चौथा जे० ब्लाक
जयनगर, बैंगलूरु।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृप्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2454/85-86 दिनांक नवम्बर 1985)
सम्पत्ति है जिसकी सं० 17 ब्रण्टन रोड, बैंगलूरु।

आरा० भारद्वाज
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूरु

दिनांक : 2-7-86

मोहर :

प्रश्न वाइर्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारत 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेंग सं० सी० आर० 62/49058/85-86—यतः,
मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘पिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है’), की भारत
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० निडलूर गांव है तथा जो कसबा होडली देवन-
हल्ली तालुक बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्या-
लय, देवनहल्ली दिनांक 7-11-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दूसरमान प्रतिफल से, “एसे दूसरमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है” और अंतरक (अंतररक्त) और अंतरीरती (अंत-
रितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विवित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है—

(ए) बन्दुक से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दिए थे बन्दुक के विवित
में कमी कहुने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
लाइ/या

(ब) एसे किसी बाय या किसी भने या अन्य वास्तवी
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भपकड़ अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
में प्रयोगवार्ष बन्दुकी इवाना प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना जाना था, इसपाने में
सुविधा के लिए।

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्तयों, अर्थात् :—

(1) श्री चेतन देसाई

निवासी—28, विश्वानाथराव रोड
माधवनगर, बंगलूरु।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कल्याणी आलवा

पस्ति डा० के० नागप्पा आलवा,
517, राजमहल विलास एक्सटेंशन
बंगलूरु।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशालीहाँ सूक्ष्म करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी आशेप हैं—

(क) इस सूचना के दूसरपन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उससे अधिक अवधि तक सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तयों में से किसी अविक्त इवाना;

(ब) इस सूचना के दूसरपन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवहन
किसी अन्य अविक्त इवाना अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एवंकीरण:—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्ट और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 934/दिनांक 25-11-85)

विडलूर गांव कसबा होडली देवनहल्ली तालुक बंगलूर
में स्थित संपत्ति।

श्रार० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :

प्रधान वार्ष. टी.ए.एव.

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वी
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काशीलय, वायकर वायकर वायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर;

बंगलूर, दिनांक 4 अप्रैल 1986

निदेश सं० आर० 1785/37ईई/—यतः मुझे, आर०

भारद्वाज;

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवेद इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित वायकर भूम्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 67/1डी है, तथा जो लेवले रोड, बंगलूर में
स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसुन्धी में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 13-11-85

बंगलूर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वायकर भूम्य से कम के इस्यामान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की जाए है और उसे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वायकर
भूम्य, उसके इस्यामान प्रतिफल से, एसे इस्यामान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिफल से अधिक है और बंतरक (बंतरको) और बंतरिती
(बंतरितीयों) के बीच एवं बंतरण के लिए तब पाया
गया प्रतिफल, विस्तीरित उद्देश्य से उक्त बंतरण विस्तीर्त ने
वास्तुविक रूप से कानून नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या बन्ध अस्तियों
को, विवेद भारतीय वायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ये सुविधा
के लिए;

यतः यदि, उक्त अधिनियम की भाग 269-व का उद्देश्य
है, वै, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपचारा (1)
के अधीन विस्तीरित अस्तियों के लिए है ॥

1: श्री शब्दीर अम्भास भाई लोकान्डवाला
श्री सादिक हुसैन शमसूदीन पचोखाला
श्री महमदी यूसफ भाई वादनगरवाला
नं० 30 मिशन रोड, बंगलूर-27

(अन्तरक)

2: (1) श्री सूरेश वासवानी
(2) श्रीमती गीता वासवानी
सं० 22, लेवले रोड, बंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण ॥—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1648/85-86 दिनांक 13-11-85)

सम्पत्ति है, जिसका सं० 67/1डी (पुराना सं० 5 में पोरशन)
लेवले रोड बंगलूर में स्थित है ।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक वायकर वायकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 4-4-1986
मोहर :

प्रकाश वाहै.टी.ए.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत कारकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक 12 जून 1986

निदेश सं० 37ई/5679/85-86—यतः मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बंगली सं० 26प्रस० सं न० 226 बास्त्रे पुना
रोड, खड़की केन्टोमेंट पुना-3, में स्थित है (और इससे उपाधिक
अनुसुची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) अर्जन रेज/
सब राजस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यात्र
प्रतिफल के लिए उत्तरार्थ की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दूर्यात्र प्रतिफल से, ऐसे
दूर्यात्र प्रतिफल के पश्चात् प्रतिकृति से अधिक है
और अन्तरक (बंतरको) और बंतरिती (बंतरीयत्यों)
के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
संस्करण से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यकृत
नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण से हुई किसी भाव की विवर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के बन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा
के बाबू; और/या

(क) ऐसी किसी भाव या किसी भूत या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकह अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
या प्रबोधनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किसी बाना आहिए था, जिसने वे सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :—

(1) 1. मिंग मधुन इलविस, 2 मिंग साराखान आर
3 मिंग रोडा खंवाडिथा
16 नेपियर रोड, पुना—7

(अन्तरक)

(2) डी० टी० आरोड़ा और आदर्स 11, मोलेदिना रोड,
पुना।

(अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थ के विषय
कार्यकारीहाँ करता है।

उक्त संघीय के अर्थ के संबंध में कहे हैं और बाल्कर :—

(क) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों एवं
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों द्वे ते किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लाप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमती

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ई/5679/85-86 जो
दिसम्बर, 1985 को सहायक आयकर आयकर निरीक्षण अर्जन
रेज पुना के दप्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पुना

दिनांक : 12-9-1986

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) यूनाइटेड मोटर्स (हॉलिडे) लिमिटेड
31 एम० पृग० पाटकर मार्ग बम्बई ।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-व (1) के विवर सूचना(2) श्री परिमल शाकपीलन पण्ड लील इण्डस्ट्रीजल
लिमिटेड, परिमल भवन, गणपतराव मार्ग,
बम्बई ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पार्क, पुना-1

पुना, दिनांक 12 जून 1986

निवेश सं० 37जी/485/85-86—यतः मुझे, अनिल
कुमार,बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
के कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट सं० एफ०.७ (पार्ट) नारापुर इण्डस्ट्रीजल
पारिया कोल बडे (पास्पाठ है) नथा जो कोलावडे में स्थित
है (ग्रांडडमे उपावडे अनुसुनी में ग्रांट यूर्ज रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज/मेव रजिस्ट्रार
में, बम्बई रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक दिसंबर, 1985,के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवयवान
प्रतिफल के मिए बन्तरित की गई है और यह विश्वास
करने के कारण है कि अवयवोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अवयवान प्रतिफल से, एसे अवयवान प्रतिफल का पूर्ण
प्रतिष्ठत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरको) और बन्तरिती
(बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय काया गया प्रति-
क्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में शाम-
क्रियक रूप से कथित नहीं किया गया है—(क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
बन्तरितिय के अधीन कर दले के बन्तरुक के
बाबित से कहीं कहुने या उक्त से बजने में सुनिधा
के विरुद्ध/प्राप्त/

अनुसूची

(ब) एसी किसी आप या किसी धन या बन्य बासितियों
को, जिसे किसी भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
बन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था किनाने में सुनिधा के लिए;(जिसे कि रजिस्ट्रीफूल सं० 37जी/485/85-86 जो
मास दिसंबर 1985 को सब रजिस्ट्रार बम्बई के दफ्तर में लिखा
गया है)अनिल कुमार
मकान प्राधिकारी
सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 12-5-1986

मोहर :

प्रस्तुत बाहरी टी.ए.एस. अधिनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर बाजार

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना—1

पूना, दिनांक 27 फरवरी 1986

निदेश सं० सं० 37ई/5651—यतः मुझे, अनिल कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रत्यारूप 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० मध्ये सं० 54/7, प्लाट मं० 86, सब-प्लाट मं० 4/ए ऐरेण्डवणा पूना ।

है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यह गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अनिवार्य में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी बाय की अवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बास्तु अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-ग के अनुसर नै, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अचान्त—

(1) श्रीमती उपा.एन० कुमार

10818/2 चतुरश्चूणा पूना—16

(अन्तरक)

(2) मेहसुस अंगल एण्ड कम्पनी ।

प्रमोटर्स एण्ड बिल्डर्स

775/2 डी० जी० पूना—4

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचान्त के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अचान्त के संबंध में कोई बाष्पेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित ये सं किए था बताएं।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस बायाय में दिया गया है।

अनुसुची

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण अ० 37ई/5651/85-86 जो दिसम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 27-2-1986

मोहर :

प्रकृत वार्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (वित्तीकरण)
अर्जन रेंज 106/107, कोरोनावां पार्क, पूना-1

पूना, दिनांक 5 मार्च 1986

निदेश सं 37ईई/31/85-86—यतः मुझे, अनिल कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ज्या है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, वितका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 394/1, प्लाट नं 4, एस० टी०
कलोनी के पास प्लाट सं 3, मधुपालती अपार्टमेंट्स सांगली
है तथा जो सांगली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक दिसम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरान प्रतिफल से ऐसे दूसरान प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ॥—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर हने के अन्तरक के दायित्व में
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
शोषणार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्रीनाथ बिल्डर्स

394/1 मधुपालती अपार्टमेंट्स, एस० टी० कालोनी
के पास सांगली ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोविंद व्यंकटेश कुलकर्णी
लक्ष्मी निवास, सवत कालोनी सातारा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्रेष है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृतक्र० 37ईई/31/85-86 जो दिसम्बर
85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के
दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

बहुत बष्ट, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षातः :—

दिनांक : 5-3-1986

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 109/607, कोटेश्वर पार्क, पुना—1

पुना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 37ई/10799—यतः मुझे, अनिल कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 50 निलेसोरे नलासीपारा (डब्ल्यू) ता० वर्मई जि० थाना (क्षेत्रफल : 676 चौ० फुट) है तथा जो थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पुर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज/सब्र रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1986, को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से एसे दस्यमान प्रतिफल का निवृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया था सत्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बांधरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

अनुसुची

(म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आँखियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसार से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स निरीक्षण एसोसिएट्स

40-41 विश्वान शापिंग सेण्टर स० एम० ही० रोड, अंधेरी (ई) बम्बई

(अंतरक)

(2) श्री केशी पेट्रोनजी वरीवा

मुलानो बंगला, खांभा लेन, खेटवाडी, बम्बई
(अन्तरिती)

को यह सूचना आर्जी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के विए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षा है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत न० 37ई/10799/85-86 जो

फरवरी 1986 के सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पुना

दिनांक : 10-2-1986

मोहर :

प्रश्न वाइ. ई. पर्स. पर्स.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वा.
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

तात्पुत्र व्यक्ति

कार्यालय, सहायक आयकर वायव्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 मार्च 1986

निदेश सं. 37ई/1399/85-86—यतः मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परवाएँ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिपकी सं. मर्वें सं. 49, हिन्दुसं. 1/3 ए तथा 1/3 बी,
प्लाट सं. 12, कोयरलैड पूमा है तथा जो पूना में स्थित है
(प्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त
निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक दिसंबर 1985,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूल्य के यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया जाया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
पासवादिक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(1) श्री पुष्कराज रिकबजी चौहान
ओर अन्य 401 रविवार पेठ पूना

(अन्तरक)

(2) मेसर्स अंकूर प्रमोटर्स
"अमोल" 1226-सी शुक्रवार पेठ सुभाषमगर
कालोनी लेन पूना ।.

(अन्तरिक्षियों)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दृश्यत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने वा
उद्धिष्ठा वा जिए ।

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण सं. 37ई/4899/85-86
जो दिसंबर 1985 को सहायक आयुक्त निरीक्षण अर्जन
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

मतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, भारा अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 20-3-1986

मोहर :

उच्च वाईकटी एवं एष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 14 अप्रैल 1986

निदेश सं० 37जी/517/85-86—यतः मुझे, अनिल
कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की आय
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसको सं० नंवें सं० 103/21, एफ० पी० सं० 270/31
सब प्लाट सं० 10, चैतन्य नगर, सेवडी अहमदनगर
है तथा जो अहमदनगर में स्थित है (अर्थात् इससे उताबड़ अनु-
सुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी
के कार्यालय सब रजिस्ट्रार अहमदनगर में, रजिस्ट्रीर्टी अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर
1985;

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिक
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अधिकार प्रतिफल से, एवं उसमान प्रतिफल का
पूर्व प्रतिवेदन से अधिक है और अंतरक (बन्तरुक) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अनुरूप के सिए तर्थ पाया गया
प्रतिफल, निम्ननिमित्त उपरोक्त से उच्च बन्तरुप लिखित व
वास्तविक स्पष्ट रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(ए) बन्तरुप के दूर्द की आप की बाबत, उच्च
अधिनियम के अधीन बड़े दरों के बन्तरुप के अधिकतम
में की दूर्द या उच्च दरों में दूरिया के लिए;
लाठी/वा

(ब) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उच्च अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगवार्ष
बन्तरिती इवाए प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना आविष्कार या लिखाने में दूरिया के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उच्च अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वासुदेव विष्णु आठोल
1146, शिवाजीनगर पूना—16

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश सदाशिव मोकाशी
स्नेहल सहकारी गृह निर्माण संस्था चैतन्य नगर,
सेवडी अहमदनगर

(अन्तरिती)

की यह सूचना बाई करने पूर्वोक्त बन्तरुप के बर्बन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उच्च सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
वर्वार बाद में सम्बाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उच्च
अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रियोक्ता
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनिल कुमार

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 24-4-1986

मोहर :

प्रकाश भारती दी.एस.एस.-----

(1) मेसर्स ब्रासो एसोसिएट्स
386, भवानीपेठ, पुना--2

(अन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व के अधीन सूचना(2) श्री सोपान्त्सेय मोहम्मद अधिनियम कापाडिया
299 भुसावल्पेठ राज अपार्टमेंट्स
पुना--42

(अन्तरिक्षी)

भारत राजकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 11 अप्रैल 1986

निवेश सं० 37ई/4998/85-86—यतः मुझे, अनिल
कुमारआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० ओनरेशिप प्लाट-सी० टी० एस० सं० 387-
ए, भवानीपेठ पुना-2 है तथा जो पुना में स्थित है (और
इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1985को पूर्वोक्त सम्पर्क के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकार
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
एसे अधिकार प्रतिफल के पश्चात् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकर्ता) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षीयों) के बीच एसे अन्तरक
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरेय से
उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया
गया है ।(क) अन्तरक है कि उक्त अन्तरक की वादेय, उक्त
निवेश के अधीन कर देने के अन्तरक के वाचिकत्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

महाराष्ट्री

(ख) हेतु जिसी आद या किसी अन्य वा अन्य जास्तीय
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिखाने में सुविधा के लिए;जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ई/4998/85-86, जो
दिसम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन
रेंज, पुना के दफतर में लिखा गया है ।अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुनायतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरक
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धतः ।

दिनांक : 11-4-86

मोहर :

प्रधन बाई.टी.एन.एस.

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

सारांश संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 6 मई 1986

निर्देश सं० 37ई/5274/85-86—यतः मुझे, अनिल
कुमार

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'बाबकर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
प के अधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट जहां सी० टी० एस० सं० 1156/10
और थोनर रोड पूना है तथा जो पूता में स्थित है (और इससे
उपाकृत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
प्रधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1985

को प्राप्तिकरण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकान
प्रतिकरण के तिए बन्तीरत की गई है और मूँहे यह विश्वास
कर दे का कारण है कि यथाप्राप्तिकरण सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अधिकान प्रतिकरण से, एवं उसके अन्तराल प्रतिकरण के
पश्च अन्तराल से अधिक है और बन्तरक (अन्तरक) और
बन्तीरती (बन्तीरिती) के बीच एवं बन्तरक के बिंदु द्वय
मात्र अतिकरण, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरक
प्रतिकरण में वास्तविक रूप से कमित नहीं किया गया है ।—

(क) बन्तरक से हुई किसी बाय की वापर उक्त अधिक-
नियम से अधीन कर देने के बांतरक के शायित्य में
कमी करने वा उससे उपरोक्त में विविध के लिए;
तोड़ा/या

(क) दोनों किसी बाय का किसी बन या अन्य आवृत्तयों
को, विस्तृ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किसी बाना आहिए था, लियाने में सुविधा
के लिए;

बाबकर अधिनियम की धारा 269-प के अनुसार
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की नियमानुसार (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अरुण उर्फ जयकुमार चुनिलाल
खिवसारा, 446 सफलाय गोखले बास रोड पूना
(अंतरक)

(2) श्री प्रकाश सीताराम मोरे
शामाली प्रभात रोड, पूना—4

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना बारी करके प्राप्तिकरण के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक

(क) इह सूचना के राजपत्र में ब्रकारन की तारीख है 45
दिन की अवधि या तत्त्वावधि अविकारों पर सूचना
ही तामील है 30 दिन की अवधि, और भी अधिक
दूष वा दबाव होती हो, वे भी उत्तर प्राप्तिकरण
अधिकारी द्वे हैं किसी अविकार तुलात;

(क) इह सूचना के राजपत्र में ब्रकारन की तारीख है 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
मुख किसी अन्य अविकार तुलात अभोहस्ताकरी वा
पात्र निविद द्वे किए जा सकते हैं।

अधिकरण:—इसमें अवधि दो और पदों का, वा उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण क्र० 37ई/5294/85-86, जो
दिसम्बर 85 को सहायक आयकर आयकर अर्जन रेंज
पूना के दृष्टर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 6-5-1986

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्सं जोशी प्रमोटर्स
1217 सदाशिवपेठ पुना।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) मेसर्सं मैसिम फाइनान्स एण्ड इन्वेस्टमेंट प्रा० लि०
1319/2 सदाशिवपेठ पुना—30

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पुना
पुना, दिनांक 1 अप्रैल 1986

निदेश सं० 37ई/5798/85-86—यतः मुझे, अनिल
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. गे अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० सं० 1265 सदाशिवपेठ
पुना—30 है तथा जो पुना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसा किसी या किसी भूमि या अन्य वास्तविक
को छिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रक्रिया किया गया
था या किया जाना चाहिए था, इससे भूमि के सुलिखा
के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 262-घ की उप्धारा (1)
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—176 GI/86

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रो 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख इ^१
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37ई/5798/85-86
जो दिसम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन
रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पुना

दिनांक : 1-4-86

मोहर :

प्रस्तुत आई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 अप्रैल 1986

निदेश सं. 37ईई/5322—यतः मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लाट सं. 61 सर्वे सं. 45/5 ए. वी. सी. टी. एस. सं. 299 शीला विहार कालोनी एरेण्डवाणा पूना—4 में है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच दृश्यमान प्रतिफल के बीच दृश्यमान प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त पत्तण लिखित में व्याप्तिविकल्प से कथित नहीं किया गया है—

(य) अन्तरण सं. हृ. किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यमान में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रविज्ञार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उसने में सुविधा के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन:—

(1) श्री अरविंद एस० किंजवडेकर
पी० सं० 61 शीला विहार कालोनी क्वें रोड
एरेण्डवाणा पूना—4
(अन्तरक)

(2) चोपडा एसोसिएट्स
एस० वाय चोपडा, 1622 मदाशिवपेठ
पूना—30
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र. 37ईई/5322/85-86, जो दिसम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
नाथम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 पूना

तारीख: 28-4-1986

मोहर :

प्रस्तुप बाइं. टी. एन. एस.-----

(1) श्री वी० टी० छुमार
366, मैगलवार पेट पूना 1

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री एच० एच० संचेती
ए-16, आदिनाथ सोसायटी पूना-37

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 6 मई 1986

निवेश सं० 37ई/5630/85-86—याः मुझे, अनिल
कुमार,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इतके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक हैग्रामीणकी सं० ६वें सं० 692ए-2ए-1-2 पूना स्टीलिंग
नं० 21, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रामीणके उपाध्यक्ष
अनुसुची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी
के राग्रामीण, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज,
में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक दिसम्बर 1985,की व्यापकत रूपरूपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि व्यापकौक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरामान प्रतिफल से, एसे दूसरामान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)
वार्षिक अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक वा
दायित्व में कर्मों करने या उससे बचने में सविभा
के लिए; और/या(ख) एसी किसी वाय या किसी धन या बन्ध वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना जाहिए या छिपाने में
साथसा के लिए;को यह सूचना जारी करने के लिए सम्पत्ति के लिए
व्यापकता है।

सक्षम सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारी वे
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तात्पुरता से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि दाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारी वे
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकें।व्यापकरण:—इसमें प्रथमत शब्दों अंतर पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के दृष्टान्त 20-क परिभाषित है,
वही वर्त होगा जो उस अभ्यास में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ई/5630/85-86 जो
दिसम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज
पूना के दफ्तर में लिखा गया है।अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूनाअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसूची
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात् :—

दिनांक : 6-5-1986

मोहर :

प्रकाश बाई, टी.एस., एज. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 6 मई 1986

निर्देश सं० 37ई/5323/85-86—यतः मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

आंद्र जिल्हा सं० 61 शीता विहार कालोनी कर्वे रोड, पूना—4
में स्थित है (आंद्र इमेर उपवास अनुसूची में आंद्र पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्री अंतरिक्षीय अधिकारी की कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त
निरीक्षण अर्जन रेज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्व्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्षीय की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि प्रश्नपूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्व्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्व्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रांशशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षित) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
प्रतिक्रिया में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः गव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रकाश श्रीपाद किंजवडे कर
पी० के० 61 शीलविहार कालोनी कर्वे रोड,
पुन्नद्वारा पूना—4

(अन्तरक)

(2) चौपडा एसोसिएट्स
पार्टनर पृष्ठ० वाय० चौपडा 1622 सदा शिवपेठ
पूना—30

(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संरक्षित में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों वारे पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के भी परिमापित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनिल कुमार

मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

दिनांक : 6-5-1986
मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना
पूना, दिनांक 6 मई 1986

निदेश सं० 37ई/5324/85-86—ठन: मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उपर्युक्त दर्जा कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन साथाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग सं० 61, शीलाविहार कालोनी
पूना है जो पूना में स्थित है (अंगूर इसमें उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर
1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामान
प्रतिशत के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरामान प्रतिशत से, एसे दूसरामान प्रतिशत का
अन्तर अंतरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अंतरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ
या गया गया प्रतिशत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्धारित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दृष्टिकोण में कमी करने या इससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
में, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती दबाय प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

बहु: अग, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अकित्यों, अर्थात् 5—

(1) श्रीमती उषा श्रीपाद रिमबेडकर
प्लाट सं० 61, शीला विहार, कालोनी कवे रोड,
पुना—४

(अन्तर्क)
(2) चंपाडा एसोसिएट्स
प्लॉट बाय० चंपाडा 1622 सदाशिवपेठ
पुना—३०

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कौई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के नाम
लिमित में किए जा सकेंगे।

प्रार्थना :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैमा कि रजिस्ट्रीक्यूट शॉ सं० 37ई/5324/85-86 जो
दिसम्बर 85 का महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज
पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
मक्तम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

दिनांक : 6-5-1986

मोहर :

एस शार्टटी एस एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-वा(1) वा अधीन अधार

भारत राज्यवर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना; दिनांक 2 मई 1986

निदेश सं० 37ई/7452/85-86—यतः मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), वा
धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने
कारण है कि स्थावर संपत्ति चिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको मं० एलाट सं० 215, सर्वे सं० 334, 338, रवि-
हेण्डस्ट्रीज अमर ज्योति को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी
चिपारवडी थाना में स्थित है (और इसमें उपावद्व अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
दिसम्बर 1985,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई।
है और मूझे यह विवाद करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्ण प्रतिफल से अधिक है
और बंतरक (बंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच यहें
बंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरेय
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन लहरों किया
गया है :—

(क) अंतरण से हुए किसी वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) हमें किसी वाय या किसी धन या अन्य अप्रीसेबल
के लिए भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भी
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगभर्त्व अनुहिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना आवश्यक था, हिंदू राज सुविधा
के लिए;

(1) श्री शंकर गोविंद मोहन आर अम्य
बड़वाक भारत जि० थाना

(अन्तरिक्ष)

(2) मेसर्स मूरमह कल्पना
पावर कम्पाउण्ड गणेश टाकीज के पार
पचासवडी थाना (डब्ल्यू.)

(अन्तरिक्ष)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की मर्जन के लिए
आवश्यक रूप से करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधिक के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के दृश्यमान में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्वी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बह भूमि समावृत्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ल) इस सूचना के दृश्यमान में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बूक जिसी बन्त व्यक्ति द्वारा अधोइत्तमसी वे
पास लिखित में किए जा सकें।

लक्षण :—इसमें प्रदृष्ट वस्त्रों वा रुपों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के द्वारा दाखिल
है, वही दर्श दोगे जो से भूमि के दिए
गए हैं।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत न० 37ई/7452/85-86 जो,
दिसम्बर 85 की सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन
रेज पुना के दृश्यमान में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पुना

दिनांक : 2-5-1986

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)
, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रमाण साई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सम्बन्ध

मान्यता वर्तमान

कानूनिक, सहायक आयकर वापरक (नियोजित)

अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक 31 शार्द्ध 1986

निदेश नं. 37ई/5547/85-86—यह: मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो भारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी नं. प्लाट नं. 131, मर्वे नं. 26, ड्हाणूकर कालीनो
कोयरड पुना-२९ में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची
में आंग पूर्ण नं. ५ वर्णित है), रजिस्ट्री दर्ता अधिकारी वे कार्यालय
महायन आयकर आयुक्त नियोजित अर्जन रेज में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर
1985,

को पूर्वोक्त सम्बन्धित के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार
प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वान्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके व्यवहार प्रतिफल से अधिक है और अन्तरण (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के दीप एक एक अन्तरण के लिए तथा या या
प्रतिफल, नियानिहित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित
एवं वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक ले
पायित एवं बायी करने या उसमें बदलने में संविधान
के लिए; और/वा

(ल) एंसो किसी जाम या किसी धन या अन्य बास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या उक्त
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के व्यापकार्थ
अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया गया था एवं
किया जाना चाहिए था जिसने में संविधान के लिए.

उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
द्वारा, वे, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, नियानिहित अधिकारी, उचित है :—

(1) श्री दीपक श्रीनिवास नाईक

प्लाट नं. 402 मी. साईड आर्टसेटम
लै. मार्ग, प्रभादेवी ब्रह्मदई।

(प्रत्यक्ष)

(2) कर्णकिश कन्स्ट्रक्शन्स

सी/ओ० ०० के० क्लॅंसवाडी २९ एल० अग्रमें सी०
कालोनी पुना मत्तारा रोड, पुना-९

(अन्तिमी)

वह यह सूचना आरी करके पूर्वान्त सम्बन्धित के अधीन के लिए
कार्यवाहीयां एवं करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
वर्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति इवारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बन्धि भी हिन्दू-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधिकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यापकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्य 20-के में वर्णित हैं, वही वर्त होता जो अन्य 20-के
द्वारा है।

वापरणी

जैना कि रजिस्ट्रीकृत नं. 37ई/5547/85-86 जो
दिसम्बर 85 की सहायक आयकर आयुक्त नियोजित अर्जन
रेज पुना के दफ्तर में नियोजित गया है :

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
महायन आयकर आयुक्त (नियोजित),
अर्जन रेज, पुना

दिनांक : 31-3-1986

मोहर :

प्रस्तुप आई. टौरे एन. एस

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत वरकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 1 अप्रैल 1986

निदेश सं. 37ई/7874/85-86—यत. मुद्रे, अनिल

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. घर सं. 240 एण्ड 240ए, प्लाट सं. 2
और 3 नवं सं. 67/ए हिस्सा सं. 15 एन. 30 सी. ० केलकर
रोड, डोम्बीवली (ई) जिला थाना है तथा जो डोम्बीवली
में स्थित है (और इसमें उपावट उन्मुचों में और पूर्ण रूप में
विणा है), रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर
आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज में, रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1985,
का निम्नलिखित उचित विवर में वर्णन के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके द्व्यमान प्रतिफल से एसे द्व्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हट किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाक्यिक में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) के
प्राप्तजनाथ अन्तरां द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बता: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसर
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
5—176 GI/86

(1) श्री एस० एन० पाटिल एण्ड अन्य
सामंत विल्डिंग, जेग्रासबाडी डोम्बीवली (ई)
(अन्तरक)

(2) श्री अनिल एस० ढाके और अन्य
15, तुलसी सदन, एन० सी० केक्कर, रोड,
डोम्बीवली (ई) जिला थाना ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी वास्तेष ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संधिति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम के अन्य 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्थ होंगा जो उस व्यापक वर्ते दिका
ता है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकॉर्ट क्र. 37ई/7874/85-86 जो
दिसम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन
रेज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

दिनांक 1-4-86
मोहर

प्रकाश बाई, टौ एन. एम. —————

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, वहायक बायकर बाबूकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज- पूना

पूना, दिनांक 27 मई 1986

निदेश सं० 37जी/418/86-87—यतः मुझे अनिल
कुमारबायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का
धरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० सर्वे सं. 883/1/2/2 आगरा रोड नामिक
है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे उप बढ़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सब-रजिस्ट्रार नामिक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विद्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
न्यून ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रेती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
ग्रामांशिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्रीमती तिमाह बाई अनंत अंधेर
1796 जून नाम्बर आली नामिक ।
(अन्तरक)

(2) श्रीकांत गोविंद पुण्याणीक
1170 धानापाडी पंचवटी नामिक ।
(अन्तरिती)

कि यह सूचना भारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के सिए
कार्यालयों शूरू करता है।

उक्त सूचना के लिए एवं उक्त सम्पत्ति को आक्षण भी आवश्यक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तथा
45 दिन की अवधि वा अधिकारी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के दृश्यमान में प्रकाशन की तारीख तथा
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तवद्व
किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किया जा सकते।

लाप्तीकरण —इस प्रदर्शन जारी और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम वा अधिकार 20-के में परिभ्रान्ति
है, या उक्त अधिकार 20 के अन्य अध्याय में 'दृश्य
मूल्य' है।

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायिक्ति में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा
के लिए; और/या

(ख) एसी फिल्मी आय या किन्हीं धन या जम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रमुख अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं होने
वाया था या किया जाना चाहिये था, विषय में
हृतिधा है लिए;

अनुसूची

जमा कि रजिस्ट्रीक्यून अ० 37जी/418/86-87 जो सब-
रजिस्ट्रार नामिक के आकिप में दिसम्बर 85 को लिया गया
है।

अनिल कुमार
गक्षम प्राधिका
वहायक आय-कर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज पूना

अवः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपाया (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 27-5-1986

मोहर :

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की भारा.269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

व्यावसय, सहायक आयकर बाबूजत (रजिस्ट्रेशन)
अर्जन रेज पूना;

पूना दिनांक 27 मई 1986

निदेश सं० 37जी/420/85-86—यतः मृमे अनिल

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० है तथा जो नासिक में स्थित है (और उसमें
उपावट अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार में नासिक रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर
1985में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृमे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके इयमान प्रतिफल से, एसे इयमान प्रतिफल को
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा यथा गवा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
प्राप्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(1) श्री दिग्म्बर बापूजी काले

और अन्य 1796 जून ताम्बर लाईन नासिक
(अन्तरक)

(2) श्री शलेश गोपाल पुराणीक

4470 घोलपवाडी पंचवटी नासिक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा:(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
जिमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।प्रष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भास्तीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट गई किया गया था
या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के
लिए;जैसा की रजिस्ट्रीकृत क्र० 37जी/420/85-86 जो दिसम्बर
85 को सब-रजिस्ट्रार नामिन के आफिस में लिखा गया है।अनिल कुमार
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज पूनाब्रह्म अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुतरण
वं, वं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)
वं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षा—

दिनांक : 27-5-1986

मोहर :

प्रकाश बाई.टी.एल.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) से जीत सूचना

भारत बारकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 12 जून 1986

निदेश सं० ए० आर० सं० 4636/II/86-87--अतः
मुझे ए० के ० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन जेवलपुर सं० नं० १५/बी, ५२३
चौ० मी० है। तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इसके उपाध्य
ग्रन्तमूल्य में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया से अधिक है और बन्दरक (बन्दरकों) और बन्द-
रेती (बन्दरेतियों) के लिए एसे अन्तरण के लिए उद्य पाया गया
दृश्यमान प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण सिद्धित में
ग्रस्तावेद रूप से अधिक नहीं किया गया है ।—

(१) अन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम वे वर्षीय बहु देवे वे अन्तरण का
विविध भौं करने वा तहसे बचने भौं सुविधा
के लिए; और/या

(२) एसी किसी बाय या किसी भूं या अन्य बासितयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या खदकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
वस्तियों द्वाया प्रकट नहीं किया यथा या किया
यावा चाहिए था, जिसने भौं दृविषा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

(१) श्री प्रकाश चिमललाल गाह
१४वीं लेन बार
बम्बई ।

(अन्तरक)

(२) पंचरत्न एट्ट प्राईंस
भागीदार श्री रावजीमायी छोटाभाई पटेल
सोनकमल शास्त्रीदाम
ग्रानद ता० ग्रानद
जिला—खेड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्बन के संबंध में कोई भी वास्त्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
तिवित में किए थे सकते।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रमुकत घट्टों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिप्रेक्षित
है, वही वर्ष होंगा जो उस अध्याय के दिन
होगा।

अनुसूची

जमीन जो जेवलपुर जि० बड़ौदा में स्थित है जिसका
वास्तविक मूल्य 5,50,000/- रुपए है ।

ए० के० सिंह
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 12-6-1986

मोहर :

प्रृष्ठ 52 दृ. एन. ६५

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अंक
भारा 269-व (1) के अधीन दर्जन:

भारत सरकार

सार्वजनिक, सहायक वायकर लायक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जून 1986

निदेश सं० पी० आर० सं० 4637/II/86-87--अतः
मुझे ए० के० सिंह

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विस्तृत इसके व्यावात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), लो धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका व्यापक व्यावाय मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० जमीन भ० नं० 95/वी नीट नं० 27 है। तथा जो जेतलपुर बड़ौदा में स्थित है (और इसके उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन; दिनांक नवम्बर 1985 को प्रक्रियता संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के व्यवाय प्रतिफल के निए वंतरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्षता संपत्ति का व्यवाय मूल्य, उसके व्यवाय प्रतिफल से एक विवास संरिति का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दोनों दोनों अन्तरण के लिए एक पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के लिए अन्तरक विवित में वास्तविक रूप में कार्यित नहीं किया गया है:—

(a) अन्तरण से हुए किसी वाय की वायत उक्त निभीतवाम के अधीन कर देने के अन्तरक के दोनों में कोई करने वा उत्तरे वक्तव्य में सुविधा नहीं लिए जाएं।

(b) एसी किसी वाय वा किसी वाय वा वायत उक्त निभीतवाम के अधीन कर देने के अन्तरक के दोनों में कोई करने वा उत्तरे वक्तव्य में सुविधा नहीं लिए जाएं।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री प्रभाल बामलाल शाह
निमालीन एच० शाह
बस्त्रई-14वीं अम्ता
खार बस्त्रई

(अन्तरक)

(2) पंचरन्न एण्टरप्राइज़
भागीदार राजीभायी ठोटाभायी पटेल
सोनकमन शास्त्रीबाग
आणंद

(अन्तर्स्ती)

का यह सूचना बात करके दर्वाजित संपत्ति के वर्जन के सिप्प गोचारिता शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस रात्रना के उपर्युक्त प्रक्रियान की तारीख या 1.5.1986 का अवैध ना हो तत्प्रवर्त्ती व्यक्तियों ५र दूरी का अवैध ना हो तथा ३० दिन की अवधि, जो भी अप्रैल १९८६ को अवैध हो, के भोतर प्रवर्त्ति की अवैध ना हो।

इस रात्रना के उपर्युक्त की तारीख से २००८ अप्रैल वर्ष में हितबद्ध विवित अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास दिया जाएगा।

अन्तरण से हुए किसी वाय की वायत उक्त निभीतवाम के अधीन २००८ अप्रैल वर्ष में दिया जाएगा।

अनुसूची

जमीन जो जेतलपुर जिल बड़ौदा में स्थित है जिसकी वास्तविक मूल्य 5,50,000/- रुपए है।

ए० के० मिह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अहमदाबाद

दिनांक: 12-6-1986

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

प्रारूप रूपरूप

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरोक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० पी० आर० सं० 4638/86-87—अतः
मुझे ए० के० दिन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ से अधीन सकारा नियन्त्रिती करे, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जैसका उपकार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और नियन्त्री सं० माना अम्बा नाईना उमरा-टी० पी० एम०
है। तथा जो 9-मूल्यमें थिन है (अंगृहि के उपावट अनुमती
में और पूर्ण रूप में वर्णित है) जिसी अधिकारी के कार्यालय
अहमदाबाद में रजिस्ट्री रेज अधिनियम (37ईई ना 16) के
अधीन दिनांक 28-11-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
परीक्षण के लिए अन्तर्भूत की गई है और जो इन नियन्त्रण
करने का कारण है कि वर्त्तोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान परीक्षण में, एवं दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत वे अधिक वे अंदर रहना (नियन्त्रण) और
अन्तर्भूती (अन्तर्विती) के लिए दोनों अनुसरण के लिए तथा
यथा प्रतिकल, नियन्त्रित उद्देश्य भे उक्त अन्तर्भूत
नियन्त्रित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तर्भूत से हुई किसी कार की बांबन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिसी भारतीय राजकार्य परिवर्तनशील (पूर्व
(1922 का 11) वा जन्म: नियन्त्रित, वा अन्तर्भूत
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सावधा के
लिए;

जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्भूत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन नियन्त्रित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नासी तैयवजा रेणमवाला
107 सतार एफ वशी
न्यू बोम्बे ।

(अन्तरक)

(2) अग्रवाल गमांज दूस्त
द्वारा मी० एम० अग्रवाल
सुब्राम विलिंग
स्टेशन रोड सूरत ।

(अन्तर्स्थिती)

को यह सूचना आई करके पूर्वोक्त व्यक्ति के वर्जन के लिए
कानूनी अधिकारी करना है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना कों तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताकरी के पास
गिरित भौं किए जा सकें।

संबद्धोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

37ईई का फॉर्म पर कार्यालय में दिनांक 28-11-85 को
पेश किया गया है ।

ए० के० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरोक्षण)
अर्जन रेज, अहमदाबाद

दिनांक : 30-6-1986
मौहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

दस्तावेज़ 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत बाजार

व्यापारिय, दस्तावेज़ व्यापक व्यापक (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० सी० आर० सं० 4639/II/86-87—अतः
मुझे ए० के ० मिथ

व्यापक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० मात्रा गोमीपुरा मूल्य-बोड सं० 10 है।
तथा जो नोंद नं० 1438ए 1437 और 1611 में स्थित है
(और इसके उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूख में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
2-11-1985

को प्रदूषक भार्तीय कृषिकला बाजार बंद्य व कल के द्वयालान
प्रतिक्रिया के लिए अनुसूचित ही इह है और मुझे इह विवास
हरमे का कारण है कि यथाप्रवृक्ष सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उपर्युक्त अनुसूचित वे दोहे इवानान प्रतिपत्ति का
प्रदृश प्रतिक्रिया में व्यापक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिक्षीय
(अन्तरिक्षर्णी) के बीच इस अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित है
व्यापक रूप से किया नहीं किया जा सकता है—

(1) श्री जतीनमायी जीवनमायी शाफ़ और अन्य⁶
6 अरुणोदय गोमीपुरा
अलकापुरी बड़ौदा

(अन्तरक)

(2) जैन श्वेताम्बर मूलिगुज़ क तयगच्छ
आराधक संघ
गोमीपुरा सूखत।

(अन्तरिक्षी)

मै यह सूचना बारी करके प्राप्ति सम्पत्ति के अन्तर्गत कार्रवाई करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्बन्ध वे कोई भी व्यापक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृक्ष
व्यापत्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी व्यक्ति द्वारा व्यापक अन्तरणीय के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखितरण:—इसमें प्रदूषक वस्त्रों और उन्हें वा, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही वर्ष ढोगा जो उस अध्याय के दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की वायत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कियी करने या उससे बचने में सुकृता
के सिए; और/वा

अनुसूची

(ख) एसी किसी वाय या किसी धन या अन्य वास्तवीय
को, किन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तरण अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा वा किया जाना चाहिए वा, छिपाने में संविधान
के लिए;

...न जो गोमीपुरा सूखत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार
सूखत में 8223 नम्बर पर दिनांक 2-11-85 रजिस्टर्ड
किया गया है।

ए० के० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक अधिकार अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 30-6-86

मोहर :

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
दो, भू. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) को
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी

प्रृष्ठ नाम—

वायकरु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियोक्ता)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद; दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4640/II/86-87--प्रतः
मुझे ए० के० सिंहा,
वायकरु अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिते हुवे
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-म के अधीन सकार आयकरी को, वह विवाद उत्तरे वा
कारण है कि स्थानकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट सं० 1 से 18 फा० सं० 409 से 424
है। तथा जो समा-बड़ौदा में स्थित है (और इसके उपायदृष्टि
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ई

के अधीन दिनांक 2-12-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवाद संकरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से एसे इयमान प्रतिफल अथवा इसके उक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितीहों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में प्राप्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है ॥—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापर, उक्त अधिनियम के अधीन कार बने के अंतक के वायित्व में कमी करने या उससे बचाने वाले सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसे किसी आय या किसी भना या अन्य वास्तवों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) दिग विरेन्द्रसिंह ईन्द्रासिंह जी सोलंकी
बलसाड ।

(अन्तरक)

(2) म० कोमशियल कन्स्ट्रक्शन कं०
215, कोमर्स हाउस
मास्टर रोड
बम्बई-400 083

(अन्तरिती)

को वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहो करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब भैं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों भैं से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदेश भव्यों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

37ई का फोर्म पर कार्यालय में दिनांक 2-12-85 में
पेश किया गया है ।

ए० के० सिन्हा
सकार प्रधिकारी
सहायक आयकर आयकर (नियोक्ता)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (पिरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० पी० आर० सं० 4641/II/86-87—अतः मुझे
ए० के० सिन्हा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उधार अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 2 आर०एस सं० 38 है। तथा
जेनलपुर बड़ौदा में स्थित है (और इसके उपायद्वारा अनुभूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
का 16) के अधीन दिनांक 14-11-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(इ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं त्रिया
गया था या किया जाना चाहिए था, इधने में
सुविधा के लिए;

(1) देवयानी सुरेशभायी पटेल
हरिभक्ति कोलोनी
रेस कोसं
बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीलासरन अश्रीलाल
धनबाद,
बिहार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
पास लिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पर्वों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

बनूसूची

प्लॉट जो जेनलपुर बड़ौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार
बड़ौदा में दिनांक 14-11-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० के० सिन्हा
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (पिरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज-11 अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 264-व के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 30-6-1986
मोहर :

प्रस्तुत बाहौदी.टी.एल.एल.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 जून 1986

सं० पी० आर० नं० 46—अतः मुझे, ए० के० सिन्हा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या जमीन और मकान आर० एस० नं०
601 से 603 है, तथा जो टीका नं० 281/21 बड़ौदा
में स्थित है। (और इससे उपावश्र अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 22 नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से, ऐसे दूसराना प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कल: १५, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गिरिश चन्द्र मणी लाल जाला
कड़ीयापाल बड़ौदा।

(अन्तरक)

2. श्री खासाई दाउदभाई धनजी
अरुणदेव सोसायटी, बड़ौदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए
कायबाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पुरु की तमील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तरिती

जमीन और मकान जो बड़ौदा में हित हैं। अब रजिस्ट्रा० बड़ौदा में दिनांक 12-11-1986 दे रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० पी० सिंह
सदाग प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II प्र०।

दिनांक: 18-6-1986

मोहर :

प्रकाश वार्ता ट्रॉफे एजेंसी

स्थानकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
साक्षात्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद
अहमदाबाद; दिनांक 1 जुलाई 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4643/II/86-8—अतः मुझे
ए० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सकाय प्राधिकारी को यह विवारात करने का
कारण है कि स्थानक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार वूम्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० बी० एल० स० न०
28 गोरखा है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इसमें
उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
19-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार वूम्य से कम हो जल्दात
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और भूमि यह विवारात करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
वूम्य, उसके इच्छात प्रतिफल से, एवं इच्छात प्रतिफल का
वन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब
गाय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(म) अन्तरण से हृदय किसी बाद की, उक्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर्तु देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने वा उक्त वायित्व में दूषिता
के लिए; और/या

(न) हरेकी दृक्षी आद या किसी भूमि का अन्त वासिकाओं
को बिन्दू भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा उन्न-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इकाया प्रकट हरी किया गया
या या किया जाना चाहिए था, तिथाने में सुनिश्चि-
त किया;

वह अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
में, को, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा है—

1. मै० आर० सी० कन्स्ट्रक्शन
भागीदार श्री कीटरीभाई लुशालदास शाह
35/209 विजयनगर नारणपुरा
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. मै० हिन्दुस्तान मोटर्स लि०
9/1 आर० एन० मुखर्जी रोड़
कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में हॉर्ड वी अधिके हैं—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यापी बात में कमाते होते हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों वे किसी व्यक्ति वृद्धारा;

(ब) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में इच्छात
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पांच
लिखित में किए जा रहे हैं।

लक्षण :—इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, वे व्यायाम 20-व में परिभ्रान्ति
हैं, पहीं अर्थ होगा जो उक्त व्यायाम में दिक्षा
करा है।

अनुसूची

मिलकत जो बड़ौदा में स्थित है। जिसका मूल्य
4,59,000/- रूपये है। सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में दिनांक
19-11-85 को 8043 नम्बर पर रजिस्टर्ड की गई है।

ए० के० सिन्हा,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

दिनांक : 1-7-1986
मोरह :

राज्य अधिनियम एवं अधिनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1986

निवेश सं० पी० आर० नं० 4644/II/86-87—प्रतः मुझे,
ए० के० सिन्हा.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या पलैट गोरबा, बड़ीदा, सं० नं० 76 है
तथा जो बड़ीदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय बड़ीदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19 नवम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंसरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
धारात्मक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना आविहृत था, जिसने में सुविधा के
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैं आई० जी० कन्स्ट्रक्शन क०
कीटीरभाई खुशालदास शाह
35/209 विजयनगर,
तारणपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. मैं हिन्दुस्तान मोटर्स लि०
9/1, आर० एन० मुखर्जी रोड,
कलकत्ता-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति पर
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मैं

फ्लट जो गोरबा, बड़ीदा में स्थित है। जिसका मूल्य
4,92,000/- रूपये है। सब रजिस्ट्रार, बड़ीदा में 8041
नम्बर पर दिनांक 19-11-85 को रजिस्टर किया गया

है।

ए० १० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II अहमदाबाद

दिनांक : 1-7-1986

मोहर :

प्रधान वाहन, डॉ. एन. एच. —————

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई, 1986

निदेश मं० पी० आ० नं० 4645/II/86-87--ग्रन्त: मुझे,

ए० के० मिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी मंख्या फ्लैट नं० 3, टी० पी० ए० नं० 2
बड़ीदा है तथा जो बड़ीदा में स्थित है (और इसमें उगा-
बद्ध अनुप्रीती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय बड़ीदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-11-85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्राप्तिकरण के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकरण से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकरण का
पूर्वोक्त प्रतिकरण से अधिक है और अतारक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिकरण, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
प्रतिकरण में अस्तीचक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हड्डे किसी आय की बाबत, सक्त अधि-
नियम के अधीन कर इनें के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचत में संविधा के लिए;
कांड/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तीचे
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (19-7-21-27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती ब्ल्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना आहिए था, जिसने मैं संविधा के
लिए;अल: अब, सक्त अधिनियम की भारा 219-ग के बनुसरण
में, वृं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी आवाहि है—1. मै० आर० सी० कन्स्ट्रक्शन
कीरीटमाई खुशालदास शाह
[2 उर्मी सोसायटी,
बड़ीदा।2. मै० हिन्दुस्तान मोटर्स निं०,
9/1, मुखर्जी रोड,
कलकत्ता।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ आलोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंसबद्ध किसी
अन्य अधिकारी अधिकारी या उस विविध भूमि
से किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
पाया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3 जो बड़ीदा में स्थित है। जिसका मूल्य
5,13,000/- रुपये है। सब रजिस्ट्रार बड़ीदा में 8037
नम्बर पर दिनांक 19-11-85 को रजिस्टर्ड किया गया
है।ए० के० मिन्हा,
सक्त प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II प्रहमदाबाद

दिनांक: 1-7-86

मोहर

प्रकृष्ट बाईंच दौड़ रुक्ष रुक्ष

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1986

निर्देश सं० पी० आ० न० 4646/II/86-87:—अतः मुझे,
ए० के० सिन्हा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी संख्या पलैट नं० 10, 11, 12 ए० 6, 7, 8,
10, 12, 13, है तथा जो गोरखा बड़ीदा में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ीदा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 19-11-1985

के पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुछ किसी बार को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा नहीं लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आवश्यकीयों को, जिसके आरतीब बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- मैं आ० आ० शे० कन्स्ट्रक्शन,
कोरीट भाई के० शाह
2, उर्मी सोसायटी, सुमानपुरा,
बड़ीदा
(अन्तरक)
- मैं हिन्दुस्तान मोटर्स लि०
आ० एन० मुखर्जी रोड,
कलकत्ता-1
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काशोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्रध-किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास दिलेखित में किए जा सकेंगे।

ल्पस्योकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट जो बड़ीदा में स्थित है। जिसका मूल्य 18,18,000 रुपये है। सब रजिस्ट्रार बड़ीदा में 8039 नम्बर पर दिनांक 19-11-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II अहमदाबाद

दिनांक: 1-7-86

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियंत्रण)

अंजन रोड-II; अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 जुलाई 1986

निर्वेश सं० पी० आर० नं० 4647/II/86-87—प्रतः मुझे,
ए० के० मिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उक्ते पदनाम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को पृष्ठ विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय संपत्ति, जिसका उत्तीर्ण बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सं० नं० 1061/1, लाखापांच पंकी
जमीन है। तथा जो जमीन और मकान में स्थित है (प्रीत
इसके उपाधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नडीयाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 28-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तीर्ण बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वस्त्रोक्त सम्पत्ति का उत्तीर्ण बाजार
मूल्य, उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से, एके दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण अतिक्रम से अधिक है और बहरक (बहरको) और बैं-
पिली (बैंपिली) के बीच एसे विवरण के लिए यह जाया जा
जातियाम, जिसनिवित उद्देश्य से उक्त दृश्यविवरण के
वास्तविक कारण के अधिक नहीं किया जाया है ॥—

(क) बहरक से हुए किसी बात की वापर, उक्त
बैंपिली की वार्ता कर दर्शे वे बहरक से विवरण
में कही जाए या उक्ते विवरण में सूचित की जिए
जाएँगा

(क) एसी किसी बात का किसी भूमि का बन्द वास्तविकों
से, जिन्हें भारतीय बाबन्कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोक्तवार्थ
बन्तीरती हृषाश प्रकट नहीं किया जाया था कि ज्ञा
ज्ञाना बाहिर था, किसान में सूचिता के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभाषा (1)
के अधीन, जिसनिवित व्यक्तियों, जाति ॥—

1. श्री सूर्यकान्त हरभान भाई पटेल नडीयाद
हाल मटोएन, तह० नडीयाद
(अन्तरक)

2. श्री शाह चन्द्रलाल सुरजमल
श्रीमति पश्चासरन जे० शाह
दिपिन कुमार जगदीश बन्द
जगदीश चन्द्र चन्द्रलाल शाह
लखाबाद, नडीयाद
(अन्तरित)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तीर्ण के लिए
कार्यवाहीहीन करणा है।

उक्त सम्पत्ति के उत्तीर्ण के सम्बन्ध में कोइ भी वास्तवे ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उससम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाट वे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों द्वारा नियंत्रित बुदारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान तंपति में हित-
बहुव किसी बन्द व्यक्ति बुदारा ज्ञाहस्ताकारी की
पास सिनिहत ये किए जा सकेंगे।

लक्ष्यानुसारण:—इसमें बहरक बहरों और बहीं ज्ञा, जो उक्त
बैंपिली की जापाय 20-के परिकारिय हैं,
बही बही बही ज्ञा जो उक्त बन्द व्यक्ति में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नडीयाद में स्थित है जिसका मूल्य
7,00,000 रुपये है। सब रजिस्ट्रार नडीयाद में 3850
नम्बर पर दिनांक 28-11-85 को रजिस्टर्ड किया गया
है।

ए० के० मिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (नियंत्रण)
अंजन रोड-II अहमदाबाद

दिनांक: 4-7-1986
मोहर:

प्रस्तुत बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राज्यकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रोड-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 जून 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4251:—अतः मुझे,
ए० के० पिछा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या अमीर और मालान टी० पी० ए० ०३
पर ए० ०३९४ ए० ०४ पी० ४ है जो चन्द्र
जालीनी में स्थित है सी० जी० रोड कोलेज के पीछे
अहमदाबाद में स्थित है (और इसके उपरवाट अनुसुची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री इर्टा अधिकारी के कार्यालय
अहमदाबाद में रजिस्ट्री इर्टा अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 1-11-1985की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयांग
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयांग प्रतिफल से, एसे छयांग प्रतिफल का
न्द्रह अतिशय से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ याया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/याएसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
के, जिन्हें भारतीय आयकर विभाग, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
है, विद्यमान व्यक्ति था, लियान द्वारा दुर्लभ,अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

7-176 GI/86

1. श्री भृश भाई नानुभाई मुन्जा के
प्रक्षीकृत पील तथा प्रस्टेट के
प्रो चोन्ह भाई नानुभाई मुन्जा आर 2 अन्य विदेह
चिमन लाल गिरवर लाल रोड नं० १
एलीन ब्रीज, अहमदाबाद-380006

(अन्तरर)

2. श्री पृथ्वी राज भारतनंद पारेख
डायरेक्टर मर्यादा मर्कन्टाइल्स लिमिटेड
20, विट्टिश इन्डीयन स्ट्रीट
रुम नं० 38 अलकन्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त सूचना के अवज्ञ के संबंध में कोई भी वास्तव

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी ज्यकित द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।प्रबोक्षण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्यात् २०-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

नानुसूची

एसी और मालान टी० पी० ए० ०३
पी० ३९४ ए० ०४ चन्द्र जालीनी में स्थित है सी० जी०
रोड, जोको जालीज के पीछे, अहमदाबाद रजिस्ट्री इर्टा नं०
12691/1-11-85पी० के० मिन्हा
स्थम प्राधिकारी,
स्थायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोड-II अहमदाबाद

दिनांक: 24-6-1986

मोहर:

स्ट्र. बड़े टो एन.एस.-----

राज्यकान्दित्यम् 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्षार्षला, सहायक अधिकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 जून 1986

निर्देश सं० पी० आ०० नं० 4252:—अनु: मुन्त्रे, ए० के०
सिन्हा,आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन अक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानकर्ता ममति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये अधिक हैऔर जिसकी संख्या वीयन सोम आ०० ए०० नं० 408
1, 2, 4 और 410, 412-1, है तथा जो भया ब्लाक
नं० 614 अमीन क्लेवफल 59411 को यार्ड 12 एकर
11 गुड़ा में स्थित है और इसके उत्तरवाह अनुसुची में
और पर्यंत हाँ के चिन्ह हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 जा 16) के अधीन, दिनांक 4-11-1985
से पर्याप्त समर्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृक्षे यह विश्वास
करने का आवश्यक है कि ग्राहपर्वेन वास्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान त्रैतकल से एमे छयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और उत्तरक (उत्तरक) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच दूसरे अन्तरण के नियम या या
प्रतिफल, निम्नान्तरा युद्ध शब्द से सहृदय उत्तरक लिखित
हो वार्ताएँ छल अथवा अनुसूची किया जाता है ।(अ) अन्यरूप ले हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के लिए लिया कर देने के अन्तरक के
विविध में क्षमी करने या उसमें बदलने में सुविधा
है तिप्पणी लाइ/या(ब) एसी किसी अन्य या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तर्भूत तुलना पक्ष रही किया गया था या किया
जाना नाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए;रामा ५३, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, इसके अधिनियम नं० धारा 269-व की उपभारा (1)
मैं अधीन निरीक्षण आयुक्त के लिए ।

1. श्री नारायण चिमन नाल पटेल

गांव बोयल

गुलूम—दखकोर्स

गुलूम अहमदाबाद

(अन्तर्भूत)

2. मैमसर्स वुल्फिन्टा अम्भीकेशन आर्ट ट्रेडिंग लिमिटेड
के०ओ० गांवा गल्लीकेशन,
आजाद डेरी रोड के नजदीक
गार्डीयाल, अहमदाबाद-21

(अन्तर्भूत)

का यह सूचना आरोक्त करके पुर्वोक्त समर्पित ले अर्जन के लिए
कार्यवाह्यां शुरू करता है ।

उक्त समर्पित के अर्जन के संबंध में कोई भी जाझेपे ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णस्तु
व्यक्तियों से किसी व्यक्तित्व द्वारा;(ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी के पास
निर्दित में विए जा सकेंगे ।स्वाक्षरण:—इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

बोयल सी० आ०० ए०० नं० 408-1, 2, 410,
412-1, नया ब्लाक 614, बोयल में अमीन क्लेवफल
59411 वर्ग यार्ड 12 एकर 11 गुठी।

ए० के० गिन्हा

ग्राम प्राधिकारी

ग्राम प्राधिकारी आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड- अद सराबाद

दिनांक: 27-6-1986

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1986

निवेदण सं. पी० आर० नं० 4253—अनु. मुझे, ए० के०
मित्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
ओ० रिपोर्ट की सं० राज्युरुहीरपुरएफ० पी० नं० 127 टी० पी०
एस० 2 हिस्ता सं० 1ए०/1 है जो जमीन खेतफल 880
वर्ग यार्ड ओ०८म ता०१ मजला न०२ में स्थित है (त्रै० इसके उपाबद्ध
अमूल्यी में ग्राम पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्री न०१ अधिकारी
के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री उपर अधिनियम, 1908
(1908 का 16) वा० अधी०१, दिनांक 8-11-1985,
को पठांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का
पंद्रह अंशशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रभाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) गुलबानू अरदेशा वाडीया
कांकरिया रोड,
वाडीया वीला,
अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री लालजीभाई नंटवरलाल ठक्कर
न्यू विजय को० प्र०० ह०० सोसायटी निमिटेड
24, तेजन सोसायटी विभाग—२
घोटलोडिया अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचने के संबंध में कोई जाक्षणेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे०हस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टांकण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वहों अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमूल्यी

राज्युरुहीरपुर एफ० पी० नं० 127 टी० पी० एस०-२
हिस्ता नं० 1ए०/1 जमीन खेतफल 880 वर्ग यार्ड उपला मजला
के नाथ मकान रजिस्ट्रेशन नं० 13450/8-11-85

ए० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहाय अयूर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :

प्रस्तुत आहे दी.एन. एम. —

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4254—अतः मुझे, ए० के० सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके एसके पश्चात 'उच्च अधिनियम' कहा जाया है), की धारा 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० राज्यपुरा-हीरपुर पक्ष ० पी० नं० 127 टी० पी० पृ० ८०-२ हिस्सा नं० १-ए/१ है तथा जो जमीन धेत्रकल ८८० वर्ग यार्ड और मध्यात्मक में स्थित है (आईडीएके उपांच्छ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्त्रीकारण अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-11-1985,

को पूर्णस्तु सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के असमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और भूमि यह विवास करने का कारण है कि यथापृथक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके असमान प्रतिफल से, एसे अपमान प्रतिफल का एक ही प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिक्षीय (अन्तरीतियों) के बीच एसे अन्तर के लिए तथा पाया गया प्रतिशत निम्नांतरिक्ष उद्देश्य से अंतर अन्तरण लिया गया है इसके अनुसार रूप से कार्यात लहरे किया जाया है ।

(क) अन्तरण धू.है । इसी आय की बाबत उच्च अधिकारी जीवन के अन्तरक के अधिकारी के अधिकारी के अधीन द्वारा उत्तराधिकारी के अधीन किया जा सकता है । एवं अतुर्धा

अनुसूची

(ख) एकी किसी बाय या किसी धन या अस्ति जन्मितियों को, जिसके भारतीय आदेश अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 के अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिक्ष इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सूक्ष्मा के लिए;

अतः अब उच्च अधिनियम की धारा 269-ए की अनुमति में, उत्तर अधिनियम की धारा 369-ए की इपक्षण (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपर्तु २०-

(1) रामशा अरदेशाह बाड़ीया
जोकरीया रोड,
बाड़ीया बीला
अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री लालजीभाई नटवरलाल ठक्का
न्यू विजय को० आर० हार० सोनायटी लिमिटेड,
२४, तेजम सोनायटी विभाग—२
घाटलोडीया, अहमदाबाद—२ ।

(अन्तरक)

को यह सूचना बारी करके पूर्णस्तु संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है ।

उच्च सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्य नहीं ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकर्त व्यक्तियों में से दिली व्यक्ति है ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावसाक्षरी के पास लैखित में किया जा सकते ।

सम्बोधकरण:—इसमें प्रश्नकृत शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उच्च अध्याय में दिया गया है ।

राज्यपुरा-हीरपुर पक्ष ० पी० नं० 127 टी० पी० पृ० ८०-२ हिस्सा में० १-ए/१ जमीन धेत्रकल ८८० वर्ग यार्ड मध्यात्मक उपलो मजला के साथ रजिस्ट्रेशन नं० १३४५२/४-११-८५

प० के० सिन्हा
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :

प्रस्तुति आदृत दर्शन पत्र:

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

साधारण आपकर आपकर आयुर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० पी० आरा० नं० 4255/—अनु: मुझ, ए० के०
सिंहा,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
169-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० ए० सं० 4465, 4466 और 4469
कालिकूर बोर्ड-3 ले सर्व है तथा जो राइट मेण्टल टोकीज के
शीर्षक में जी० ए० ए० ए० और ए० ए० 734-
2 वर्ग मीटर में स्थित है (आंश इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 1-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
काप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन, कर दने के अन्तरक के
पारिषद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
शक्ति के लिए;

वहाँ बत, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षां परं:

(1) श्री सुर्यकान्त पाहेवर्सिंग नगरेशोठ और अन्य
गण्डूल मिनेमा
कुवारा, गांधी रोड,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री तारीनराम चारीमल
डायरेक्टर बन्कर फैशिक्स प्राइवेट लिमिटेड
465/11 फस्ट फ्लोर,
सेवाडाका डहेला,
साकर बाजार,
अहमदाबाद-380002

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पार्केट संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवृत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की वधिय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की वधिय, जो भी
वधिय बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधाहस्तानी के पास
लिखित में किए जा सकें।

लक्ष्यान्तरण—इसमें प्रबन्धत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सी० ए० सं० नं० 4465, 4466 और 4469 कालिकूर बोर्ड-
3 ले सर्व शहर मेण्टल टोकीज के शीर्षक में जी० ए० ए०
ए० ए० ए० सं० 12800/1-11-85।

ए० के० सिंहा

क्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के विवर सूचना

भारत सरकार

दर्जना, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० ग्री० आर० नं० 4258—अतः मुझे, ए० के०

किंतु,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसके उच्चत उच्चत अधिनियम कहा गया है) दी धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक हैऔर पिछली सं० भावनगर सी० एस० बोर्ड सं० 3 शीट सं०
41 कड़ा नं० 159 दो मन्जिला है। तथा जो मण्डन महेंदी
चोक में दानापीठ भावनगर में स्थित है (अर्थात् इससे उपावड़
अनुसूची में ग्रांर पूर्णहृद में वर्णित है), रजिस्ट्री इर्टा अधिकारी
के कानूनिय भावनगर में रजिस्ट्रोरण अधिनियम, 1908 (1908
दा 16) के अधीन, दिनांक 19-11-1985,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल एवं लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के
अन्तर्गत सम्बन्ध में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
(अन्तरितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
कि दिनापीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलिखित में वास्तविक
में यांत्रिक रूप से कठित नहीं किया गया है:—(३) अन्तरण से ही किसी आय को नाजर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बनारक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या(४) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आंसूखदों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वारा नियमित, अ-
उच्च-उच्च अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या को किया गया चाहे या, उक्त दो संकेत
के लिए.अतः अथः, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के बनुतरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के प्रयोग, नियमित अधिनियम, 1957 के(1) श्रीमती पदमबेन चीमनलाल महेता
और श्रीमती जयबीबेन जयन्तीलाल महेता
के/ग्रांफ ध भारत युल्स और ओरल मिल्स
जमुना कुंड रोड,
भावनगर ।

(अन्तरक)

(2) शिंहोर नागरिक सहनारी बैंक लिमिटेड
एच० आ० शिंहोर-3-3424
जिला—भावनगर ।

(अन्तरिती)

की वह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन से सिव
कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदाता
किसी लग्न व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरों के पाठ
नियमित में किए जा सकते।अट्टेक र०:- इसमें इन्द्रज शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के विवाय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं
होते होंगा, जो उस विवाय में दिया गया है।

अनुसूची

भावनगर सी० एस० बोर्ड सं० 3 शीट सं० 41 कड़ा
नं० 159 दो मन्जिलावाला मण्डन महेंदी चोक में दानापीठ भावनगर
रजिस्ट्रेशन सं० 3362/19-11-85ए० के० सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 30-6-1986

मोद्दर :

प्रकाश बाई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

प्रकाश बाई

कार्यालय, उत्तरायण आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4257—अतः मुझे, ए० के०
सिंहाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'अंतरित अधिनियम' भी गया है), की धारा
269-व के अधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण कि एक स्थान परिवर्तन, जिसका नाम आजार मूल्य
1,10,000/- रु. में अधिक हैऔर जिसकी सं० दो मंजिल मकान परीमल को० ओ० हा०
सोमायटी में प्लोट सं० 41 है तथा जो टी० पी० ए०-३,
एफ० पी० 711, 713 से 717 जमीन 1149 मकान 550 वर्ग
यार्ड है तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण मूल्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 7-11-1985,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंके यह विवास
करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हाई किसी बाय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या(1) श्री मुकेश बाई कान्तीलाल पटेल और अन्य
परीमल सोमायटी, एलीफ्रीज,
अहमदाबाद ।

(अन्तरण)

(2) श्री अनुने पनालाले शाह और अन्य
41, परीमल सोमायटी
एलीफ्रीज, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा लधाहस्ताक्षरी के पास
निम्निति में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एव्वें का, जो उक्त
अधिनियम, अंतरिती व्यक्ति द्वारा दिए गए हैं,
वही अर्थ होते हैं जो उक्त कानून द्वारा दिए
होते हैं ।

अनुसूची

दो मंजिलावाला मकान परीमल को० ओ० हा० सोमायटी
में प्लोट नं० 41 टी० पी० ए०-३ एफ० पी० नं० 711,
713 से 717 जमीन शेतकर 1149 वर्ग यार्ड और मकान
550 वर्ग यार्ड रजिस्ट्रेशन सं० 10433, 10429, 10424
और 10428/7-11-85 ।(ख) एसे किसी बाय या धन या कल्य आयित्य
का, इन्हीं भागों का अधिनियम, 1922 (ल 11) या उसके विवरण, 21
प्रतिकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अधिकारी अन्तरिती द्वारा शक्त बहु नियम
बदल द्या जा किया जाना चाहिए या, इसारे ।
दिनांक के लिए;ए० के० सिंहा
मंजिलावाला मकान परीमल को० ओ० हा० सोमायटी
स्थायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :

उक्त अवधि अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाव (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा :

प्रधान माइंटॉन प्रॉप्रिएटर्स

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० पी० आर० सं० 4248—ग्रत: मुझे, ए० के
सित्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० १५ एक० पी० १६९, १७०
१७१ अन्य एस० पी० न० ६ से है। तथा जो और ६वीं
जमीन स्त्यापाड़ी फो०ओ० हा० सोसायटी में ७९३ वर्ग यार्ड
में स्थित है (और इसे उपात्रद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 4-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्व्यमान
प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हश्यमान प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती
(बंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बंतरण में हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक और
आयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
नहीं लिए, और या

(क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
शब्दों, ऐचन्स भारतीय शब्द, १९२१, १९२२ का ११) :

(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
योद्दर्श अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या प्रा कि या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
नहीं लिए।

बताए बत, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुरूप
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुरूप (1)
मैं बताए, निम्नलिखित व्यक्ति के

(1) श्री सुमतीलाल चिमनलाल गोपालपाल
श्रीमती मूर्यकान्ताबेन सुमतीलाल गोलवाला
224, गुजरात पारेखकी पोल,
मदन गोपाल हवेली रोड,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री कमलेश चांदमल शाह
गंगा धीयाकी पोल,
सांकडी शेरी,
अहमदाबाद

(अतिरिक्त)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी लाभेष :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की वारील से 30 दिन की अवधि, जो श्री
बवाई बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

सित्ता

टी० पी० एस० १५ एक० पी० १६९, १७०, १७१ अन्य
एस० पी० सं० ६५ और ६वीं जमीन स्त्यापाड़ी को० ओ०
हा० सोसायटी में शेवफल ७९३ वर्ग यार्ड रजिस्ट्रेशन सं० १३००४
और १३००५/४-११-८५ ।

ए० के० सित्ता

सधम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :

प्रकृत्य बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
मार्गीनिय, उदायक आयकर बाधकत (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० पी० आर० सं० 4259—प्रतः मूले, ए० के०
सिन्हा,

बाधक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन भक्षण प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस०-21 एफ० पी० 239/सी०
और 239/डी० एस० पी० सं० 10 है तथा जो वस्त्रापुर सीम
जमीन क्षेत्रफल 753 वर्ग यार्ड में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
प्रान्तमूच्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18-11-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए उत्तराधिकारी की गई है और मूले यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से प्रत्येक इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
बन्धुरितों (बन्धुरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उस
पावा जा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
दिलेकर जो वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुए किसी बात की बाबत, उसके
अधिकार जो बोल कर देने को अन्तरण के बाहित
हैं किसी कल्पे या उपर्युक्त वर्ग से सुनिधा के बिना;
या/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिक्ती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिपाने से सुनिधा
के बिना;

अतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुष्ठान
में, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-176 GT/86

(1) श्री रमनलाल केशवलाल अग्रीन
मोटी डेली
पोस्ट बाबला, तालुक घोलका
जिला—अहमदाबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री डी० मिद्दार्थ जशवन्तलाल पोथीयाला
ट्रस्टी श्रीमती धनलक्ष्मीबेन फेमिलीट्रस्ट
बीसनगर (उ० ग०)
(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी काउंसिल समीक्षा के बाबत से किया
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बाबत के अंतर्गत में कोई भी वालों द्वा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख द्वा
45 दिन की अवधि या तत्त्वान्वयी व्यक्तियों द्वा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रूफोफ
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख द्वा
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकाल
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभीहस्ताक्षरी के अन्य
तिवित वै किए जा सकें।

लक्ष्मीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्ती का, जो उक्त
अधिनियम, जो अधीन 20-के में परिचालित
है, वही वर्ती होगा जो उस अधीन में दिया
गया है।

मनुष्यों

वस्त्रापुर सीम टी० पी० एस०-21 एफ० पी० 239-सी०
और 239-डी० पी० सं० 10 जमीन क्षेत्रफल 753 वर्ग
यार्ड प्लॉन्ट के माय लेवल कंस्ट्रक्शन रजिस्ट्रेशन सं० 13547/
18-11-85

ए० के० मिन्हा
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :

राजपत्र भार्ता. दी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) को अधीन सूचना

प्राप्त सुचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1986
निदेश सं० पी० आरा० सं० 4260—अर्जन: मुझे, ए० के०
सिंहा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व (1) को अधीन सकाम लाभिनियम ब्रा०, यह विभाग करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिगवा उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० टी० पी० ए० सं० 1 एफ० पी० सं० 248 मेम-
नगर सीम जमीन है। तथा जो क्षेत्रफल 966.54 वर्ग
मीटर और मकान 349.35 वर्ग मीटर में स्थित है (और
इसके उपांदृष्ट अनुमती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6—
11-1985

कां प्रौद्योगिक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयान
उत्तिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथाप्रौद्योगिक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके इयान प्रतिकल से एसे इयान प्रतिकल का
पहले प्रतिकल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जारी अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अंतरण लिखित थे
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आप की बाबत, उक्त अधि-
नियम को अधीन कर देने की अंतरुक की विविध तरी
क्षमी करने या उससे उचित में सुविधा के लिए:
प्रौद्योगिक

(ख) एसे किसी आप या किसी धन या वाय बासितवा
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती इतारा प्रकट नहीं किया गया
या या किन्तु जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

जारा: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अशोककुमार रामभाई पटेल
श्री गीरीशभाई लक्ष्मनभाई पटेल
झाइव रत्न रोड,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० के० पटेल
चेयरमेन मन पेलेस को० ओ० हा० सोसायटी
तीरथ नगर सोसायटी
सोला रोड अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके प्रौद्योगिक सम्पत्ति के अर्जन के निए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तेप:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रौद्योगिक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
दृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी या
पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सिंहा

टी० पी० ए० सं० 1 एफ० पी० सं० 248 मेमनगर सीम
जमीन क्षेत्रफल 966.54 वर्ग मीटर और मकान क्षेत्रफल
349.35 वर्ग मीटर ए० सं० आरा० अहमदाबाद रजिस्ट्रेशन
सं० 13193 और 13202/6-11-85।

ए० के० सिंहा
सकम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 30-6-1986

मोहर:

प्रह्लाद बाई, टी. एन. एस. -----

(1) श्री बचुभाई विजयशंकर भट्ट
31, श्रीमाली सोमायटी,
तवरंगपुरा, अहमदाबाद

(अन्तरक)

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1986

निर्देश सं० पी० आर० 4261—प्रत: सुन्ने ए० के० सिल्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० टी० पी० एम०-29 वाडज अंकुर कोमर्शियल
सेण्टर के नजदीक है तथा जो एफ० पी० नं० 92/93 टी० पी०
एम० 29 जमीन 827 वर्ग मीटर मकान 235.83 वर्ग मी०
37ई फाइल किया है में स्थित है (और इसके उपावद
अनुसूची में और पूर्णसूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी अहमदाबाद रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7—
11-1985,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से एसे दूसरमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
आय या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;को यह सूचना आरा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के समन्वय में कोई भी आक्रमण—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के दाम
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

टी० पी० एम० 29 वाडज अंकुर कोमर्शियल सेण्टर के
नजदीक एफ० पी० नं० 92/93 जमीन अंतरक 827 वर्ग
मीटर और मकान 235.83 वर्ग मीटर 37ई दिनांक
7-11-85 को फाइल किया ।ए० के० सिल्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :

यतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अंतर्क, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

उक्त वार्ता दी. पट. एव. एव. —————

विवरकात् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा
भारा 269-व (1) की अधीन उत्तमा

उत्तम भारत

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1986

निवेद सं० पी० आर० सं० 4262—ग्रतः मुझे, ए० के०

सिद्धा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एम० सं० 5725 शास्त्रीनगर नीलम
बाग के सामने है तथा जो जमीन अंतर्फल 3177.18 वर्ग
मीटर कंस्ट्रक्शन के साथ में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्णलूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 22-11-85

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल में लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उद्दमान प्रतिफल से एसे उपर्यामन प्रतिफल का
पूर्वान्तर से अधिक है और बंतरक (बंतरको) और बंतरिती
(बंतरितीवा) के बीच एसे बंतरक के लिए तब याया यथा
प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त बंतरक विविध वं
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(पृष्ठ) उत्तम दे द्वारा किसी वर्ष की बाबत, उक्त
विविक्षण के बचीन कर देने के उत्तम के
विवित वे लक्षी करने वा उपर्युक्त वे सूचिता
वे विषय; की/वा

(पृष्ठ) एसी किसी वर्ष वा किसी भी वा अन्य वास्तवियों
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगकारी बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा वा किया गया चाहिए वा, कियाने वे सूचिता
वे विषय;

वर्त: वह उक्त विविक्षण की भारा 269-व की अनुसरण
वे, वे, उक्त विविक्षण की भारा 269-व की उपाधारा (1)
वे अधीन, विविक्षित अधिनियम, अन्तर्द ०—

(1) श्री धनजीधाई दामोदरदास पारेख और अन्य
भागीदार मल्ल लीया गया पेटीके
मेसर्स विमल ओटोमोबाइल्स
नीलम बग के सामने भावनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री जादव आर० पटेल

भागीदार मेसर्स अखण्ड आनन्द बिल्डर्स
ऐरोड्रोम के नजदीक पटेल पार्क
प्लॉट सं० 270-ए
भावनगर।

(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना धारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के बर्तन के लिए
कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाल में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
विवितों में भी किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृक्ष
किसी अन्य व्यक्ति या द्वारा अप्राप्तिशाश्रयी के पास
तिलित व इत्यादि गर्कार्गः।

प्रबोक्षण:—इसमें पूर्वान्तर शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के वे परिभाषित
हैं वही वर्ग होता है जो उक्त वस्तु में दिया
गया है।

अनुसूची

सी० एस० सं० 5725 शास्त्रीनगर नीलमबाग के सामने
भावनगर सी० एम० सं० 5725 जमीन कंस्ट्रक्शन के साथ
क्षेत्रफल 3177.18 वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन सं० 3393 से
3399 दिनांक 22-11-85।

ए० के० सिद्धा
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 30-6-1986
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) कपूर प्रोपरटीज एण्ड इन्वेस्टमेंट

16, प्ल, कनाट प्लैम नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कम्पनीय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० प० सी०/प्र०/३/३७८८/१२-८५/
२५८१—श्रावण 1961 मुझे, जगदीश मित्रआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मूल्य 408 21 है तथा जो बाराखम्बा
रोड में स्थित है (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1985,
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहै था, छिपाने में सुविधा
के लिए;उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) कपूर प्रोपरटीज एण्ड इन्वेस्टमेंट
16, प्ल, कनाट प्लैम नई दिल्ली ।
(अन्तरक)
(2) श्री एम० पी० मेठ एच० पू० एफ० ए०ड गांगेश
मेठ एच०पू० एफ०
88 गुल्क लिक नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 408, लगभग थोकफल 595 वर्ग फीट । चौथा
खण्ड, 21 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।जगदीश मित्र
मथम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-11002

दिनांक : 2-7-1986

मोहर :

प्रकाश कालौंडी, एड एवं स्ट्रेटरीज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के बधीन सूचना

(1) म० कपूर प्रोफर्टीज एण्ड इन्वेस्टमेंट
एल-16, कनाट प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) म० कपूर फाइनेंस एण्ड लोंजिंग कम्पनी
बी-47, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

भारत उत्तरकाश

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/३७ई० १२-८५/
२५८६—अतः मझे, जगदीश मित्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के बधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 410, 21 है तथा जो बाराखम्बा
रोड में स्थित है (और इससे उपावद्वा अनुसूची में पूरी रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक दिसंबर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्छामान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इच्छामान प्रतिफल से, ऐसे इच्छामान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से ज्यादा है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
जिम्मेदारित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धि में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है ॥

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी व्यापे ॥

(क) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुत
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभासित
है, वही वर्त्त द्वागा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

(क) अंतरण से है किसी वाय की आवत, उक्त
अधिनियम के बधीन कर देने के अस्तरक के
वायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा
ने लिए; लौट/वा

अनुसूची

फ्लैट नं० 410, लगभग एस्ट्रिया 500 वर्ग फीट चौथा
खण्ड, 21, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(ख) ऐसी किसी वाय का किसी भत ५१ अध्य आसिन्यां
के, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा
ने लिए।

जगदीश मित्र
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अहं: अहं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन, जिम्मेदारित व्यक्तियों, बधाईः—

दिनांक : 2-7-1986

मोहर :

ग्रहण बाहौदर, टॉ. पूर्ण. एस. ——

(1) श्री जवाहर लाल नूरान

श्री अविल कुमार रक्यान एण्ड अरुन कुमार रक्यान
निवासी—सी-624 न्यू फैंडप कालोनी
नई दिल्ली ।बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निदेश सं. आई० ए० सी०/एक्य०/३/एम० आर-३/१२-
८५/३७३—अतः मुझे, जगदीश मित्रबायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी नं० प्लाट नं० 145 है तथा जो सुन्दर नगर,
नई दिल्ली ब्लॉक 171, 145 के नाम से जानी जाती है
(इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रोड-3, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक नवम्बर 1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छवमान प्रतिफल से ऐसे छवमान प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिक्षेप से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितरकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उमुदेष्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ।—(क) अन्तरण से दूर किसी बाय की वापत, उक्त
अधिनियम वे अधीन कहु देने वाले बनारक वे
उपरिक दो कमी व्यापे वा उपरे व्यापे से दूरिया
के लिए बाई/या(ख) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तवों
को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने वा सुनिश्च
की लिएअसू अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, दूर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
वे अधीन, निम्नलिखित लिखित, ज्ञात ।—

(2) मारबत ड्रेसिंग कम्पनी लिमिटेड ।

19, आर० एन० मुखर्जी रोड, नगरास्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभरी के पाल
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

जगदीश मित्र

प्लाट नं० 145 ब्लॉक नं० 171, 145, सुन्दर नगर के
नाम से जानी जाती है। चार बैड रूम, तीन बाथरूम ड्राइंग
डार्निंग किचन तत्र खण्ड प्रथम खण्ड एक कमर बाथरूम,
दूसरा खण्ड दो गेरेज और चार चपगमी क्वार्ट्स 866 वर्ग
गज ।

जगदीश मित्र

सक्षम प्राधिकारी

नगरास्ता आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-3, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-7-1986

मोहर :

प्रश्न वार्ड, टी. एस. एस. - २२२
वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बात
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
संसद, भारत के वायकर वायकर (नियोजन)
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

नियोजन सं. आई० ए० मी०/एक्य०/३/३७६७/११-८५/
२३७।—प्रत: मुझे, जगदीश मिश्र

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर भव्यता, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 802 है तथा जो नई दिल्ली हाउस
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्व स्थान से वर्णित
है) रजिस्ट्रीर्ट अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-3, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1985
को प्रदोक्षण भव्यता के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और इसे यह विश्वास
का कारण है कि दृश्यमान सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तस्क (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरीरीतयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित द्वयशेष से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इसे किसी बाय की वायत उक्त
अधिनियम की वायत हर इन्हें के वायरक के कामिल
दो वायत दो वायत दो वायत में सूचित के लिए;
रैट/शा

(ख) ऐसी जिसी बाय वा किसी भव वा जन्म भास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा भव-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचित
वायत।

वायत: वाय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० नरेन्द्र शिंह बा० एम० गुरुन्द्र शिंह
वा० हाउस नं. 2156, सेक्टर 15-सी चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

(2) श्री रविन्द्रग नाथ गुप्ता 10% श्री रविन्द्रग नाथ
गुप्ता एच० य० एफ० 10% श्री रामा रानी 15%
विनोद गुप्ता 25% विनोद गुप्ता एच० य०
एफ० 15% श्रीमती रेणा रेणा गुप्ता 25
निवासी—के-4/19, माडल टाउन
दिल्ली-110009।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्रदोक्षण सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

इस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की वर्तीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की वर्तीय, जो भी
अधीन वाय में समाप्त होली हो, के भीतर प्रदोक्षण
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर रसम्पत्ति में हितवद्ध
किसी वाय व्यक्ति द्वारा उधोहस्ताभारी के पाव
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
वाय है।

अनुसूची

फ्लैट सं. 802, आठवां ब्लॉड नई दिल्ली हाउस, नई दिल्ली
फ्लैट एक्य० 1004.5 वर्ग फीट 1 वालांगोंती क्षेत्रफल
39 वर्ग फीट।

जगदीश मिश्र
मक्षम प्राधिकारी
भारतीय वायकर आयुक्त (नियोजन)
अर्जन रेज-3, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-7-1986

मोहर :

प्र० र० आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निवेश सं० आई० प० सी०/ग्र०/3/37ई०/11-85/

2381—अतः मुझे, जगदीश मित्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-प के
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, 'प्रियकार उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है'और जिसकी नं० संपेत सं० 10 है तथा जो डा० गोपाल दाम
भवन 28 बागबाबा रोड में स्थित है (आंगूठमें उपावल
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) एडिस्ट्रीकर्नरी अधिकारी के
कार्यालय अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली में भान्तीय रूप स्थावर
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर

1985

जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमात्र
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास
करने का कारण है कि यथावर्देक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमात्र प्रतिफल में एस० इत्यमात्र प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तथा पाशा पथा प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-
विक छप रें कथित नहीं किया जाता है ॥(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए:
और/या

अनुसूची

(अ) एम्बी किसी आय का किसी भल या अन्य व्यक्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या उनकर
विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया जा या किया
जाना लायिए था, छिपाने से सुविधा के लिए(1) श्री गोगाल दाम एस्टेट एण्ड हाउसिंग प्रा० लिमि०
28 बागबाबा रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोगाल दाम एस्टेट एण्ड हाउसिंग प्रा० लिमि०
302, अशोका एस्टेट, 24, बागबाबा रोड
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वार्ता ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तरांचली व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णतया
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियां द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें ।स्थावोकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ड होंगे जो उस अध्याय में दिया
जाता है ॥सोम नं० 10 छठवां खण्ड शा० गोपाल भास भवन 28
बागबाबा रोड, नई दिल्ली-110001 सुपर एसिया 804:55
वर्ग कीट ।जगदीश मित्र
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-7-1986

मोहर :

अतः बद, उक्त विधिनियम की भारा 269-प के अन्तर्गत
है, यौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी तथा

9-176 GI/86

ब्रह्म लाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-४ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/३७ई०/११-८५/

2417—अतः मुझे जगदीश मिश्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-४ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिव्यास करने का
कारण है कि उपर सम्मिलित, त्रिमिका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी सं० एस० सं० 9 है तथा जो डा० गोपाल दास
भवन 28 बाराखम्बा रोड में स्थित है (और इससे उपावद्व
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर

1985

का पूर्वोक्त संपर्क के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि वधायूर्वक्त सम्पर्क का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्की) और
अन्तरिती (अन्तर्तीती) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा
वाया वाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट है वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

इस अन्तरण से हट्टे किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वे
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-४ के अन्तर्मान
में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-४ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णता ५—

(1) गोपाल दास एस्टेट एण्ड हाउसिंग (प्रा०) लिमि०
28 बाराखम्बा रोड नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) अहुजा प्रोपर्टीज
502 अशोका एस्टेट 24 बाराखम्बा रोड
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पर्क के अन्तर्के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ ।

उक्त सम्पर्क के अर्बन के संबंध में कोई भी वास्तव :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकायों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्क में हितकदाध
किसी अन्य व्यक्ति इवारा वधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

प्रत्येकरण:—इसमें प्रदत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

स्पेस नं० 9 छटवां खंड डा० गोपाल दास भवन 28
बाराखम्बा रोड नई दिल्ली-110001 सुपर एरिया 804:55
वर्ग कीट ।

जगदीश मिश्र
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-7-1986

मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत बाजार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

प.० आई.० ए० सी०/एक्यू०/३/३७ई०/११-८५/

2418—अन: मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कानून है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

आर जिल्ही सं० है तथा जो ८०, डॉ गोपाल दास भवन,
28, बाराखम्बा रोड में स्थित है (आर इसमें उपायद्वारा अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के नामालिय,
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकार
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
जु़हर यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अधिकार
प्रतिफल से, एसे दृष्टिमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के
बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृ० किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में हृ०विधा
के लिए; आर/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण
में, भू. उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवधारणा, वर्णित है—

(1) मै० गोपाल दास एस्टेट एण्ड हाउसिंग (प्रा०) लिमिटेड,
28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० अहुजा प्रीपर्टीज,
502, आशोका एस्टेट, 24, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त संघित के अर्जन के संबंध में क्र० भी जानेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में छिप-
मद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
निवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्यय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस व्यायाम में दिया
गया है।

अनुसूची

पृ० सं० ८०, छटवां खण्ड, डॉ गोपाल दास भवन, 28,
बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-११०००१, सुपर एग्जिक्यूटिव
वर्ग कीट।

जगदीश मित्र,
गधम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२

दिनांक : 2-7-1986

मोहर :

प्रारूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/३७६६/११-८५
२४५—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, वह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो, स्पेशल नं० 11ए० 28, बागाखम्बा रोड, में स्थित है (और इसमें उपावड़ इन्सूची में पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीपर्टा अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रोड-3, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985,

अ पूर्णकृत संपत्ति के उचित धाराद भव्य के क्षम एवं स्थावर अधिकारी के लिए अनुरूपता की गई है और इसे इस विवास करने का कारण है कि वापर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थावर प्रतिक्रिया से, एवं स्थावर प्रांतिकस का पूर्ण प्रतिक्रिया से अधिक है और बन्दरग (बन्दरग) और भारतीय (भारतीयता) के बीच देख बन्दरग के लिए कुल पाँच (५) अंशों का नियन्त्रित सुदृश्य से उक्त अनुरूप नियंत्रण के अनुकूल रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्दरग से हुए किसी बाय की वापर, उक्त विविध व विविध कर वर्ते व विवरक व विविध व विविध के लिए काहूले या उपर्युक्त वर्तने में विविध के लिए काहूले व विविध :

(ख) एसी किसी बाय या किसी बन या अन्य जास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 'या भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येकार्थ अनुरूपता द्वाये प्रकट नहीं किया गया था या किसी अन्य काहिए था, जिसने अप्रियता व विविध :

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसार से, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन नियन्त्रित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(१) मैं० गोपाल दास एस्टेट एण्ड हाउसिंग (प्रा०) पिंटोड, 28, बागाखम्बा रोड, नई दिल्ली । (अन्तरक)

(२) मिसेज नीता कोहली पत्नी एल० के० कोहली हॉ-१९८, ग्रेटर कैलाश-१, नई दिल्ली । (अन्तरक्ती)

को यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्तन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्तन के सम्बन्ध में बहु भी वालों—

(क) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या उत्तममध्ये अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णता अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वाया;

(ख) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हित-वृद्धि किसी बन्ध अविक्षय द्वाया जाहोहस्ताक्षरी व पाल नियंत्रण में किए जा दक्षें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेशल नं० 11ए०, छट्टां खण्ड, डाक्टर गोपाल दास भवन 28, बागाखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001 (सुपर एरिया 635 वर्ग फीट)।

जगदीश मित्र,
मक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-7-1986

मोहर :

प्रकल्प: बार्ड टीवी एवं रेडियो

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्रांतिकार, उद्योगकर आमदानी (निरीक्षण)

अजेंट रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1986

निर्देश सं० आई० प० सी०/प्र०/३/३८६५/११-८५/

2439—अतः मुझे, जगदीश मिश्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

आईर जिल्ही सं० है, नथेज़ १६ नीलगिरी हाईटमेट्ट, ९,
बाराखाम्बा रोड में स्थित है (आईर इसमें उपाबद्ध अनुग्रहों में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
अजेंट रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985,
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जागत बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों)
और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरक के जिए उन
पांच वर्ष प्रतिफल, विष्विक्षित उत्तरेष्य से उक्त बन्तरक
प्रतिफल में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है ॥—

(क) बन्तरण से हटा किसी आद की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देव वे बन्तरक वे
सावित वे कही कहुन वा उक्त वज्र वे सुविधा
के लिए; और/या

(क) एसी किसी आद या किसी भन या बन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योग्यार्थ
बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
गया थाहिए था जिसने में सुविधा के लिए;

उत्तर चतुर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के बन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्दृष्टि—

(1) मैं कैनासनाथ एण्ड एसोसिएट्स

1006, कंचनजंगा, 18, बाराखाम्बा रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) डॉ शान्ति लाल एण्ड सिंह एन०

द्वारा राकेश इडगानी ८६, बैंक कालोनी,
लक्ष्मीनगर, दिल्ली—९२ ।

(अन्तिम)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां बुरू करता है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधाएँ ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ द्ताना, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक आवासीय फ्लैट अंतर्फल 1600 वर्ग फीट नं० ६
चौथा खण्ड आईर एक खुला कारपार्किंग स्पेश, बड़मंजिला इमारत
ग्रुप हाउसिंग स्कीम नीलगिरी अपार्टमेंट, ९ बाराखाम्बा रोड,
नई दिल्ली—110001

जगदीश मिश्र,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अजेंट रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 2-7-1986

मोहर :

प्रस्तुति: वाइ. डी. एल. एस. २०१०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ष (1) के अधीन सचिना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/3/37इइ/11-85/

2450—अतः मङ्गे, जगदीश मित्र,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवर देखें)

इसके पड़चाल 'उक्त अधिनियम'

२६०-से के अधीन सदस्य प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय समर्पित, जिसका उचित बाजार अस्ति 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है नथा जो आत्मा नाम मेंशन 134, कनाट प्लेस फैट नं० ४ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप में दर्थि१ है), रजिस्ट्रीस्टर्ड अधिकारी के कायलिय, अर्जन सेंटर-३, लहौ दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीशन दिविनियम, १९०८ (1908 इ० १३) के विविध दियाः दिवान १९८५

1908 (1908-51-13) के अधारान, दिनांक नवम्बर 1985, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उम्मीद उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का उद्द्विध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यादा गया प्रांतकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्व से अधिक नहीं लिया गया है—

(क) अन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिकारियत के अधीन कर देने के अन्तराल को दीर्घित्व से कमी करने पा उसमें वचनों से लिंगिधा के लागू गये/गया

एसी किसी वाय या किसी धन या अन्य वास्तियाँ को, जिन्हे भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11 वे विधान विधिनियम, 44 धन-कर विधानियम, 1967 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अल्टरिती दलाल प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था छिपान में रखिया के लिए;

बतः एव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षातः—

(1) मै० आत्मा राम प्रोपटीज प्रा० लिमिटेड,
सी-37, रमाट प्लेज, नई दिल्ली ।
(अन्तर्रक्त)

(2) मै० आदित्य कैटलस प्रा० लिमिटेड,
17-बी, तेज मण्डी, स्टेशन रोड, अलवर, राजस्थान ।
(अन्तर्रक्ती)

कौन यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्भित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उबल सम्पर्क के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यपै:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के उपर्युक्त में प्रकाशन की तारीख दर्शाते हुए 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्य वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तात्मक दर्ता लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त वार्डों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिमेयित हैं, वही वर्ध होंगा जो उस अध्याय द्वे दिये गये हैं;

वाराणसी

आत्मा राम मंशन 134, कनाट प्लेस, फ्लैट नं० 4, नई दिल्ली, नगरग श्रेत्रफल 4000 वर्ग फीट।

जगदीश मित्र,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (पिरीक्षण),
अर्जन रेज-3 दिल्ली. नई दिल्ली-110002

दिनांक : २-७-१९८६

मोहर

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस. -----

(1) श्री शिवदर्शन सिंह,
9, अनन्द लेन, नई दिल्ली ।

(अन्तर्गत)

श्रावण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना(2) मैं रावल अपार्टमेंट प्रा० लि०
ए० बी० सी० भवन, एम-३, अनाटा प्लैम, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्बालिय, सहायक आयकर बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-३, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्य०/३/३७इ/१-८५/

2454—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० है तथा जो ब्लॉक नं० 124, प्लाट नं० 3, 14,
जनपद के नाम से जाना जाता है, में स्थित है और इसमें उपावड़
अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अर्जन रेंज-३, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
नवम्बर, 1985,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यात
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यात प्रतिफल से ऐसे दूर्यात प्रतिफल का
उद्धव प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से एर्ट किसी बाय की वापसी, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बतातक को
दर्शात्व में किसी करने या उसमें बदने में सूचित
हो निए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से
सूचित के लिए;ब्लॉक नं० 124, प्लाट नं० 3, 14, जनपद लेन के नाम से
जाना जाता है।जगदीश मित्र,
सक्षम प्राधिकारी,
महावर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-३ दिल्ली-110002अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की व्यधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभूत—दिनांक : 2-7-1986
मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एच.-----

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ग० भ००/एक्य०/३/३७६८/११-८५/
२५०१—अतः मुझे जगदोश मिलभायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाह करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० है या जो फ्लैट सं० 3, 9, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली में स्थित है (प्रांत डल्ले उपाबद्ध अनुसूचों में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्ट अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रोड-3,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीफर्ट अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, हिंदू नदम्बा 1985,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।(1) नै० कैलाश नाथ एण्ड एसोसिएट्स
1006, कंचनजंगा, 18, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली ।

(अंतरक)

(2) श्री अशोक कुमार वंभत एण्ड मिसेस सुभाष वंगल
डी-७, महारानी, बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों शूल करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जालेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।उद्धोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही कर्त्ता होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की भावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कर्त्ता करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए;
और/मा

बनाती

(ख) ऐसी किसी भाव का किसी भूमि या अन्य आस्तियों
को जिसके भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अंतरिती इधारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;एक आवासीय फ्लैट न० 3, क्षेत्रफल 1600 वर्ग फीट ।
चौथा खण्ड, ईस्ट ड्लाक, फ्रंट ड्लाक, एक खुला पार्किंग स्पेश
बहुमंजिली आवासीय न्हीम, नीलगिरी अपार्टमेंट, 9 बाराखम्बा
रोड, नई दिल्ली ।ज्योदीश मित्र,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भायकर ओयुका (निरीक्षण),
अर्जन रोड-3 दिल्ली-110002अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णतः—

दिनांक : 2-7-1986

मोटर ।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैं० कैनाश नाथ एण्ड एसोसिएट्स
१००६, कंचनजंगा, १८, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली ।आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री सुश्मिर कुमार वंसल एण्ड श्रीमती इंद्रा वंसल
डी-७, महारानी वाग, नई दिल्ली ।

(प्रन्तर)

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-३, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक २ जूलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/३/३७६६/११-८५/

२५०२—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का गढ़ विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और इसकी सं० है तथा जो फ्लैट नं० ३, ९, बाराखम्बा रोड, में स्थित है (आँग इसे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता द्विधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-३, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त प्रतिरक्षण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी अप्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे ज्ञाने में सविधा के लिए; और या

अनुसूची

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-चर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें से सीधा के लिए।

एक आवासीय फ्लैट न० ३, मामले का ब्लॉक, १६०० वर्ग फीट, तीव्र खण्ड, एफ्स्ट्रोला पार्लिंग, वहमिली शूप हाउसिंग स्कीम, नीलगिरी अर्टमेंट, ९, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

जगदीश मित्र,
मन्त्रम प्राधि नारी,
महाय न अयकर द्यावुकः (निरीक्षण)
अर्जन रेज-३ दिल्ली नई दिल्ली-११०००२

दिनांक : २-७-१९८६

मोहर :

अन्तरण, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भूके उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रध्य आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, साधायक आयकर आयकर (विवरीकान्त)
अर्जन रोज़-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ग्र०००/३/३७८८/११-८५/

२५४—अ०: मूल्र, अगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ब के अधीन मध्यम आधिकारी को यह विवरण करने का
कारण है। इसमें अप्पत्ति, विसका उचित वाजार मूल्य
रु. 1.00.000/- से अधिक है।

आर्द्धिनी मी सं० है तथा जो नीलगिर आर्टिस्ट्सेट 9 वराखम्बा
रोड में स्थित है (आर्द्धिनी उपावन्न अनुसुची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), जिस्ट्रीटर्टी अधिकारी के वायालिय, अर्जन रोज़-3,
नई दिल्ली में भारतीय रिस्ट्रीटर्टी अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवादास
करने का कारण है कि व्यापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) वार
अवारिती (अवारितियाँ) के चौंच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल विस्तारित उद्देश्य से उक्त संतरण लिखा में
वास्तविक रूप में अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हाई क्रिमी काय वी बायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर हरे के अन्तरव के
वायालिय से कमी करने या उससे बदलने में संविधा
हे लिए। आई/या

(ख) एग्री किसी वाय या किसी धन या अन्य आम्लायाँ
एवं जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राप्त-
मार्य अन्तरिती इवाय एक नहीं किया गया था
या विया जाना आहिए था, छिणने में संविधा
हे लिए;

इतः धन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब के उपधारा (1)
के अधीन, विस्तारित व्यक्तियों, वर्षतः ५—

(1) मैं० कैलाशनाथ एण्ड प्रोफिट्स
१००६, कैननजंगा, १८, बागबुम्बा रोड,
नई दिल्ली। (अन्तर्का)

(2) श्री दिनोद कुमार जैन एण्ड अर्नीना जैन
१७, मावविया नगर, दुर्ग (यू० पी०)
(अन्तर्का)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

वक्त सम्पत्ति के अर्जन की संबंध भौं कोः अ० बाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या दस सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की नामील से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद भौं समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताकरी के पात्र
लिहित में किए जा सकें।

स्वाक्षोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाचों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में प्राप्तियाँ
हैं वही अर्थ होता है जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसंधान

एक पलैट तादादी 1600 वर्ग फीट और एक कार पार्किंग
स्पेस बड़मंजिलीडमारत मुपह उन्निंग स्कोम, नोएगिरी अपार्ट-
मेंट, 9, बागबुम्बा रोड, नई दिल्ली।

जदीच मित्र,
लक्ष्म प्राधिकारी
साधायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-7-1986
मोहर :

प्रस्तुत वाई. टी. एन. एस.-----

(1) भारत होटल लिमिटेड

सागर अपार्टमेंट 6 तिलग मर्ग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष के अधीन सूचना

(2) दिल्ली कन्व्र प्रा० लिमिटेड

213, रहेजा चेम्बरस नारीमन प्लॉट, बन्वई-21

(अन्तरितो)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/प्रक्ष०/३/३७६६१/११-८५/
२५५१—अतः मुझे, जगदीश मित्र,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैश्रीरजिस्की सं० प्लाट है, तथा यों कम्प्युनिटो काम्पलेक्स, बाग-
खम्बा रोड में स्थित है (प्रांग इससे उपावस्था अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मवम्बा 1985,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे छयमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उम्मदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से है इसकी किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कभी करने या उससे अन्तरण में सुविधा के लिए;
और/या(ख) उसकी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, उसपाने में सुविधा
के लिए;अतः इस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

जगदीश मित्र

ममता प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-7-1986

मोहर :

प्रूष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1986

निदेश सं० अई० ए० सी०/एक००/३/३७ई०/११-८५/

2572—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहावशास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 407, 21, है तथा जो वाराखम्बा
रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उद्दावड़ अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दार्यालय,
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 ला 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पांड्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के
खिलौने में कमी करने का उचित बदलने में द्वार्देश
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कपूर प्रोपर्टीज एण्ड इंवेस्टमेंट्स
16-एल, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अंतरक)

(2) श्रो जी० पी० सेठ एच० य० एफ० एण्ड शोबा
द्वारा गौरव सेठ, 88, गुल्फ लिक्स,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अद्वेष्यताक्षरी के पास
लिखित प्रे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूःख शब्दों और वदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 407, लगमग एरिया 595 वर्ग फीट। चौथा
खण्ड, 21; वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

जगदीश मित्र
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3 दिल्ली-110002

दिनांक : 2-7-1986

मोहर :

शारुद बाहू, टी. एन. एस. - - - - -

आयकर लाधीनियम 1961 (1961 का 43) की
की धारा 269 प (1) के अधीन भवन

1108 KEST

वार्षिक संस्कार आवकर आवक्त्व (विरक्त्व)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जूलाई 1986

(1) विंग एमाइकर वी० पी० भसीन (रिटायर्ड)
 मिस्टर देव भसीन कृष्णा विलाम गमल सी बैक
 रोड, मंसरी-248179।
 (अन्तर्क)

(2) रेसर्स लाशवती सिधानिया
एण्ड डी० सी० किधानिया पी-२४, ग्रीन पार्क
एक्सट्रेन, नई दिल्ली ।
(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उपर लाभार्थी की वर्जन के सम्बन्ध में कोहू भी आधेप ;—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि तथा उत्प्रवर्तनी अविकल्प सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले ग्रन्त समाप्त होती है, के भीतर पूर्णांक अविकल्प बन से किसी व्यक्तिके द्वारा;

(ब) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधार्हस्थापती के पास लिखित में किए थे संकेते ।

व्यष्टिकरण :—इसमें प्रबुक्त स्थानों और पदों का, को सभी अधिनियम के अधार पर 20-के दर्शकावित है, वही वर्ष हुआ जो उस अधार के दिन गया है।

(क) बन्दरगाह से हुई किसी वाहन की वापसी, उक्त वाहनिकायम को व्यक्त कर देने के बन्दरगाह के दायरित्व में कर्ता करने वाले उक्तसे वाहन में संविधा के सिद्ध; और/या

(८) दूसरी किसी भाषा वा किसी भव वा घन्य भास्तुराँ को चिन्हे भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उसके अधिनियम, वा भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगभार्य अन्तरिती दूसरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहेहए था, छिपाने वें संविधान लिये।

सातासाती

फ्लैट सं० ज०-107, 108ां खण्ड, हिमालय हाउस, बास्तुरशा
गांधी मार्ग, नई दिल्ली-1, परिया 833 वर्ग फॉट ।

जगदीश मित्र
मक्षम प्राधिकारी
युक्त (निरीक्षण),
दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, म. इक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

दिनांक : ३-७-१९८६
संहित :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

निवेदण सं. आई० ग० सी०/एक्य०/4/37ई०/11-86/

2380—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. फ्लैट सं. डी०-114, 23, है तथा जो के० जी०
मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन
रेंज-4, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985,
को प्रवर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तररक्तों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हूर्दे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

(1) श्रीमती पुष्पा गम्भीर

डब्ल्यू 121-ए, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी छजाहो श्रीमती नलत जनात

श्रीमती नजमा साहर, नूर बिल्डिंग, तम्बाकोन्स ट्रीट,
मुरादाबाद-2444001

(अन्तरक)

को यह सूचना जरी करके प्रवर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर
सूचना की तारीख से 30 विन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवर्वेक्ति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं. डी-114, 11वां खण्ड, हिमालय हाउस,
23, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-क्षेत्रफल-741 वर्ग फीट।जगदीश मित्र
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :

प्रधान मान्द. दी. प्र. पर्य. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन दृष्टि

भारत सरकार

फारमिय, उत्तर वायकर वायकर (पिरीक्षण)
मर्जन रोड-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्य०/4/37ई०/11-85/

2425—अन्तः मुझे; जगदीश मित्र,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवर इसके पश्चात 'उत्तर वायकरियम' यह नाम है), की वारा 269-प के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का अनुरोध है कि स्थावर सम्पत्ति, विवक्षण अधिकारीका वायकर वायकर मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और इसकी मं० फैसले मं० 306, 14, है जो के० जी० मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (अर्थात् उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), अधिस्ट्रियारी अधिकारी के वायकिय, मर्जन रोड-4, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 5 अक्टूबर 1985,

को पश्चात संचालित की जायित वायकर वायकर मूल्य से अधिक है उत्तराम प्रतिफल के लिए अनुरोध की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का विवक्षण वायकर मूल्य, उसके इत्यमात्र प्रतिफल से, एसे अवधारण प्रतिफल के पश्चात प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती (अंतरिक्तियों) के बीच एसे अन्तराल के लिए तथा पाया जाय प्रतिफल, निम्नलिखित उत्पत्तेय से उत्तर अन्तरक विवक्षण में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) मन्त्रगत से हूँ¹ किसी वाय की वायन, उत्तर अधिनियम के अधीन कर देने के मनारक अद्यित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी वाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हे भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर वायनियम, वाय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगकारी अन्तरिक्ती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें भी सुविधा के लिए;

अतः अब, उत्तर वायनियम की भारा 269-प की सम्बन्ध में, भी, उत्तर अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अंगल अब्रजा प्राप्तींडे पाण्ड इण्डियन्स: प्रा० लिमिटेड,
115, अंगल भवन, 156, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।
(अन्तर्भूक)

(2) श्रीपती मूनीग केले अन्नो बृद्ध मोहन केले बेबो दिव्या, केलेवा, बेबी नीति केले निवासी—30/7, जकिन भगव, दिल्ली-7
(अन्तर्भूक)

वे यह सूचना आरी करके पश्चात सम्पत्ति के बर्जा के लिए अन्वाहित करता है।

उत्तर वायनियम के अधीन वाय कोई भी वायेत्र :—

(क) इस सूचना के उत्तराम में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की बाबीत वा तत्संबंधी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख वे 30 दिन की बाबीत, और भी अधीन वाय वाय संपत्ति होती हो, के भीतर पश्चात व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उत्तराम में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धम किसी वाय व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उत्तर वायनियम:—उत्तर प्रधान वायों और वायों का, और उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-के भी यथा परिभाषित है, वही वाय होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैसले मं० 306, अम्बा दीप, 14, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली
धोवकल 675 वर्ग फीट।

जगदीश मित्र
संघम प्राधि नारी
नदाया वाय अत्युक्त (पिरीक्षण)
मर्जन रोड-4, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :

प्र० प्रधान मंत्री, टी. एम. एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिवांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/पक्ष०/4/37ई०/11-85/

2441—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सदाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० 112-बी, है तथा जो मुर्गाकिरण, 19,
के० जी० मार्ग, में प्रियत है (और इसमें उपावच अनुसूची में
पूर्ण स्वृप्ति दर्शित है), रजिस्ट्रीर्डर्टा अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेज-२, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिवांक सवान्वय 1985,
जो प्र० र० क्षेत्र के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधार
भ्रातृकृत ने लिए अस्तित्व की मर्है है और मृशे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके अवधार प्रतिफल से, एसे अवधार प्रतिफल का
भ्रातृकृत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
प्राया यथा प्रतिफल निर्मितिकर छूरूकृत से उक्त अंतरण
अनियत में वास्तविक क्षमता की अवधि नहीं किया गया है ८—

(ए) अन्तरण से हुई किसी गाय की बाजार, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरुक ने
वास्तव में किसी करने या उदाहरण करने में सहायता
नहीं दिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिहे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
में, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

(1) मै० ज० बौ० ए० मै० भूत्तार्यजी
मै० मै० ग्रीनि० भूत्तार्यजी, 2-डी, गेम हाउस, 5-वी०
स्कैल स्ट्रीट कलाना।

(अन्तरित)

(2) मै० ज० ए० लिमि०
908, अंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहिया लूँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्त्वांभी अधिकारी पूर्वोक्त
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवैध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) एस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा स्थाकारी के
पास निर्दिष्ट में किए जा सकें।

प्रकाशन विवरणः—इसमें प्राप्त सभी और ए० वा० जा० उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
रूप, वही बाद होगा जो उस अध्याय में दिए
गया है।

मनुसूची

112,बी, मुर्गाकिरण बिल्डिंग, 19 अस्तुरेवा गांधी मार्ग
नई दिल्ली -1 जमा कार दार्जिंग क्लेक्टफल।

जगदीश मित्र
मक्षम प्राधिकारी,
महायक आगाह आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110003

हिनोक : 3-7-1986

मोहर :

दृष्टिकोण बाइंस टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायांलिय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं आई० ए० सी०/एन्यू०/४/३७६६६/११-८५/

2461—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 406, 14, है तथा जो
के० जी० मार्ग, में स्थित है (और इसमें उपावढ अनुसूची में
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री नं० अधिकारी के कायांलिय, और
अर्जन रेज-4, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री दरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1985,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हाउंड किसी आध की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उभसे उचने में मुविधा
है तो; और/या

(ख) एसी किसी आध या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957
(1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ये
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की वर्धाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—
11—176 GT/86

(1) प्रेसन प्रेसट्रीक एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०
115, अन्नल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) एन० वी० आई० फाइनेंस एम्पनी
एल-ए३, उपाट एक्स्प्रेस, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त अधिनियम के अर्जन के गम्भन्द में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन बीं अवधि या उत्तमान्धि व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से कोई व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिपित में किए जा सकेंगे।

ल्यास्ट्रेकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही बर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
जाय है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 406, अम्बादीर 14, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।
थोरफल 600 वर्ग फोट।

जगदीश मित्र
मुक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक; (निरीक्षण)
अर्जन रेज-4, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-7-1986
मोहर :

प्रलेख नाम. छौ. एव. एह. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सामायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)
अर्जन रेज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

गिरेश सं० आई० ए० सी०/पक्ष०/4/37ई०/11-85/

2463—अनेक सुने, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जिप्पी सं० फ्लैट नं० 11, है तथा जो गौरी अपार्टमेंट
3 अंतर्गत 4 माउथ ई० लेन, में स्थित है (ओर इसमें उपावड
अनुसूची में पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेज-4, नई दिल्ली में भारतीय अधिनियम, 1961
के अधीन, दिनांक सप्तम जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई और यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरक) और
अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा
याद गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक ३ रु. में कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर है किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय इवारा प्रकट नहीं किया
जाय था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
नियम के लिए;

उन्न: उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) वैलाल नाथ पण्डि प्रसोदित्स

1006, कंचनजंगा, 18, वाराणसी रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तर्गत)

(2) आई० टी० मल्कानीपण्डि मास्टर टी० मल्कानी
(छोटा) 264, बी० जी० खेर मार्ग, मालाबार,
हिन, वर्माई ।

(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियों शूल करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वापर :—

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, बधाहस्ताकारी व
पास निवित में किए जा सकेंगे ।

प्रत्येकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं,
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

प.८ आवासीय फ्लैट मं० 11, खेत्रफल 1520 वर्ग फीट
प्रथम खण्ड चपरासी भाजा नं० 11 खेत्रफल 130 वर्ग फीट
प्रथम खण्ड, खुला भाग 500 वर्ग फीट। पक्ष खुला कार पार्किंग।
बहुमंजिली ग्रुप हाउसिंग एकीम गोरी अपार्टमेंट, 3 अंतर्गत 4 माउथ
एण्ड लेन, नई दिल्ली ।

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :

जगदीश मित्र
सक्षम प्राधिकारी
सामायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-4, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

प्रारूप बाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जूलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०एक्य०/३७-ईई०/११-
४५/२४८३—क्षत: मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की धारा
269-घ के अधीन सकार प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० ए०पी०-५०४, है तथा जो गांव विज्वासन,
तहसील मेहरोली में स्थित है (और इससे उपावड़ तनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेज-4, नई दिल्ली में भारतीय आयुक्त अधिनियम,
1961 के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985,
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और यूझे यह विवाद करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर
प्रतिष्ठित था अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, गिम्लिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित थे
अस्तित्व के रूप में कठित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बात, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक वै
दायित्व में कमी करने या उससे बचने के संविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन वा अन्य आस्तियों
में, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
राजनीतिक अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किसी अन्य बाह्यिक या, छिपाने में संविधा
के लिए,

क्षत: क्षेत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, गिम्लिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डालमिया डायरी इंडस्ट्री लिमिटेड
11, ए० बी० सी०, अत्माराम हाउस, 1, टाल-
सदाय मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलदीप सिंह,
गार्टा कुलदीप सिंह एच० य०० एफ० के०-१४,
हौजबास, एंक्लेव, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बात के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्बत्ति के अर्जन के प्रबंधन में नोट भा आजो ।—

(क) इस सूचना के द्वारपत्र में प्रकाशन की तारीख से
१५ दिन की वर्तीय या तत्त्वावधि, व्यक्तियों पर
सूचना की अपेक्षा वे ३० दिन की वर्तीय, जो ऐसे
अवधि कारण में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्णपूर्ण
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के लिए;

(ख) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकारक :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के बधाय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस बधाय में दिया
रखा है।

अनुसूची

पट हाउस अपार्टमेंट म० स्पी०-५०१, ५वां खण्ड, डाल-
मिया विहार, गांव विज्वासन, तहसील मैहरोली, नई दिल्ली ।
2000 वर्ग फीट जमा एक फ्लाइंग स्पेस ।

जगदीश मित्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :

प्रूप बाई.टी.एस.एम.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भारतीय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/4/37ई०/11-85/

2485—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० ए-304, है तथा जो विज्वासन, तहसील
महरौली में स्थित है (और इसे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-
4, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन
दिनांक नवम्बर 1985,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल के द्वयमान प्रतिफल का
एन्ड्रु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
वर्तारकों (वर्तारकों) के बीच दोस्रे बंतरण के अंतर्गत तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में
प्रस्तावक रूप से कथित नहीं किया गया है ।(क) बहुण से हुई किसी बाय की वापत, उस्से
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने वा उससे बहुण में अविधा
क लिए; और/वा(द) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य आस्तीनों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वा उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तरित इवारा प्रकट नहीं किया
गया था तथा किसी जला कोड़ा था, हिप्पने में
सुविधा के लिए.बत्तु उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसर
वा, वा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपाधारा 7(१)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थति :—

(1) डालमिया डायरी इंडस्ट्री लिमिटेड

11, ए०बी० सी० आत्मा राम हाउस, 1, टालस्टाय,
मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री रम्मी जी दिवाल, एण्ड मास्टर राहुल

जी दिवाल द्वारा छन्दवाय एण्ड जेसोंभाय
अडवानी चैम्बरस सर फिरोजशाह मेहता रोड,
बम्बई-1

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही हां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मद्दत में कोई भी जाक्षण ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में गमाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
दस्तावेजों में से लिनी चाहिए दवारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त द्वयमान प्रतिफल में हितवद्ध
कि सी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, तथा अध्याय 20-के में परिभ्राष्ट
हैं, वही उक्त व्यापार वा अन्य ग्रन्थ में दिया
गया है।

अनुसूची

अपार्टमेंट नं० ए, 304, ब्लॉक ए डालमिया विहार, गांधी
विज्वासन, तहसील महरौली, नई दिल्ली क्षेत्रफल 1435
वर्ग फीट ।

जगदीश मित्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एड. 1986

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
भारा 269-प (1) के बचीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, महायक आयकर आथकत (निरीक्षण)
अर्जन-रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्य०/4/37ई०/11-85/
2525—अतः मुझे, जगदीश मित्र,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
उसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की भारा
269-प के बचीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का
आरण है कि आयकर सम्बन्धी विवरण वायकर आयकर भूमि
1,00,000/रु. से अधिक हैश्रीराजकीय मं० जोफ्लेट नं० 502, 14, हैतथाजो के० जी०
मार्ग, में स्थित है और इसमें उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है, आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन-रेंज-4,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन
दिनांक नवम्बर 1985,की पूर्णता संपूर्णत के उचित बाजार भूमि से कम के स्वयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि आयपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
भूमि, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के जिए तथा पाया जाया शैदी-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हूदे किसी वाय का वाय, उक्त
अधिनियम के बचीन वाय वर्ते के अन्तरक व
वायित वे वायी कहुते वा उक्त वाय वे हूदिया
है लिए; शैदी/वा(क) ऐसी कही जाय वा किसी वाय वा अन्य वायितों
को, जिसे भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती व्यावाय प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;(1) अंसल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्री प्रा० लिमिटेड
115, अंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक

(2) व्सर्वना मर्जिल इम्प्लो प्रा० लिमिटेड
25, नंगाजी मार्ग, सुमाष मार्ग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना बाटी करने पूर्वक सम्पत्ति के अवैन के निए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति की वर्तव वी सम्बन्ध में वाइ.टी.एन.एड. 1—

(क) इस सूचना के उपरान में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की वर्तीय या हस्तांभी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की वर्तीय, यों भी
वर्तीय वाइ.टी.एन.एड. समाप्त होती है, के भीतर पूर्वक
व्यक्तियों वे से किसी व्यक्ति सम्बन्ध बनाया(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्बन्ध में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।लक्षणकरणः—इसके उक्त वाय की उपरान
वायित व्यक्ति, जो उक्त वाय 20-प में विवरित
द्वारा वायी व्यक्ति होना वाय उक्त वाय में दिया
जाय है।

वनस्पति

फ्लेट नं० 502, अम्बादीप 14, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।
क्षेत्रफल 505 वर्ग फीट ।जगदीश मित्र
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन-रेंज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एम्य०/४/३७६६/११-८५

2516—आ० मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 501, 14, है तथा जो के० जी० मार्ग, में स्थित है (आ० इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व स्पष्ट से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिक्त की गई है और भक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वाग्मीकरण भए न किया गया है :—

(क) अंतरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, भौतिक अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अंसल प्रीपरटीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115, अंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रमबीर सिंह पश्चीमा 25, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागँज, नई दिल्ली।

(अन्तरिक्ती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों तर मूल्य की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-विकास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के दास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रब्लेम:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिषिक्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 501, अम्बाइय 14, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।
क्षेत्रफल 505 वर्ग फीट।जगदीश मित्र
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :

प्रस्तुप वाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

भारतीय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं. आई० प० सी०/एस०/४/३७६६/११-८५/

२५४२—अतः मुझे, जगदीश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रकाश 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
आयकर जिनकी सं. 34, है तथा जो फिरोजशाह रोड, में स्थित है
(आंदे इसमें उपावड़ अनुमुच, में पूर्व रूप में वर्णित है), आयकर
अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-4, नई दिल्ली में भारतीय
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक नवम्बर
1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इव्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इव्यमान प्रतिफल से ऐसे इव्यमान प्रतिफल का
पंडह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल मिम्नलिखित दस्तवेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
मियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
है लिए;

अतः इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, भौ, सक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अन्तरण, नियम व्यवस्था व्यक्तियों द्वारा;

(1) कैलाला नाथ प्रण एमोमिलाद्दस

1006, कैन्चनजाँगा 18 बाराहम्बा रोड,
नई दिल्ली ।

(अस्तानक)

(1) श्री प्रमोद कुमार जैन प्रण लूम्पुम जैन

17, मालविया नगर, दुर्ग (प्र० प० प०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उम अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक आवासीय फ्लैट क्षेत्रफल 1600 वर्ग फीट। एक
कार पाकिंग, बड़मंजिली ग्रुप हाउसिंग स्कोम अधिकार
अपार्टमेंट 34, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली।

जगदीश मित्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-7-1986

मोहर

प्रस्तुत वाई.टी.एम.एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत वरकान्द

कार्यालय, महायकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं० आर० ए० सी०/ए य०/४/३७६६/११-८५/-
२५४—अतः मुझे जगदीश मित्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-व के अधीन सकारा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट सं० 903 14 है तथा जो के० जी०-मार्ग में स्थित है (और इससे उपावद्र अन्यूनी में पूर्ण रूप से वर्णित है) आयकर अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-4 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम (1961) का 16) के अधीन, दिनांक नवर्मी 1985

को प्रतिफल के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने वा कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का दन्दह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरीतियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में "स्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है" :—

(क) अन्तरण दे हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उसमें बचने में सुविधा के लिए, बाटू/था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा इन से अन्तरण, 1957 (1957 का 27) वा इन्हें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरमें, या, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अंसल प्रोपरटीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०
११५ अंसल भवन १६ के० जी० मार्ग
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) अनुपम थियेंस एण्ड एक्सेटरस प्रा० लि०
अनुपम सिनेमा माकेन नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों के लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तोप :—

(क) इस सूचना वा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधीन वा उत्तमाधिकारी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

भ सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास दिवान में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय के दिया गया है।

मूल्यांकन

प्लैट सं० 903 अम्बाद्रीप 14 के० जी० मार्ग नई दिल्ली । क्षेत्रफल 580 वर्ग फीट ।

जगदीश मित्र
सकारा प्राधिकारी
महायकर आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4 दिल्ली नई दिल्ली—

दिनांक : 3-7-1986
भारत :

प्रश्न वाइ.टी.एन.एस.-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
शार 269-ष (1) के अधीन सचना

वार्ता संख्या

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 3 जूनाई 1986

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्स्य०/१३७/ई०११-८५/

2574—अतः मुझे जर्दारण मिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवेद इच्छा पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के अधीन सचना प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विषयका उचित वाजार व्यव 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी मं० फैट सं० ५ है तथा जो गैरी अपार्टमेंट ३ और ४ माउथ एप्ट लेने हैं तिथि है (और इसमें उपाध्य अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), गिरिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-4 नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 1 अक्टूबर 1985 को प्राप्ति सम्पत्ति के उचित वाजार व्यव से इसके उचित वाजार प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और अभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त प्रतिफल का उचित वाजार व्यव, उसके उचित प्रतिफल न मे एसे उचित वाजार प्रतिफल का उचित अधिक है और अन्तरिक्ष (अन्तरको) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षीयों) के बीच एवं अन्तरण के लिए हजार पाँच गोप इकायक, निम्नालिखित नमूनेला ने उत्तर आलोचना निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अन्तरिक्ष व उत्तर निम्नी वाली वापर, उत्तर अधिनियम की वर्णन कहा है वे अन्तरण व अन्तरिक्ष व अन्तरिक्ष वे कोई करने वा उत्तर वाले में विविध ले लिए; कार/या

अन्तरिक्षी किसी वाले वा किसी वाले वा उत्तर वाली वाले को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाणनार्थ अन्तरिक्षी दवारा एक ग्रही किया गया या या किया जाना भावित्ये या नियन्त्रण में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ष के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अथातः :—

(1) कैशन नाथ एड एमोनिट्ट

1006 कंचनजंगा 16 बाग्नखम्बा रोड
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री हकीम शा राजन्द फ़ारजिंग प्रा० नि०
पी० बी० सं० 17321 नाल बहादुर जाम्बी
मार्ग बंदूर, बम्बई।

(अन्तरी)

को वह सचना भारी करने प्राप्ति सम्पत्ति के वर्षम से विषय कार्यालयीयों करता है ।

उत्तर सम्पत्ति के वर्षम से उत्तर सम्पत्ति के वर्षम से करें भी जानिएः—

(क) इस सचना के उत्तरम से प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा उत्तर सम्पत्ति व्यक्तियों द्वारा सचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में अधिक होती हो, के भीतर प्राप्ति सम्पत्ति को भी निम्नी व्यक्ति द्वारा

(ब) इस सचना के उत्तरम से प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भंडित्स में हितवद्धु निम्नी वाले अवधि द्वारा वापर सम्पत्ति की पास लियित वाले के लिए जाएँगे।

अन्तरिक्षीकरणः—इसमें प्राप्ति हवाओं द्वारा पदों का, जो उत्तर अधिनियम के उत्तर 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा जो उत्तर अधिनियम में विषय का है ।

अनुसूची

एक आवासीय फ्लट सं० ५, थोकफ्ल 1520 वर्ग फ्रीट 1 लान 500 वर्ग फ्रीट 1 एक कार पार्किंग स्पेस । तल एड बहुमजिली ग्रुप हाउसिंग स्कीम, गैरी अपार्टमेंट ३ व ४ माउथ एप्ट लेन, नई दिल्ली ।

जगदीश मिल
सक्तम प्राधिकारी
गहाना आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-4 दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :

प्रकल्प बाहर, दी. एट. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज-4, नॉ. दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं० आदौ० प० मी०/ए. य०/४/प० स० आर-३/

11-85/326—आतः मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-क के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि भारत सम्पत्ति प्रियका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० रेकट म० 43, है तथा जो खंडग म० 8, 9,
12, 13, गांव नवाजिविधासन में स्थित है (और इसमें उपावद्र
अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रोज-4, नई दिल्ली में भागीय आयकर अधिनियम,
1961 के अधीन दिनांक नवम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उपर्यात
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इच्छमान प्रतिफल से ऐसे इच्छमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तथा पाया गया
इच्छफल, निर्मालिकित उद्देश्य से उक्त अनुरण लिंग्क से
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अनुसूचि ध० ११८ निम्न वाये को अनुसूचि रूप से अधिनियम के अधीन करे १२ अंतरक के दावतमें भै
क्ती करने या उक्त उचित सूचने में सूचित के लिए
शोर/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकल्प नहीं किया यदा
या या किया जाना चाहिए या जिसने ये सूचित
की किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1)
के अधीन, निर्मालिकित अधिकारी, इसके :—

(1) दिल्ली उचित एण्ड प्रो० नि०
115, अंसुद भवन, 16, क० जी० मार्ग,
नहै दिल्ली-1.

(अण्टरक)

(2) डी० प० ग्रोमर्टिज
2 कनाइट म्ट्रीट, नॉसूग खण्ड,८
खम सं० 3 आर 4 कनकता-700001

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाजीप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ऋणी भूमि तादादी 12 बीघा रेकट म० 43, खासग
सं० 8 (4-16), 9 (0-15) 12 (1-19) 13 (4-10)
गांव बिज्वागन, नई दिल्ली ।

जगदीश मित्र
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-7-86

मोहर :

उच्चप आई.टी.ए. इन इन्हें

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारत
संसद 269-ए (1) के तारीख स्वामी

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

निवेश में आई० ए० सौ०/एक्य०/४/एम-आर-३/

11-85/313—अतः मन्त्री, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारत
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका संवित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सौ० 1/2, है तथा जो अविभाज्य शेयर प्रोप०
सौ० के-५४, ज़ंगपुरा में स्थित है (ग्रीष्म इमें उपाधि
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर अधिनियम
कार्यालय, अर्जन रेज-4, नई दिल्ली एक्सटेंशन में भारतीय
रजिस्ट्रीरेशन अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक नवम्बर
1985,को पूर्वोत्तम प्रसिद्धि के उचित बाजार मूल्य से कम के लगभग
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मन्त्री यह विश्वास
करने का कारण है कि इसपर्याप्ति का संपत्ति तथा उक्त बाजार
मूल्य, उसके इश्यान प्रतिफल से ऐसे इश्यान प्रतिफल के
पूर्वोत्तम प्रतिवात से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और अन्तरिती
(बंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण सिद्धि वा
वास्तविक रूप से कार्यकारी रूप से किया गया है—(ए) बन्तरण से हूँड़ किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के वायित्व
में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या(थ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
गया चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की भारत 269-ए के अनुसार
वै, वै, उक्त अधिनियम की भारत 269-ए की उपाधि (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात् :—(1) अमोब प्रकाश सिंह चावला एण्ड बचन रानी
निवासी—३, शिव निकेतन, 18वीं रोड खार,
वन्धुई वर्तमान के-१७, जंगपुरा एक्सटेंशन,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) लक्ष्मी भारायन गालड़ा
सुपुत्र स्वर्गीय जगवत राम कालड़ा
निवासी—१५, १५६, लाजपतनगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियों करदा है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की वर्तमान वा तत्संबंधी व्यक्तियों द्वा
रा सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी
वर्वाच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के व्याय २० के में पारेभाषित
हैं, वहीं विर्थ होता जो उस व्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2, अविभाज्य शेयर प्राप्टरी सौ० के-५८, नादादो
२०० वर्ग गज । ज़ंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली ।जगदीश मित्र
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-१ दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :

प्रूप आर्ड.टी एन ए

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी००—/ग्रूप०/४/३७६६१/१२—
८५/२६४२—अतः मुझे, जगदीश मिश्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जी-107 है तथा जो हिमालय हाउस, के०
जी० मार्ग में स्थित है (और इसे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन
रेंज-4, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961
के अधीन, दिनांक दिसंबर 1985,

को पूरीत सम्पत्ति के उपेत बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित दै० रहा है और यह त्रिवास
करने का कारण है कि यथा वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे छश्य। इन प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररक (अन्तररकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे या रण के लिए तथा
पाया रक्षा प्रतिफल, निर्मातावित उद्देश्य । उक्त अन्तररक
लिखित में दार्शनिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ब) अन्तररक से हाउस को निर्मान करने के अधीन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व
में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तर्रक्ती दवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभाति :—

(1) दिग ६० बी० पी० भसीन एड मिसर्स वेद
भसीन छुषा विला, एम्लन वैड रोड,
मैसूरो-२४८१७९।

(अन्तरक)

(2) मैर्स गारावतो विवाहिया एण्ड मिस्टर डी० जी०
निधि गिला पो-३४, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में द्वाकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखितरण.—इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० जी-107, 10वां खण्ड हिमालय हाउस कस्टरबा
गांधी मार्ग, नई दिल्ली-१ थोकफल ८३३ वर्ग फीट (ग्रास)।

जदीश मिश्र
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-१, दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२

दिनांक : ३-७-८०

मोहर :

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस.-----

आधिकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
भारा २६९-ए के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-४, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक ३ जुलाई १९८६

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/४/३७६६/१२-८५/

२६४३—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
२६९-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
१,००,०००/- रु. सं अधिक है

और जितकी सं० ए-२, है तथा जो गेरेज सं० एस-२०,

फिरोजशाह रोड में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनन्दनी में
पूर्ण रूप में वर्णित है), आयकर अधिकारी के जायान्य, अर्जन
रेज-४, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, १९६१
के अधीन दिनांक दिसंबर १९८५,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्ति
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अव्याप्ति प्रतिफल से एसे अव्याप्ति प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;अतः इब, उक्त अधिनियम की भारा २६९-ए के अनुसरण
में, वै, उक्त अधिनियम की भारा २६९-ए की उपधारा (१)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपार्ट :—(१) लाल गिरद्वान मैमोरियल फैडरेशन हाउस
तानसेन मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(२) उपायाय पब्लिकेशन प्रा० लि०
हैदराबाद, द्वारा लोकल हाउस, पी० टी० आई०
बिल्डिंग, पार्लियमेंट, स्ट्रीट, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों कुर करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याद २०-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया
गया है।

मन्त्री

आवासीय फ्लैट सं० ए-२, प्रथम खण्ड एण्ड गेरेज सं०
एस-२०, बेसमेंट लाल गिरद्वारा लाल मैमोरियल अपार्टमेंट
२८, फिरोजशाह रोड, नई दिल्लीजगदीश मित्र
सक्षम प्राधिकारी
गहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-२ दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२

दिनांक : ३-७-१९८६

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक व्यायकर आयुष्ट (मिरीक्षण)

अर्जन रेज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/प्रकृ०/4/37ई०/12-85/
2655—अतः मुझे, जगदीश मिश्र

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार बल्ल
1,00,000/- रु. से अधिक है
आरजिमकी सं० फ्लैट सं० १-२, है तथा जो दीवान श्री,
फिरोजशाह रोड में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसुची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन
रेज-4, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1985.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूम्य से कम के अधिकार
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
बुल्ल, उसके अधिकार से प्राप्ति की अधिक है और बंतरक (बंतरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर जो सियं हल
पाया जाए प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर
विविध तरीं वास्तविक रूप से कार्यत गई है किंवा जाए है इस्ते

(क) बंतरक से हुए किसी आय की वापर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वे
वायित्व में कमी करने या उससे दूने में भूमिका
के लिए और वा/

(क) एसी किसी आय या किसी भन वा अन्य वाईस्पोर्ट
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
समिधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्तरण
में, मैं सक्त अधिनियम की भाग 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जैन भवान वक्से प्रा० लि ०

जैन भवान, फिरोजाबाद

(अन्तरक)

(2) हैंट इन्वेस्टमेंट लिमिटेड

29ए-1, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-1

(मन्तरिती)

इन वह सूचना आइटी करुने पूर्वोक्त संपत्ति के वर्तन के लिए
कार्यवाहिका करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के मानमें से कोई भी वालेष है—

(क) इस सूचना के उपयन में प्रकाशन की सारीष है 45
दिन की वर्गीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर दृष्टि
की दायीन है 30 दिन की वर्गीय, जो भी वर्गीय
वाह में संबंध होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के उपयन में प्रकाशन की सारीष है
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदात
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी वे पाल
नियमित त्रै किए जा सकते।

उपर्युक्तरण:—इसमें प्रदृष्ट वर्षों और वर्दी वा, जो उक्त
अधिनियम के अन्याव 20-क में वर्णियित
है, वही वर्ष होगा इस उपयन में विद्या
पाया जाए।

मृगसूची

आवासीय फ्लैट सं० १-२, दीवान श्री, फिरोजशाह
रोड, नई दिल्ली क्षेत्रफल 2570 फीट।

जगदीश मिश्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुष्ट (मिरीक्षण),
अर्जन रेज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-

दिनांक : 3-7-1986

मोहर :

प्रूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जून 1986

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/4/37ई०/12-85/

2646—अतः मध्ये, प्रगदोष मिल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके शब्दात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 607, 14, के जो नार्ग में स्थित
है (पार इनो उपावड़ लन्सूची में पूर्ण स्थ से
वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-4,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन
दिनांक दिसंबर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विवास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक, और
वंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाशा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीचित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री अंगन प्रौद्योगिक प्रा० लि०
115, गैंगन भवन, 16, के ऊं २०८,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

(2) श्री रमेश के वेज जयना माइसर
माइसर प्रियंका जयना (माइसर)
पिंग यू/जी० डा० प्रदीप जयना 14, बबर लेन,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना दो राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 607, अम्बादीप 14, के० जे० मार्ग, नई दिल्ली०
क्षेत्रफल 525 वर्ग फीट ।

जगहीश मिल

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर अधिकार (निरीक्षण),
अर्जन रेज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री १० एकांक एवं श्री देवानिल
पि० श्रीवद्दूर्गा० श्रीमा० ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) दी विज्ञव प्राधिनियम संघ ग्रुप को० आपरेटिव
प्राप्ति विज्ञव मोहायटी नि० हिंगार ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 24 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/हिंसार/८७/८५-८६—
अतः मुझे; बी० एल० खट्टी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके शब्दात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि 53 करता 15 मर्गे जो हिंसार में स्थित
है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिंसार में भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक 25-11-1985,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदादेश से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ४५ दिन की अवधि यात्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की नियम से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि दाव में समाप्त होती हो, के भीतर धूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किए अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिङ्ग में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;सम्पत्ति भूमि 53 ए० 15 मर्गे जो हिंसार में स्थित है
जिसका अप्रिय वित्त नियमीकरण के कार्यालय हिंसार
रजिस्ट्री रंगा 4900 दिनांक 25-11-85 पर दिया है।बी० एल० खट्टी
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 24-6-1986

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—176 GI/86

ENFORCEMENT DIRECTORATE
FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-110003, the 8th June 1986

No. A.11/5/83.—Deputy Director of Enforcement hereby appoints Shri A. K. Sebdev in this Directorate to officiate as Enforcement Officer in Bombay II Zonal Office of this Directorate with effect from 27-2-1986 (Forenoon) and until further orders.

The 8th July 1986

No. A.11/16/83.—Deputy Director of Enforcement hereby appoints Shri C. Vijayan in this Directorate to officiate as Enforcement Officer in Bombay II Zonal Office of this Directorate with effect from 19-2-1986 (Forenoon) and until further orders.

A. K. ROY
Chief Enforcement Officer (Admn.)

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 11th July 1986

No. 2/19/86-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. L. Aroia a permanent P.A. of this Commission, as Sr. PA in the Commission on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-1010 with effect from the forenoon of 8-7-86 for a period of three months or until further orders whichever is earlier.

MANOHAR LAL
Under Secy. (Admn.)
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING,
PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRG.)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 28th May 1986

No. A-22020/51/83-AD-III.—In supersession of Notification No. A-32012/1/85-AD. III dated 13-3-1986, Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints the following ad-hoc Sr. P.As as Grade 'B' Stenographers on regular basis with effect from the dates noted against each :

Sl. No.	Name	Date from which regularised
S/Shri		
1.	M. P. S. Chauhan	29-10-1985
2.	G. K. Guha	1-11-1985

K. CHAKRAVARTHI
Dy. Director (Admn.)
CBI

New Delhi-3, the 8th July 1986

No. 3/27/86-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Saikia, IPS (Gujarat—1977) as Superintendent of Police, on deputation basis, in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 27th June, 1986 and until further orders.

The 11th July 1986

No. A.19032/1/79-AD.V.—The services of Shri D. K. Kochar, Junior Analyst/CBI/Head Office are placed at the

disposal of the Ministry of Steel and Mines, Department of Mines, New Delhi with effect from the forenoon of 23rd June, 1986, on repatriation.

D. P. BHALLA
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-3, the 8th July 1986

No. D.I-46/85-Estt.I.—The service of Shri Sohan Lal, Dy. S.P. are placed at the disposal of Bhakra Beas Management Board, Chandigarh under Ministry of Irrigation and Power (Dept. of Power), New Delhi on deputation basis with effect from 24th March, 1986 (AN).

The 9th July 1986

No. F.2/23/86-Estt.(CRPF).—The President is pleased to sanction proforma promotion in officiating capacity to Shri Vasdev Bhanoli, Dy. SP, presently on deputation to Directorate of Preventive operation under Ministry of Finance to the rank of Assistant Commandant in the pay scale of Rs. 1200-50-1700 w.e.f 10-4-1986, the date on which his immediate junior officer from the panel of D.P.C. of 2/86 was promoted as Asstt. Commandant in CRPF.

ASHOK RAI MAHEEPATHI
Asstt. Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 3rd July 1986

No. E-16013(2)/1/86-Pers.I.—On appointment on deputation Shri G. S. Rath, IPS (Bihar: 77) has assumed charge of the post of Commandant CISF Unit, NALCO Angul, with effect from the forenoon of 10th June, 1986.

The 10th July 1986

No. E-16014(2)/3/85-Pers.I.—On appointment on transfer basis, Shri Piar Singh, Dy. Chief Security Officer, NAPP Narora (UP) has assumed charge of the post of Deputy Commandant CISF Unit, CCWO Dhanbad with effect from the forenoon of 26th June, 1986.

No. E-32015(3)/11/85-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri J. R. Gupta Deputy Commandant as Commandant (Trg.) CISF Hars, New Delhi with effect from the forenoon of 6th June, 1986 on regular basis.

The 11th July 1986

No. E-32015(2)/86-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri P. Balakrishna Pillai, Asstt. Comdt. on promotion as Commandant CISF Unit, DSP Durgapur with effect from the forenoon of 23-6-1986, on regular basis.

No. E-32015(3)/4/84-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri Chet Ram Singh, Asstt. Comdt. (Ad-hoc Commandant) to the rank of Deputy Comdt., CISF Unit, PCL Satalpur with effect from the forenoon of 11th June, 1986 on regular basis.

SUNIL KRISHAN
Director General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 8th July 1986

No. 13/18/85-Ad.I.—On attaining the age of superannuation, Shri M. L. Gulati, Deputy Director of Census Opera-

tions in the office of the Registrar General, India, New Delhi, relinquished the charge of the post of Deputy Director of Census Operations in the same office, with effect from the afternoon of 30-6-1986.

V. S. VERMA
Registrar General, India

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 8th June 1986

No. Admn.I/8-132/86-87/63.—The Accountant General (Audit) of A.P. Hyderabad is pleased to promote the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date noted against them until further orders.

Name and Date of assumption of charge

1. Sri M. Gopala Krishna Murthy, 20-6-1986 FN
2. Sri Y. V. S. Rajasekhar, 17-6-1986 AN

The promotions ordered above are without prejudice to the claims of their seniors, if any, and are also subject to the result of the Writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court. They should exercise the option within one month of their date of promotion in terms of Government of India O.M. No. F.7/1/80-Estt. (Pt.I), dated 26-9-1981.

The 10th July 1986

No. Admn.I/8-132/86-87/67.—Sri K. Rajeswara Rao-II and Sh. K. S. Peter, Audit Officer, Office of A.G. (Audit)-I, A.P., Hyderabad retired from service on the A.N. of 30-6-1986.

Sd./- ILLEGIBLE
Sr. D.A.G. (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E),
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 10th July 1986

No. Admn.I/A&E/I/8-88/86-87/116.—The Accountant General (A&E), A.P. Hyderabad is pleased to promote the undermentioned Section Officers to officiate as Accounts Officers in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates shown against their names, until further orders:—

Name and Date of assumption of charge

S/Shri

1. P. Subbukrishnaiah, 10-12-1985 F.N.
2. Ch. Subba Rao II, 01-07-1986 FN.

The promotions ordered are without prejudice to the claims of their seniors, if any, and are also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

Sd./- ILLEGIBLE
Dy. Accountant General
(Administration)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

N. E. RAILWAY

Guwahati-781 011, the 27th May 1986

No. S.O.O. No. 24.—Consequent on his permanent absorption in the Indian Telephone Industries Limited, the lien of Shri Purnendu Lahity, a permanent member of Audit Officer

Cadre is terminated under F.R.14(A)(d) with effect from 01-05-1985.

Sd./- ILLEGIBLE
Director of Audit

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 11th July 1986

No. 1447/A-Admn/130/82-85.—Consequent on his permanent absorption in the Central Pulp and Paper Research Institute, Dehra Dun with effect from 26-1-1985 (FN), the lien of Shri C. P. Saxena, substantive Audit Officer, Defence Services has been terminated in terms of F.R.14-A(d) from the same date.

No. 1464 A-Admn/130/82-85.—Director of Audit, Defence Services is pleased to appoint the undermentioned officiating Asst. Audit Officers to officiate as Audit Officers until further orders, from the date noted against each :

Sl. No.	Name & Designation	Office in which appointed	Date from which appointed
1	2	3	4
S/Shri			
1.	C. K. P. Rao, Asstt. Audit Officer	Jt. Director of Audit Defence Services (CC) MEERUT	17-4-86
2.	M. C. Pant, Asstt. Audit Officer	Jt. Director of Audit Defence Services (WC) CHANDIGARH	29-5-86
3.	A. N. Mukherjee, Asstt. Audit Officer	Dy. Director of Audit Defence Services (CC) ALLAHABAD	24-6-86
4.	Alok Bhattacharya, Asstt. Audit Officer	Audit Officer Defence Services (WC) DELHI CANTT.	24-6-86
5.	G. Ramachandran, Asstt. Audit Officer	Director of Audit (Air Force & Navy) NEW DELHI	16-6-86 (AN)
6.	Ghasita Singh Asstt. Audit Officer	Jt. Director of Audit Defence Services (CC) MEERUT	30-6-86 (AN)

B. S. GILL
Jt. Director of Audit
Defence Services

MINISTRY OF DEFENCE

D. G. O. F.

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700001 the 3rd July 1986

No. 7/86/A/E-1(NG).—On attaining the age of superannuation, Shri Tritunjoy Mukherjee, Offg. Personal Secretary (Substantive and Permanent Steno. (Gr. II), retired from service w.c.f. 30-6-86 (A/N).

S. DASGUPTA,
Dy. Director General/Admin.
For Director General, Ordnance Factories

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 3rd July, 1986

No. 35/G/86—Consequent on the transfer of stage/inter stage inspection responsibilities from DGI to DGOF w.e.f 15-10-1984, the President is pleased to appoint the undermentioned transferee DGI officers in IOFS to the grades specified against each :

Sl. No.	Name	Grade in IOFS to which appointed
SSO/I/SAO		
1. F. C. Prabhakaran	Senior Time Scale (Engineer)	Senior Time Scale (Engineer)
2. S. K. Kapur	Do.	Do.
3. A. V. Chikodikar	Do.	Do.
4. G. P. Modi	Do.	Do.
5. P. Jayaraman	Do.	Do.
6. M. C. Vidyarthee	Senior Time Scale (Non-Technical)	Senior Time Scale (Non-Technical)
7. S. K. Kulshrestha	Do.	Do.
8. R. Srinivasan	Senior Time Scale (Chemist)	Senior Time Scale (Chemist)
9. K. P. Bhardan	Senior Time Scale (Metallurgist)	Senior Time Scale (Metallurgist)
10. P. M. Sengupta	Do.	Do.
11. R. N. Roy	Do.	Do.
12. K. C. Tripathy	Do.	Do.
13. U. N. Sharma	Do.	Do.
14. S. R. Sen Gupta	Do.	Do.
SSO-II		
1. R. Ragnganathan	Junior Time Scale (Engineer)	Junior Time Scale (Engineer)
2. V. H. Halagiri	Do.	Do.
3. A. K. Chaudhary	Do.	Do.
4. J. W. Pande	Do.	Do.
5. D. N. Ghosh	Do.	Do.
6. Hans Raj	Do.	Do.
7. M. L. Sood	Do.	Do.
8. Om Prakash Gupta	Do.	Do.
9. B. B. Dass	Do.	Do.
10. B. V. Bodas	Do.	Do.
11. B. K. Nayak	Do.	Do.
12. V. Srinivasan	Junior Time Scale (AWM-Chemist)	Junior Time Scale (AWM-Chemist)
13. H. C. Pathak	Do.	Do.
14. P. R. Gayen	Junior Time Scale (Metallurgist)	Junior Time Scale (Metallurgist)
15. A. K. Lala	Do.	Do.
16. C. K. Dikshit	Do.	Do.
17. A. K. Jauhari	Do.	Do.
18. D. V. Ramasarma	Do.	Do.
19. P. C. Gupta	Do.	Do.
20. S. R. Kuswaha	Do.	Do.

M. A. ALAHAN
Jt. Director/G

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INUSTRIES)

New Delhi, the 2nd June 1986

No. A-19018(757)/84-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Inderjeet Khushu, Technical Officer, Directorate of Industries and Commerce, Govt. of Jammu & Kashmir, Srinagar as Asstt. Director (Gr.I) (Food) at Branch Small Industries Service Institute, Suri under Small Industries Service Institute, Calcutta with effect from the forenoon of 24-4-86 until further orders.

No. A-19018(779)/85-Admn.(G).—Consequent on his appointment as Director in the Department of Public Enterprises, New Delhi, Shri K. P. Singh relinquished charge of the post of Director (Gr.I) (General Administration Division) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi on the forenoon of 16th May, 1986.

C. C. ROY, Dy. Director (Admn.)

DEPARTMENT OF MINES
(INDIAN BUREAU OF MINES)

Nagpur, the 10th July 1986

No. A-19011/77/86-Estt.A.PP.—On his voluntary retirement on 30-6-86 (Afternoon) Shri Y. B. Sammanwar, permanent Deputy Mineral Economist (Int.) has been relieved of his duties from the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 1-7-86 and accordingly his name is struck off the strength of the effective establishment of this department from the said date.

No. A-19011/363/86-Estt.A.PP.—On his voluntary retirement on 30-6-86 (afternoon) Shri M. K. Rao, permanent Mineral Officer and officiating Asstt. Mineral Economist (Stat.) has been relieved of his duties from the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 1-7-86 and effective establishment of this department from the said date. effective estblishment of this department from the said date.

P. P. WADHI,
Administrative Officer,
for Controller General,
Indian Bureau of Mines.

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 1st July 1986

No. 17/4/86-S/IV—Consequent upon their promotions, the undermentioned Senior Engineering Assistants, have assumed the charge of the posts of Assistant Engineer at different offices of Doordarshan from the dates as shown against each:—

S. No.	Name	Station/Office	Date of joining
1. Sh. R.D. Agarwal	TVMC, Jaisalmer	21-1-86 (FN)	
2. Sh. D. Sreedhar	TVMC, Satara	6-6-86 (AN)	
3. Sh. N. Kuppuswamy	UDK, Cuttack	29-5-86 (FN)	
4. Sh. N. L. Godbole	TVMC, Bilaspur	31-5-86	

B. S. JAIN
Dy. Director of Administration
for Director General

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 3rd July 1986

No. PA/79(19)/84-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Harikrishna Naidu Saiprakash, permanent Upper Division Clerk in Indira Gandhi Centre for Atomic Research and officiating as Assistant in this Research Centre to officiate as Assistant Personnel Officer on ad-hoc basis from January 13, 1986 (AN) to June 11, 1986 (AN) and on regular basis with effect from the forenoon of June 12, 1986 until further orders.

C. G. SUKUMARAN,
Dy. Establishment Officer.

MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi, the 8th July 1986

No. E(I)00840.—The request of Shri K. P. Dawale, Meteorologist Grade I, India Meteorological Department to retire voluntarily from the Government service under Rule 48(A) of Central Civil Service (Pension) Rules, 1972 has now been agreed to and consequently he stands retired with effect from 19-10-1982 (Afternoon).

S. D. S. ABBI,
Dy. Director General of Meteorology,
(Administration & Stores),
for Director General of Meteorology.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF
CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th June 1986

No. A. 12025/6/81-ES.—On the recommendation of the U.P.S.C., the President is pleased to appoint Shri M. Rajendran, as Air Safety Officer (Engg.) in the pay scale of Rs. 700-1300 in the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from 18-6-1986 and until further orders.

M. BHATTACHARJEE
Dy. Director of Administration.

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Nagpur, the 2nd July 1986

No. 11/86.—Consequent upon his promotion, vide Ministry's Order No. 75/1986 dated 19-5-86 (F. No. A-32012/2/86-AD-II) Shri K. K. Chadha, Supdt. C. Ex. Gr. 'B' has assumed his charge as Sr. Supdt. Gr. 'A' in Nagpur Collectorate in the forenoon of 10-6-86.

The 3rd July 1986

No. 12/86.—Consequent upon their promotion as Administrative Officer Gr. 'B' the following Office Supdt. of C. Ex. I have assumed their charges as Administrative Officer, Central Excise Gr. 'B' w.e.f. the dates as shown against each.

Sl. No. 1	Name	Place of posting	Date of assumption of charge
S/Shri			
1. A. S. Datar	Examiner of Accnts., Hqrs. Office, Nagpur	17-6-1986 F/N	
2. D. L. Dese	Administrative Offr., Div.-I, Nagpur	18-6-1986 F/N	

R. K. AUDIM
Dy. Collector (P&E)

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION
CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 9th July 1986

No. 9/86 C. No. 1041/28/86.—Shri B. Basu, lately posted as Asstt. Collector Customs, Calcutta, on his transfer to the Directorate General of Inspection, Customs and Central Excise, New Delhi vide Ministry of Finance, Department of Revenue's order No. 98/85 dated 9-7-85 issued vide letter F. No. A-22012/42/85-Ad. II, assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection, Customs and Central Excise, New Delhi on 17-6-86 (FN).

H. M. SINGH
Director General of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110 066, the 10th July 1986

No. A-19012/1115/85-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Nagendra Prasad Singh, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 27-6-1985.

MEENAKSHI ARORA
Under Secy. (C)
Central Water Commission

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 1st July 1986

No. 3-743/86-Estt (M).—Shri Ram Singh is appointed to the post of Asstt. Administrative Officer, General Central Services Group (B) (Gazetted) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on temporary basis in Central Ground Water Board w.e.f. 23-6-86 (FN).

S. K. DAS
Chief Engineer & Member

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 8th July 1986

No. 32/3/85-EC-JI.—On attaining the age of superannuation the following officers of the CPWD belonging to the CES Grade 'A' and working as EE(C) in the office mentioned against each have retired from Govt. service with effect from the dates indicated against their names :

Sl. No.	Name of the officer	Date of retirement	Last posting station and designation
S/Shri			
1. A. S. Kanwar		30-6-86 (AN)	SSW(H) NZ. R. K. Puram, New Delhi
2. N. S. Raheja		30-6-86 (AN)	Valuation Unit, Indore, I. T. Deptt Indore.

M. M. DASS
Dy. Director (Training)
for Director General (Works)

New Delhi, the 9th July 1986

No. 33/2/83-EC IX.—The President is pleased to appoint Shri Satish Kumar, a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Deputy Architect (G.C.S. Group 'A') in the Central Public Works Department in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (plus usual allowances) with effect from 6-6-1986 on the usual terms and conditions.

2. Shri Satish Kumar is pleased on probation for a period of two years with effect from the date of his appointment.

PRITHVI PAL SINGH
Dy. Director of Administration

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and
M/s. Meghdoot Finance and Instrument Company Private
Limited*

Patna, the 3rd July 1986

No. 1068/560/1746.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the M/s. Meghdoot Finance and Instrument Com-

pany Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and
Mahabir Contracts Private Limited*

Patna, the 3rd July 1986

No. 1782/60/560/1749.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the M/s. Mahabir Contracts Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and
Bright Food Products Private Limited*

Patna, the 3rd July 1986

No. 1481/59/560/1752.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the M/s. Bright Food Products Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

R. A. SINGH
Registrar of Companies
Bihar, Patna

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 24th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./HSR/87/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 53 kanals 15 marlas situated at Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hisar under Registration No. 4900 dated 25-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Lal Chand s/o Shri Teja Singh r/o Dabra Teh. Hissar. (Transferor)
- (2) The Visay Adhyatmik Sangh Group, Co-op. House Building Society Ltd. Hissar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 53 kanals 15 marlas situated at Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4900 dated 25-11-85 with the Sub Registrar, Hissar.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-6-1986
Seal :

FORM ITNS.—

(1) Ch. Brij Lal Bishnoi s/o
Ch. Pat Ram r/o H. No. 119,
Sector 16-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) The Visav Adhyatamik Sangh Group
Co-op. House Building Society Ltd.
Hissar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./HSR/86/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 28 kanals 10 marlas situated at Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar under Registration No. 4899 dated 25-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 28 kanals 10 marlas situated at Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4899 dated 25-11-1985 with the Sub Registrar, Hissar.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-6-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 3rd July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG 114/85-86.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 42 kanals 3 marlas situated at Kanhai, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 5103 dated 20-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
14—176 GI/86

(1) Shri Mawasi s/o Sri Rikha
r/o Kanhai.

(Transferor)

(2) M/s Delhi Towers and Estate (P) Ltd,
115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 42 kanals 3 marlas situated at village Kanhai Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5103 dated 20-11-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 3-7-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Roshan Lal s/o
Shri Bhagwan Dass s/o
Shri Manu Ram r/o Shahabad.

(Transferor)

(2) The Nav Niketan Co-op. House
Building Society Ltd. Shahabad,
Teh. Thaneswar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./SHD/31/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land 21 kanals 1 marla situated at village Chhabra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahabad under Registration No. 945, 988 & 1094 dated 21-11-85, 5-12-85 and 1-1-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, ~~and/or~~

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Property being land measuring 21 kanals 1 marla situated at village Chhabra & as more mentioned in the sale deeds registered at Sr. No. 945, 988 & 1094 dated 21-11-85, 5-12-85 and 1-1-86 respectively with the Sub Registrar, Shahabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-6-1986
Seal :

FORM F100

(1) Shavak Ardhshir Irani,
17, Brunton Road,
Bangalore.

(Transferor)

(2) S. K. Gandhi,
Pushpa Gandhi
No. 89/1, J.C.Rd.,
Bangalore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd July 1986

C.R. No. 62/49232/85-86, ACQ/B—Whereas, I, R. BHARADWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at 17, Brunton Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivaji Nagar, Bangalore on 18-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(i) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(ii) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2406 85-86 dated 18-11-85)
Portion of Property No. 17, Brunton Rd., Bangalore.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-7-1986
Seal :

FORM ITN9

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd July 1986

(1) Shavak Ardhshir Irani,
17, Brunton Road,
Bangalore

(Transferor)

(2) Kadapa Madhukar Reddy,
& another, II/362/I,
Co. op. Socy., Madanapalli,
Chittur 517326.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

C.R. No. 62/49228/85-86/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARADWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), **have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding**
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
situated at 17, Brunton Road, Bangalore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Shivajinagar on 14-11-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I **have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:**—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2455/85-86 dated 14-11-85)

Property at 17, Brunton Road, Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 2-7-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd July 1986

C.R. No. 62/49229/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at 17, Brunton Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore on November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shavak Ardhbir Irani
17, Brunton Road,
Bangalore.

(Transferor)

(2) 1. Ratnakar Achyut Shambag
2. Vijaya Ratnakar Shambag,
476, 19th Main, 4th Block,
Jayanagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2454/85-86 dated Nov. 1985)

Portion of Property bearing No. 17, Brunton Road, Bangalore.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-7-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd July 1986

C.R. No. 62/49058/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Bidhur village, Kasaba Hobli, Devanahalli Tq., Bangalore Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Devanahalli on 14-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Sri Chetan Desai
R/o 28, Vishwanatha Rao Road,
Machavaram,
Bangalore.

(2) Govt. Kalivari Alva,
W/o Dr. S. Nagappa Alva
517, Rajmahal Vilas Extn.,
Bangalore.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Registered Document No. 934 dated 25-11-85)

Property situated at Bidhur village, Kasaba Hobli, Devanahalli Tq., Bangalore Dist.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 3-7-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th April 1986

C.R. No. 62/R-1785/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 67/1D situated at Lavelle Road, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at with the conveyance deed No. 1648/85-86 in his office at Bangalore under Registration No. 1648/85-86 dated 13-11-1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the said property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Mr. Shabir Abbas Bhai Lokhandwala,
Mr. Sadiq Hussain Shamsuddin Pachorawala,
Mr. Mohamed Iousuf Bhai Vadnagar wala,
14, 19 Mission Road,
Bangalore-560027.

(Transferor)

(2) Mr. Suresh Vaswani,
Mrs. Geeta Vaswani,
No. 22, Lavelle Road,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1648/85-86 dated 13-11-1985)
Site bearing No. 67/1D (Portion of old No. 5) Lavelle
Road, Bangalore.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby invite proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 4-7-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th June 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/5679/37EE/1985-86.—

Whereas I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bunglow No. 26-A, S. No. 226, Bombay Pune Road, Kirkee Cantonment, Kirkee, Pune-3 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Dhun Elvis,
Mrs. Sara Khan and
Miss Rhoda Khaombhadia,
16 Napier Road,
Pune-1.

(2) Shri D. T. Aroda & 3 Others,
1 Moledina Road,
Pune-1.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow No. 26-A, S. No. 226, Bombay Pune Road, Kirkee Cantonment, Kirkee, Pune-3.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5679/1985-86 in the month of Dec 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Pune

Date : 12-6-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th June 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/485/1985-86.—
 Whereas, I, ANIL KUMAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to
 as the said 'Act') have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value
 exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
 Plot No. F-7 (Part) in Tarapur Industrial Area situated at
 Kolvade, Gram Panchayat Kolvade, Zilla Parishad, Thane
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act 1908 (16
 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 I.A.C., Acq. Range, Pune in December, 1985
 for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I have reason
 to believe that the fair market value of the property
 as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by
 more than fifteen percent of such apparent consideration for
 such transfer as agreed to between the parties has not been
 truly stated in the said instrument of transfer with the object
 of :

(1) United Motor (India) Limited,
 39 N. S. Patkar Marg,
 Bombay.
 (Transferor)

(2) Piramal Oxygen & Steel Industries Limited,
 Piramal Bhavan,
 Ganpatrao Kadam Marg,
 Bombay.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Plot No. F-7 (Part) in Tarapur Industrial Area situated at Kolvade, Gram Panchayat Kolvade, Zilla Parishad Thane and Taluka Panchayat Samiti Palghar.

(Property as described in the sale deed registered in the Office of the Sub-Registrar, Bombay, under document No. 485/1985-86 in the month of Dec. 1985).

ANIL KUMAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 15—176 GI/86

Date : 12-6-1986
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/5651/1985-86.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
S. No. 54/7 Plot No. 86, Sub Plot No. 4/A, open Plot
Erandwana, situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
I.A.C. Acq. Range, Pune in December, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Smt. Usha N Kurlekar,
108/8/2 Chatushringi,
Pune-16.

(Transferor)

(2) M/s Angal & Co. Promoters & Builders,
775/2 Deccan Gymkhana,
Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

THE SCHEDULE

S. No. 54/7 Plot No. 86, Sub plot No. 4/A, Open Plot,
Erandwana, Pune-4.

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 5651/1985-86 in the month of Dec. 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 27-2-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 5th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/31/1985-86.—
 Whereas, I, ANIL KUMAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as
 the said 'Act') have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 S. No. 364/1, Plot No. 4, Flat No. 3 at "Madhumalati
 Apartments, Sangli situated at Sangli
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act 1908 (16
 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 I.A.C., Acqn. Range, Pune in December, 1985
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason
 to believe that the fair market value of the property as
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen* per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfr with the object of :—

(1) Shrinath Builders,
 364/1 Madhumalati Apartments,
 Near S. T. Colony,
 Sangli. (Transferor)

(2) Shri Govind Venkatesh Kulkarni,
 Laxmi Niwas,
 Sawat Colony,
 Satura. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable
 property within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor, to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act,
 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Sr. No. 364/1 Plot No. 4, Near S.T. Colony, Sangli.

Property as described in the agreement to sale registered
 in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
 document No. 31/1985-86 in the month of Dec. 1985).

ANIL KUMAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 5-3-1986
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 10th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10799/1985-86.—
 Whereas, I, ANIL KUMAR,
 being the Competent Authority under Section 269AB of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act') have reason to believe that the
 immovable property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 Flat No. 103 on first floor in Nirman Amrut, at Nirman
 Nagar, S. No. 50, Nilemore, Nalasopara (W) Tal. Vasai,
 Dist. Thane
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act 1908 (16
 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 I.A.C., Acq. Range, Pune in December, 1985
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

(1) M/s Nirman Associates,
 40-41 Vishal Shopping Centre,
 Sir M. V. Road (Andheri-Kurla-Road)
 Andheri (E) Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. Kersi Pestonji Variava,
 Multani Building,
 1st floor, Khambata Lane,
 Khetwadi,
 Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in the writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, on first floor, in "Nirman Amrut" at Nirman Nagar, S. No. 50, Nilemore, Nalasopara (W), Tal. Vasai, Dist. Thane.
 (Area 676 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered
 in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
 No. 10799/1985-86 in the month of February
 1986).

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1986
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 20th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4899/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

S. No. 49, Hissa No. 1/3 A & 1/3 B Plot No. 12 Kothrud
Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Pukharaj Rikbaji Chauhan &
Smt. U. B. Chauhan,
401 Raviwar Peth,
Pune.

(Transferor)

(2) M/s Ankur Promoters,
"Amol" 1226-C Shukrawar Peth,
Subhashnagar Colony Lane,
Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

S. No. 49, Hissa No. 1/3 A and 1/3 B Plot No. 12, Kothrud, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4899/1985-86 in the month of Dec. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range-Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-2-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 14th April 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5437G/517/1986-87.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property at S. No. 103/21, F.P. No. 270/31, Sub-Plot No. 10, Chaitanya Nagar, Savedi, Ahmednagar situated at Ahmednagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acquisition Range, Pune in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Vasudeo Vishnu Aarole,
1146 Shivajinagar,
Pune-16.

(Transferor)

(2) Ramesh Sadashiv Mokashi,
The Chairman, Snehal Sahakari Griha Nirman Sanstha, Chaitanya Nagar, Savedi, Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property at S. No. 103/21, F. P. No. 270/31 Sub Plot No. 10 Chaitanya Nagar, Savedi, Ahmednagar.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar, under document No. 517/1985-86 in the month of December, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-4-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th April 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/4998/1985-86/1986-87.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ownership flat in C.T.S. No. 387-A Bhavani Peth situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acquisition Range, Pune in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Baso Associates,
386 Bhavani Peth,
Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri Shoaibhai Mohammedbhai Kapadia,
299 Guruwar Peth,
Raj Apartment,
Pune-42.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Ownership flat in C.T.S. No. 387-A Bhavani Peth, Pune-2. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4998/1985-86 in the month of Dec., 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-4-1986
Seal :

FORM ITN8

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 6th May 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/5294/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act) have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Open Plot at C.T.S. No. 1156/10 Aundh, Off-Aundh-Baner
Road, Pune

situated at Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
I.A.C., Acquisition Range, Pune in December, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(1) Shri Arun Alias Jaykumar Chunnilal
Khinvasara, 446 'Safalam' Gokhale
Cross Road, Pune.

(Transferor)

(2) Shri Prakash Sitaram More,
"Shamali" Prabhat Road,
Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open Plot at C.T.S. No. 1156/10 Aundh, Off-Aundh-Baner
Road, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 5294/1985-86 in the month of December,
1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 6-5-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 1st April 1986

Ref. No. IAC ACQ/CAr5/37EE/5798/1985-86.—
 Whereas, I, ANIL KUMAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.
 C.T.S. No. 1265 Sadashiv Peth, Pune
 situated at Pune
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act 1908 (16
 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 I.A.C., Acquisition Range, Pune in December, 1985
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :

(1) M/s Joshi Promoters,
 1217 Sadashiv Peth,
 Pune.

(2) M/s Mousam Finance & Investment Pvt. Ltd.
 by its Managing Director Shri V. D. Joshi,
 1319/2 Sadashiv Peth,
 Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 which ought to be disclosed by the transferee for
 moneys or other assets which have not been or
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 1265 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Property as described in the agreement to sale registered
 in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
 document No. 5798/1985-86 in the month of Dec. 1985).

ANIL KUMAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Pune

Date : 1-4-1986
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said
 Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of section 269-D of the said Act to the following
 persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th April 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/5322/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property at land Plot No. 61, S. No. 45/5AB CTS No. 299 Sheela Vihar Colony, Erandwane, Pune-4 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acquisition Range, Pune in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Arvind S. Kinjwdekar,
P. No. 61 Sheelavihar Colony,
Karve Road,
Erandwane,
Pune-4.

(Transferor)

(2) Chopde Associates,
through its partner S. Y. Chopde,
1622 Sadashiv Peth,
Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Land and building at Plot No. 61, S. No. 45/5AB C.T.S. No. 299, Sheela Vihar Colony, Erandwane, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5322/1985-86 in the month of Dec., 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 28-4-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri B. T. Dhumal,
366 Mangalwar Peth,
Punc-11.

(Transferor)

(2) Shri H. H. Sancheti,
A-16 Adinath Society,
Pune-37.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 6th May 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/5630/1985-86.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
S. No. 692A-2A-1-2 Pune City, Plot No. 21, Pune
situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
I.A.C., Acquisition Range, Pune in December, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

S. No. 692-A-2A-1-2 Plot No. 21, Pune City.

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 5630/1985-86 in the month of Dec., 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 6-5-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Prakash Shripad Kindjwdekar,
P. No. 61 Sheelavihar Colony,
Karve Road, Elandwane,
Pune-4.

(Transferor)

(2) Chopde Associates,
Through its partner S. Y. Chopde,
11622 Sadashiv Peth,
Pune-30.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
PUNE

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Pune, the 6th May 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/53235/1985-86. —
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
situated at 61 Sheela Vihar Colony, Karve Road, Pune-4
situated at Pune..
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registration Officer at IAC, Acq.
Range, Pune in December, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
defined in Chapter XXX of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

Situated at 61 Sheela Vihar Colony, Karve Road, Pune-4.
(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under
document No. 5323/1985-86 in the month of December,
1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 6-5-1986.
Seal :

FORM ITNB

(1) Smt. Usha Shripad Kinjwdekar,
P. No. 61 Sheela Vihar Colony,
Karve Road, Erandwana,
Pune-4.

(Transferor)

(2) Chopde Associates,
Through its partner S. Y. Chopde,
11622 Sadashiv Peth,
Pune-30.

(Transeree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 6th May 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/5324/37EE/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing situated at Building 61, Sheelavihar Colony, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range, Pune in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Situated at Building No. 61, Sheelavihar Colony, Pune. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5224/1985-86 in the month of December, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date : 6-5-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 2nd May 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7804/1986-87.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 701 on 7th floor in building LOK SHILP at Plot No. 59, Sector 17, Vashi, New Bombay situated at Vashi, New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Lalit C. Gandhi,
Chief Promoter,
Lok Shilp Co-operative Housing Society Ltd.
14 Vishal Shopping Centre,
Sir M.V. Road, Bombay.

(Transferor)

(1) Mrs. Shylaja Iyengar,
C/o V. S. Iyengar, No. 3 Swathi,
Haji Bapu Road, Mahendra Nagar,
Malad (E) Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 day from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 701, on 7th floor in building LOK SHILP at Plot No. 59, Sector 17, Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7804/1985-86 in the month of December, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 2nd May 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7452/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 215, S. No. 334, 338, Ravi Industries Compound, Near Amar-Jyoti Co-operative Housing Society Panchpakhadi, Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range, Pune in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sharad Govind Bhoir & Others,
Village Vadavali Naka,
Dist. Thane.

(Transferor)

(1) M/s. Surbhi Construction,
C/o Vithlani Oil Depot,
Power Compound
Near Ganesh Talkies,
Panchpakhadi, Thane (W).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 215, S. No. 334, 338 Panchpakhadi, Thane.
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7452/1985-86 in the month of December, 1985.

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date : 2-5-1986
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 31st March 1986

Ref. No. IAC ACO/CA-5/37EE/5547/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 131, Survey No. 26, Dahanukar Colony, Kothrud, Pune-29 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri (Dr.) Deepak Shrinivas Naik, Flat No. 402, Seaside Apartments, R Budu Marg, Prabhadevi, Bombay.

(Transferor)

(2) Hirshikesh Construction, through its partner Shri A. K. Zunjurwadi, 29 LIC Colony Pune Satara Road, Pune-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as, herein as are defined in Chapter XA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 131, Survey No. 26, Dahanukar Colony, Kothrud, Pune-29.
(Area 8080 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 5547/1985-86 in the month of December, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune

Date: 31-3-1986
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

(1) S. N. Patil & Others.
Samant Building, Gograswadi,
Dombivli (E).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 1st April 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7874/1985-86.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing Nos.

Immovable property bearing House Nos. 240 & 240A,
Plot Nos. 2 & 3 situated on Survey No. 67/A, Hissa No. 15,
N.C. Kelkar Road, Ramnagar, Dombivli (E) Dist. Thane
situated at Ramnagar
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn.
Range, Pune in December, 1985

Date : 31-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Anil S. Dhake &
Mrs. Anjali Anil Dhake,
15 Tulsi Sadan, N. C. Kelkar Road,
Dombivli (E) Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing House Nos. 240 & 24A, Plot
Nos. 2 & 3 situated on Survey No. 67/A, Hissa No. 15, N.C.
Kelkar Road, Ramnagar, Dombivli (E), Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under
document No. 7874/1985-86 in the month of December,
1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—
17—176 GI/86

Date : 1-4-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Digamber B Kale & Others.
1796 Old Tambet Lanc,
Nasik.

(Transferor)

(2) Nilesh Ravindra Puranik,
4470 Gholapwada, Panchvati,
Nasik.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 28th May 1986

Ref. No. JAC ACQ/CA-5/37G/419/1986-87.—

Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Survey No. 883/1/2/4, Plot No. 3, Agra Road
situated at Nasik(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Nasik in December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Survey No. 883/1/2/4, Plot No. 3, Agra Road, Nasik.
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik, under document No. 419/1985-86 in the month of December, 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Vimalabai Anant Andhare,
1796 Old Tambat Lane,
Nasik.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Bombay-38, the 27th June 1986

Ref. No. IAC ACO/CA-5/37G/418/1986-87.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Survey No. 883/1/2/2, Agra Road, Nasik
situated at Nasik.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at S.R.
Nasik in December, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
Instrument of transfer with the object of:—

(2) Shri Shrikant Govind Puranik,
4470 Gholapwadi, Panchvati,
Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Survey No. 883/1/2/2 Agra Road, Nasik.

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the Sub-Registrar, Nasik, under document
No. 418/1985186 in the month of December, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 27-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 27th May 1986

Ref. No. IAC ACO/CA-5/37G/420/1986-87.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 883/1/2/3, Plot No. 2, Agra Road, situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Nasik in December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Digamber Bapuji Kale,
Shri B. B. Kale,
1796 Old Tambat Lane, Nasik.

(Transferor)

(2) Shailesh Gopal Puranik,
4470 Gholapwadi, Panchvati,
Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Survey No. 883/1/2/3 Agra Road, Nasik.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik, under document No. 420/1985-86 in the month of December, 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 27-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 12th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4636 Acq. 23-II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece of land bearing S.T. No. 95/B, Sheet No. 27, CTS No. 839, of Jetalpur, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Hyderabad on 11/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Prakash Chimanlal Shah,
14, Lane, Khar,
Bombay.

(Transferor)

(2) Panchratna Corporation,
Partner :
Ravjibhai Chhotabhai Patel,
Son Kamal, Nr. Shashtribaug,
Andan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The sale deed was registered by Sub-Registrar, Baroda on 1-11-1985 for A.C. of Rs. 5,50,000/-.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-6-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009; the 12th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4637 Acq.23-II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Piece of land bearing S.T. No. 95/B/Shct No. 27 C.S. No. 839 of Jetalpur, Baroda (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R., Baroda on 1/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Prakash Chimanlal Shah,
14th Way, Khar,
Bombay.
(Transferor)

(2) Panchratna Enterprise,
Partner :
Ravjibhai Chhotabhai,
Sn Kebul, Nr. Shastribaug,
Anand.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

The sale deed was registered by the Sub-Registrar, Baroda on 1/1986 for Apparent Consideration of Rs. 5,50,000/-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-6-1986
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Nasir Tabebjee Reshamwala
107, Sector F, Vashi,
New Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 30th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4638/Acq.23-II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bungalow at Athwa Umrar, T.P.S. 9,FP No. 299, Surat Form No. 37EE is submitted to the undersigned (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act. office of the registering officer at Ahmedabad on 28-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Form No. 37-EE is submitted in the office of the undersigned in November, 1985.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-6-1986
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4639/Acq.23-II/86-87.—Whereas, I,
A. K. SINHA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
Building at Gopipura, Surat, Ward, No. 10,
Nondh No. 1438-A, 1457 and 1611
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Surat on 2-11-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Shri Jatinbhai Jivanbhai,
Shroff and others,
6, Arunodaya Society,
Alkapuri, Baroda.

(2) Shri Jain Swetamber Murti Pujak Tapgarak
Aradhak Sangh,
Gopipura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
other assets which have not been or which ought to
be disclosed by the transferee for the purposes of
the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or
the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of
1957);

The document was registered at S.R. Surat vide No. 8223
dated 2-11-1985.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 30-6-1986
Seal :

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st July 1986

Ref. No. P.R. No. 6440/Acq.13/II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Piece of land bearing S. No. 30 Plot Nos. 1 to 18 F.P. Nos. 409 to 424 at the aim of village Sama—Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE in this office on 2-12-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(1) Shri Digveerandrasinh Indrasinhji Sonlanki (HUF), Digveer Nivas, Vansda, Distt. Valsad, South Gujarat.

(Transferor)

(2) M/s. Commercial Construction Co., 215, Commerce House, 140, Nagindas Master Road, Bombay-400023.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The form No. 37E8 is filed in this office on 2-12-1985 in respect of the agreement dated 7-11-1985

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
18—176 GJ/86

Date :: 1-7-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Devyani Sureshbhai Patel,
Haribhakti Colony, Race Course,
Baroda.

(Transferor)

(2) Smt. Nilaben Artilal Samrani
Katra road, Dhanbad,
Bihar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st July 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. P.R. No. 4639/Acq.23-II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 2 R. S. No. 38—Jetalpur—Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Baroda on 14-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The sale deed was registered by S.R. Baroda on 14-11-85 in respect of A.C. Rs. 6,11,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date :: 1-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Girishchandra Manilal Zala
Near Khadia Pole,
Baroda.

(Transferor)

(2) Smt. Havabai Doudhai Dhanaji,
3, Arunodaya Society, Alkapuri,
Baroda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st July 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. P.R. No. 4662/Acq.23/II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land and Bldg. R.S. No. 601 to 603 C.T.S. No. 2959/B Tika No. 281/21 Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer S. R. Baroda on 22-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

The sale deed was registered by S.R. Baroda on 22-11-85 for A.C. Rs. 5,00,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-7-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. R.B. Construction,
2, Urmi Society, Subhanpura,
Baroda.

(Transferor)

(2) M/s. Hindustan Motors Ltd.,
9/1 R. N. Mukherjee Road,
Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 3rd July 1986

Ref. No. P.R. No. 4643/Acq.23/II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing
Floor Flat No. Gorwa, 1st B1 76 1st B2
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Baroda on 19-11-85
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The sale deed was registered by S.R. Baroda on 19-11-1985 in respect of A.C. of Rs. 4,59,000/-.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-7-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. R.B. Construction,
2, Urmil Society, Suhbanpura,
Baroda.

(Transferor)

(2) M/s. Hindustan Motors Ltd.,
9/1, R.N. Mukherjee Road,
Calcutta-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st July 1986

Ref. No. P.R. No. 4644/Acq.23/II/86-87.—Whereas, I,
A. K. SINHA
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat Gorwa S.R. T.P.S. 2 A. 22 No. 76 FP 60 Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
S.R. Baroda on 19-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and / or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

The sale deed was regd. by S. R. Baroda on 19-11-1985
for A.C. Rs. 4,92,000/-.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this Notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date :: 1-7-1986
Seal :

FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st July 1986

Ref. No. P.R. No. 4645/Acq.23/II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A.3 A.4 Gorwa R. S. No. 76 T. P. 2 F. P. 60 Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 19-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s R. B. Construction,
2-Urmil Society Subhanpura
Baroda.

(Transferor)

(2) M/s. Hindustan Motors Ltd.,
9/1 R. N. Mukherjee Road,
Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

The sale deed was regd. by S. R. Baroda on 19-11-1985 for A.C. Rs. 5,13,000/-.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date :: 1-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. R. B. Construction,
2, Urmil Society Subhanpura,
Baroda.

(Transferor)

(2) M/s. Hindustan Motors Ltd.,
9/1—R.N. Mukherjee Road,
Calcutta-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st July 1986

Ref. No. P.R. No. 4646/Acq.23/II/86-87.—Whereas, I,
A. K. SINHA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. B-11, 12-A 6, 7, 8, 10, 13 13
S.P. No. 76 Gorwa T.P. 2 F.P. No 60 Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
S. R. Baroda on 19-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

The sale deed was regd. by S.R. Baroda on 19-11-1985 in
respect of A.C. Rs. 18,18,000/-.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date :: 1-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Suryakant Harmanbhai Patel
at Mohbal Tal. Nadiad.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shah Chandulal Surajmal & Ors.
Lakhavad—Nadiad.

Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th July 1986

Ref. No. P.R. No. 4647 Acq. 23/II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 1061/1 Lakhavad pati Nadiad Land & Bldg. (more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nadiad on 28-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The document was registered at S.R. Nadiad vide No. 3850 Dt. 28-11-85.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dt. 4-7-86
Seal :

FORM ITNB

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4251 Acq./23/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land & Building in T.P.S. 3, F.P. 394, S.P. 4, situated in Chandra Colony, C. G. Road, B/h Law College, Ahmedabad-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Executors of the Estate of Shri Maheshbhai Nanubhai Munshaw (1) Shri Chinubhai Nanubhai Munshaw and two others "Vivek", Chimanlal Girdharlal Road No. 1, Ellisbridge, Ahmedabad-380006.
Transferor(s)

(2) Maryada Mercantile I limited having its regd. office at 20, British Indian Street, Room No. 38, Calcutta-700 009 by its director
Shri Pruthviraj Bhurchand Parekh.
Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land & Building bearing in T.P.S. 3 F.P. No. 394, S.P. 4 situated in Chandra Colony, C.G. Road, B/h Law College, Ahmedabad-380 006 as per the details mentioned in Sale Deed Registered at Registration No. 12691 dated 1-11-1985. Ahmedabad

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19-176 GI/86

Dt. : 24-6-86
Seal

FORM ITNB

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4252 Acq 23/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bopal Sim R.S. No. 408-1, 2, 410, 412-1 New Block No. 614, Bopal admeasuring 59411 sq. yds. or 12 acre 11 gunthas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Naranbhai Chimanbhai Patel,
Village Bopal, Tal. Dascroi,
Dist. Ahmedabad.

Transferor(s)

(2) M/s. Bookwing Publications & Trading Co. Ltd.,
C/o Gala Publications,
Nt. Ajod Dairy Road, Rakhial,
Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bopal Sim R.S. No. 408-1, 2, 410, 412-1, New Block No. 614 in Bopal Land admeasuring 59411 sq. yds. or 12 acres 11 gunthas.
Ahmedabad

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-6-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Gulbanu Ardesha Vadia
Kankaria Road,
Vadia Villa
Ahmedabad.(2) Shri Laljibhai Natwarlal Thakkar
New Vijay Coop. Hsg. Socy. Ltd.
24, Tejas Society Vibhag
Ghatlodiya, Ahmedabad.

Transferor(s)

Transferee(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4253 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I,
A. K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Rajpur Hirpur FP No. 127 TPS. 2 Hissa No. 1-A/1 land
adm. 880 sq. yds. and bldg. Upper storeyed thereon.
(and more fully described in the Scheduled annexure hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 8-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Rajpur Hirpur FP No. 127 TPS. 2 Hissa No. 1A/1
Land adm. 880 sq. yds. with upper storeyed Bldg. thereon
R. No. 13450 Dt. : 8-11-85.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dt. : 30-6-86

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4254 Acq. 23/I/86-87.—

A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rajpur Hirpur FP No. 127 TPS. 2 Hissa No. 1-A/1 Land adm. 880 sq. yds. and Bldg. Upper Storeyed thereon (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 8-11-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Eramsha Ardesha Vadia
Kankaria Road,
Vadia Villa—Ahmedabad.

Transferor(s)

(2) Shri Laljibhai Natvarlal Thakkar,
New Vijya Coop. Hsg. Socy. Ltd.
24, Tejas Socy. Vibhag-2
Ghatlodiya, Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Rajpur Hirpur FP No. 127 TPS. 2 Hissa No. 1-A/1 Land adm. 880 sq. yds. with upper storeyed Bldg. thereon R. No. 13452 Dt. 8-11-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dt. : 30-6-86
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Suryakant Sahebsinh Nagarsheth & Ors.
 Central Cinema
 Fuvara, Gandhi Road,
 Ahmedabad.

Transferor(s)

(2) Shri Tabilram Parimal
 Director
 M/s Bunker Fabrics Pvt. Ltd.
 465/11 First Floor,
 Shevade's Dchla
 Sakar Bazar,
 Ahmedabad-380 002.

Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4255 Acq. 23/L/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 4465, 4466 and 4469 Kalupur Ward-3 lessors right title, interest in Central Talkies G.F. F.F. and S.F. adm. 734.2 sq. mtrs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

C.S. Nos. 4465, 4466 and 4469 Kalupur Ward-3 lessors right, title, interest in Central Talkies G.F., F.F. and S.F. adm. 734.2 sq. mtrs. R. No. 12800 Dt. : 1-11-85.

A. K. SINHA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I
 Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dt. : 30-6-86
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4256 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- bearing No. Bhavnagar C.S. Ward No. 3 Sheet No. 41 Kakada No. 159 double storeyed Bldg. in Mahendi Chowk Danapith—Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhavnagar on 19-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Padmaben Chimanshi Mehta and Smt. Jayashriben Jayantilal Mehta
C/o The Bharat Pulse & Oil Mills
Jamuna Kund Road—
Bhavnagar.

Transferor(s)

(2) Sibor Nagarik Sahakari Bank
H.O. SIHOR—364 24
Dist : Bhavnagar.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Bhavnagar C.S. Ward No. 8—Sheet No. 41 Kakada No. 159 double storeyed bldg. in Mahendi Chowk Danapith Bhavnagar R. No. 3362 Dt. : 19-11-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dt. : 30-6-86
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mukeshbhai Kantilal Patel & Ors,
Parimal Socy. E.B.
Ahmedabad.

Transferor(s)

(2) Shri Atul Panalal Shah & Ors.
41, Parimal Socy.
E.B.—Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4257 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- bearing No. Double storeyed bldg. in Parimal Coop. Hsg. Socy. Plot No. 41 TPS. 3 FP 711, 713 to 717 land 1149 sq. yds. Bldg. 550 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 7-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Double storeyed bldg. in Parimal Coop. Hsg. Socy. Plot No. 41 TPS. 21 FP Nos. 711, 713 to 717 land adm. 1149 sq. yds. & Bldg. 550 sq. yds. R. Nos. 10433, 10429, 10424 & 10428 Dt. : 7-11-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dt. : 30-6-86
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4258 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. TPS. 15 FP 169, 170, 171 etc. SP Nos. 6A & 6B Land in Satyavadi Co-op. Hsg. Socy. adm. 793 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 4-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sumatilal Chimanlal Golwala,
Smt. Suryakantaben Sumatilal Golwala,
224, Gusaparekh ni Pole,
Madan Gopal's Haveli Road,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Kamlesh Chandmal Shah,
Gangagiyा's Pole
Sankoli Sheri.
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

TPS. 15 FP 169, 170, 171 etc. SP No. 6A and 6B land in Satyavadi Co-op. Hsg. Socy. adm. 793 sq. yds. R. Nos. 13004 and 13005 dated 4-11-1985.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-6-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4259 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I,
A. K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
TPS. 21 FP 239/C and 239-D SP No. 10 Vastrapur sim land
adm. 753 sq. yds.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer
at Ahmedabad on 18-11-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Shri Ramanlal Keshavlal Amin,
Moti Deli,
P.O. at Bavala,
Tal. Dholka District,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Dr. Siddharth Jashvantlal Pothiwala,
Trustee of Smt. Dhanlaxmiben Trust,
Visnagar (N.G.).

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons;
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Vastrapur sim TPS. 21 FP 239-C and 239-D SP No. 10
land adm. 753 sq. yds. with plinth level construction R. No.
13547 dated 18-11-1985.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
20—176 GI/86

Date : 30-6-1986
Seal :

FORM ITNB

(1) 1. Shri Ashokkumar Rambhai Patel,
 (2) Shri Girishbhai Laxmanbhai Patel,
 Drive-in-Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri M. K. Patel,
 Chairman of Sun Palace Co-op. Hsg. Soc. Ltd.,
 Tirthnagar Society, Sola Road,
 Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4260 Acq. 23.—Whereas, I,
 A. K. SINHA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.P.S. 1, F.P. No. 248, Memnagar Sim Land admeasuring 966.54 sq. mtrs. and building admeasuring 349.35 sq mtrs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 6-11-85
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecting persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

T.P.S. 1 F.P. No. 248, Memnagar Sim Land adm. 966.54 sq. mtrs. and bldg. adm. 349.35 sq mtrs., S.R. Ahmedabad No. 13193 and 13202 dated 6-11-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. SINHA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-6-1986
 Seal :

FORM ITNB

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Bachubhai Vijaynshankor Bhatt,
31, Shrimati Society,
Navrangpura,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s Uday Co-op. Housing Soc. Ltd.,
Org. Patel Ambalal Kacharabhai,
C/o Patel Gandabhai Hiratal,
25, Mehsana Society,
Nawa Wadej Road
Ahmedabad-13.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4261 Acq. 23.—Whereas, I,
A. K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.P.S. 29, Wadej, Nr. Ankur Comm. Centre, F.P. No. 92/93, T.P.S. 29, Land adm. 827 sq. mtrs and bldg. 235.83 sq. mtrs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 7-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

T.P.S. 29 Wadej at Ankur Comm. Centre, F.P. No. 92/93 Land adm. 827 sq. mtrs. and bldg. 235.83 sq. mtrs., 37EE filed on 7-11-1985.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 30-6-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) of Section 269D of the said Act, to the following partners of dissolved firm M/s. Vimal Automobiles, Opp. Neelambaug, Bhavnagar.
(Transferor)

(2) Shri Jadav R. Patel, partner of M/s Akhand Anand Builders, Nr. Aerodrome, Patel Park, Plot No. 270-A, Bhavnagar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1986

Ref. No. P.R. No. 4262 Acq. 23.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 5725, Shastrinagar, Opp. Neelam Baug, Land adm. 3177, 18 sq. mtrs. with construction (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

C.S. No. 5725, Shashrinagar, Opp. Neelam Baug, Bhavnagar C.S. No. 5725, land (with construction) adm. 3177.18 sq. mtrs. R. Nos. 3393 to 3399 dated 22-11-1985.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 30-6-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS —

(1) M/s. Kapur Properties & Investment
16-L, Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

(2) S. P. Seth HUF & Rakesh Seth HUF,
88, Gulf Link,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/12-85/2581.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 488, at 21, Barakhamba Road situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (63 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq.-III, New Delhi on December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 408, of approx. covered area of 595 sq. ft. on the 4th floor of proposed building at 21, Barakhamba Road, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-7-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/11-85/2586.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 410, at 21, Barakhamba Road, situated at N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (63 of 1961) in the Office of Registering Officer at I.A.C. Acq.-III, New Delhi on December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Kapur Properties & Investment,
16-L, Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Kapur Finance & Leasing Co.,
B-47, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 410, of approx. covered area of 500 sq. ft. on the 4th floor of proposed building at 21, Barakhamba Road, New Delhi.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 2-7-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/SR-III/12-85/373.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 145, Block No. 171, known as 145 situated at Sunder Nagar, New Delhi, situated at Kasba Bazar Village, Ward No. 13, Mangalore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (63 of 1961) in the Office of Registering Officer at I.A.C. Acq.-III, New Delhi on December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jawahar Lal Rakyani,
Shri Anil Kumar Rakyani and
Shri Arun Kumar Rakyani,
r/o C-624, New Friends Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Marble Trading Co. Ltd.,
19, R. N. Mukherjee Road,
Calcutta

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 145, Block No. 171 known as 145 Sunder Nagar, New Delhi. Consisting of four Bedrooms, Three Bathrooms, Drawing-Dinning, Kitchen on the Ground floor and First floor and One Room and Bathroom on the 2nd floor with two Grates and Four Servant Quarters, on 866 sq. yds.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 2-7-1986

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-85/2377.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 802, New Delhi House, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at I.A.C. Acq. III New Delhi on November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S. Narinder Singh Brar & S. Gurinder Singh Brar, House No. 2156, Sector 15-C, Chandigarh. (Transferor)

(2) Shri Ravinder Nath Gupta 10%, Shri Ravinder Nath Gupta (HUF) 10%, Smt. Asha Rani 15%, Shri Vinod Gupta 25%, Shri Vinod Gupta (HUF) 15%, & Smt. Rekha Gupta 25%, all R/o K-4/19, Model Town, Delhi-110009. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 802, 8th floor, New Delhi House, New Delhi 110001. Flat Area—1004.5 sq. ft. Balcony Area 39 sq. ft.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-7-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Gopal Dass Estates & Housing (P) Ltd.
28, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ahuja Properties,
502, Ashoka Estate,
24, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-85/2381.—Whereas, I,
JAGDISH MITTAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

Space No. 10 in Dr. Gopal Das Bhawan,
28, Barakhamba Road, situated at New Delhi
situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the registering Officer at I.A.C. Acq. III
New Delhi on November, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Space No. 10, on 6th floor in 'Dr. Gopal Das Bhawan'
28, Barakhamba Road, New Delhi-110001.
Super Area 804.55 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
21—176 GI/86

Date : 2-7-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Gopal Dass Estate & Housing (P) Ltd.,
28, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ahuja Properties,
502, Ashoka Estate,
24, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the publication of the notice in the Official Gazette, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-85/2417.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 9, in Dr. Gopal Dass Bhawan, 28, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at I.A.C. Acq. III New Delhi in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Space No. 9, on 6th floor in 'Dr. Gopal Das Bhawan, 28, Barakhamba Road, New Delhi-110001.
Super Area 804.55 sq. ft.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-7-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986.

(1) M/s. Gopal Dass Estates & Housing (P) Ltd.
28, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ahuja Properties,
502, Ashoka Estate,
24, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq-III/37HE/11-85/2418.—Whereas, I,
JAGDISH MITTAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
S. No. 8A, in 'Dr. Gopal Das Bhawan',
28, Barakhamba Road, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the registering Officer at I.A.C. Acq. III
New Delhi in November, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 8A, on 6th floor in 'Dr. Gopal Das Bhawan', 28,
Barakhamba Road, New Delhi-110001. Super Area 635 sq. ft.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 2-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Gopal Dass Estates & Housing (P) Ltd.
28, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Neena Kohli,
w/o. L. K. Kohli,
E-197, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-85/2419.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Space No. 11A, at
28, Barakhamba Road, New Delhi
situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at I.A.C. Acq. III New Delhi in November, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income—any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Space No. 11A on 6th floor, in 'Doctor Gopal Das Bhawan' 28, Barakhamba Road, New Delhi-110001. (Super Area 635 sq. ft.).

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-7-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-85/2439.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6, Nilgiri Apartments at 9, Barakhamba Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at I.A.C. Acq. III New Delhi in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Kailash Nath & Associates,
1006, Kanchenjunga,
18, Barakhamba Road,
New Delhi.

(2) Dr. Shanti Lal &
Mr. Sean P. Lall
C/o Mr. Rakesh Dudani,
86, Bank Colony, Laxminagar,
Delhi-92.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One residential flat area 1600 sq. ft. No. 6 on the fourth floor and one open car parking space in proposed multi-storyed Group Housing Scheme 'Nilgiri Apartments' at 9, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Atma Ram Properties (P) Ltd.,
C-37, Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Aditya Cattles (P) Ltd.,
17-B, Tej Mandi, Station Road,
Alwar (Rajasthan).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. 1AC/Acq.III/37EE/11-85/2450.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Atma Ram Mansion, 134 Conn. Place, Flat No. 4, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at J.A.C. Acq. III New Delhi in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Atma Ram Mansion, 134, Connaught Place, Consisting of F. No. 4, New Delhi. Approx. area 4000 sq. ft.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 2-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shiv Darshan Singh,
9-Janpath Lane,
New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Rawal Apartments (P) Ltd.,
A.V.C. Bhawan,
M-3, Connaught Place,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD
N.W. DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-85/2454.—Whereas, I,
JAGDISH MITTAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Block No. 124, plot No. 3, known as 14, Janpath Lane,
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. III
New Delhi in November, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) By any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXV of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Block No. 124 Plot No. 3, Popularly known as 14- Janpath
Lane, New Delhi.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
26—156GI/86

Date : 2-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Kailash Nath & Associates
1006, Kanchenjunga,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ashok Kumar Bansal &
Mrs. Subhash Bansal,
D-7, Mahrani Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-85/2501.—Whereas I,
JAGDISH MITTAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the Said Act) have reasons to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 3 at 9, Barakhamba Road situated at New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the Registering Officer at
I.A.C. Acq. III, New Delhi in November, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
in the Official Gazette or a period of 30 days from
45 days from the date of publication of this notice,
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, with 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One residential flat No. 3, area of 1600 sq. ft. on 4th floor
of East Block i.e. Front block and one open car parking
space in proposed multistoreyed Group Housing Scheme
'NILGIRI APARTMENTS' 9, Barakhamba Road, New
Delhi-110 001.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
foresaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 2-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Kailash Nath & Associates
1006 Kanchenjunga,
J8, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar Bansal &
Smt. Indra Bansal,
D-7, Maharani Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-85/12502.—Whereas I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 3 at 9, Barakhamba Road situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. III, New Delhi in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One resdl. flat No. 3, Front Block, area 1600 sq. ft. on 3rd floor and one open car parking space in proposed multi-storyed Group Housing Scheme 'NILGIRI APARTMENTS' at 9, Barakhamba Road, New Delhi-110 001.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 2-7-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22—176 GI/86

FORM HTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-85/12541.—Whereas I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 'NILGIRI APRMENTS' at 9, Barakhamba Road situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. III, New Delhi in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Kailash Nath & Associates
1006 Kanchenjunga,
18, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar Jain &
Smt. Anita Jain
17, Malviya Nagar,
Durg. (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A flat admeasuring 1600 sq. ft. and an Car Parking space in the multi-storeyed Group Housing Scheme 'NLGIRI APARTMENTS' at 9, Barakhamba Road, New Delhi.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Bharat Hotels Ltd.
Sagar Apartments,
6, Tilak Marg.
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Diners Club India (P) Ltd.
213, Raheja Chambers,
Nariman Point,
Bombay-21.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-85/2551.—Whereas I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot of land in Comn. Complex at Barakhamba Rd., situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. III, New Delhi in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any property or asset, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

First floor admeasuring 8,000 sq. ft. out of office tower on the plot of land in commercial complex at Barakhamba Lane, New Delhi-1.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-7-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Kapur Properties & Investments
16-L, Connaught Place
New Delhi.

(Transferor)

(2) G. P. Seth HUF & Sheeba
C/o Gaurav Seth.
88, Gulf Links,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/11-85/2572.—Whereas I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 407 at 21, Barakhamba Road situated at New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. IHI, New Delhi in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 407, of approx. covered area of 595 sq. ft. on the 4th floor of proposed building at 21, Barakhamba Road, New Delhi,

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-7-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-IV,
AGGARWAL HOUSE, 4/10, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/11-85/2379.—Whereas I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. G-107, Kasturba Gandhi Marg situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq.IV, New Delhi in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Wg. Cdr V. P. Bhasin (Retd) & Mrs. Ved Bhasin,
Krishna Vilas,
Camel's Back Road,
Mussoorie-248179.

(Transferor)

(2) Mrs. Tarawati Singhania & Mr. D. C. Singhania
P-24, Green Park Extension,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. G-107, 10th floor, Himalaya House, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-1, Area 833 sq. ft. (Gross).

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-7-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Pushpa Gambhir
W-121-A, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/37EE/11-85/2380.—Whereas I,
JAGOISH MITTAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. D-114, at 23, K. G. Marg situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the Registering Officer at
I.A.C. Acq.IV, New Delhi in November, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(2) Shri Trishad Elahi
Smt. Tajet Jamal &
Smt. Najmus-Sa-Her
Noor Building,
Tabacon Street,
Moradabad-244001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

Flat No. D-114, on 11th floor of Himalaya House, 23,
Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, Area of flat 741 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Delhi/New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 3-2-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd.
115, Ansal Bhawan,
16, K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sunita Kaeley
W/o Brij Mohan Kaeley
Baby Diyya Kaeley Baby Niti Kaeley.
R/o 30/7, Shakti Nagar, Delhi-7.
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/37EE/11-85/2425.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 306 at 14, K. G. Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. III, New Delhi in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 306, in Amba Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi. Area 675 sq. ft.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Delhi/New Delhi

Date : -7-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq.-IV/37EE/11-85/2441.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 112-B, Surya Kiran Bldg., 19, K. G. Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq.-IV, New Delhi on November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Maj. Gen. B. M. Bhattacharjea, Mrs. Piriti Bhattacharjea, 2-D, Gem House, 5-B, Russel Street, Calcutta. (Transferor)

(2) M/s. Mekaster (P) Ltd., 908, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

112-B, Surya Kiran Building, 19, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi Plus Car Park Area.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Ansal Properties & Industries,
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.
(Transferor)

(2) M/s. N. B. I. Industries Finance Co.,
I-63, Connaught Circus, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. JAC/Acq-IV/37EE/11-85/2461.—Whereas, I,
JAGDISH MITTAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 406, at 14, K. G. Marg, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the Registering Officer at
I.A.C. Acq-IV, New Delhi on November 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406, in Amba Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
23—176 GI/86

Date : 3-7-1986

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Kailash Nath & Associates,
1006, Kanchenjunga, 18, Barukhambha Road, New
Delhi.
(Transferor)

(2) R. T. Malkani & Master T. Malkani,
26-A, B. G. Kher Marg, Mallabar Hill, Bombay.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq.-IV/37EE/11-85/2463.—Whereas, I,
JAGDISH MITTAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 11, Gauri Apartments at 3 & 4, South End situated
at Lane, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the Registering Officer at
I.A.C. Acq.-IV, New Delhi on November 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons;
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 or 1957);

A resdl. Flat No. 11, area 1520 sft. on 1st floor, a servant
quarter No. 11 area 130 sft. on first floor, open terrace area
500 sq. ft. and an open car parking space in proposed multi-
storeyed Group Housing Scheme, Gauri Apartments at 3 & 4,
South End Lane, New Delhi.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 3-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Dalmia Dairy Industries Ltd.,
11, ABC Atma Ram House, 1, Tolstoy Marg, New
Delhi.

(Transferor).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq.-IV/37EE/11-85/2483.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing AP-504, Vill. Bijwasan, Tehsil Mehrauli situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq.-IV, New Delhi on November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sh. Kuldeep Singh,
Karta Kuldeep Singh HUE, K-14, Hauz Khas
Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Pent House Apartment No. AP 504, on 5th floor in Dalmia Vihar, Village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi. 2000 sq. ft. Plus One Covered Car Parking.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Dalmia Dairy Industries,
11-ABC Atma Ram House, 1, Tolstoy Marg, New
Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Bapsy C. Divan & Master Rahul G. Divan,
C/o, Chandabhoi & Jassobhoi Adyani Chambers,
Sir Pharezesh Mehta Road, Bombay-1.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq.-IV/37EE/11-85/2485.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-304, Vill. Bijwasan, Tehsil Mehrauli situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq.-IV, New Delhi on November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the valid instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Apartment No. A, 304, in Block A Dalmia Vihar, Village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi. Area 1435 sq. ft.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-7-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/37EE/11-85/2515.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 502, at 14, K. G. Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq-IV, New Delhi on November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Ansal Properties & Industries, 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi. (Transferor)
 (2) M/s. Pasricha Surgical Co. (P) Ltd., 25, Netaji Subhash Marg, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 502, at Atma Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi. Area 505 sq. ft.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-7-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq. IV/37EE/11-85/2516.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 501, at 14, K. G. Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at I.A.C. ACQ. IV, New Delhi on November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ranbir Singh Pasricha,
25, Netaji Subhash Marg,
Darya Ganj,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, at Amba Deep in 14, K. G. Marg, New Delhi. Area 505 sq. ft.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
New Delhi

Date : 3-7-1986

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Kailash Nath & Associates,
1006, Kanchenjunga,
18, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFT ALI ROAD

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq. IV/37EE/11-85/2542.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 34, Ferozeshah Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at I.A.C. ACI. IV, New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One residential flat area 1600 sq. ft. and one car parking space in proposed multi-storeyed Group Housing Scheme 'ADISHWAR APARTMENT' at 34, Ferozeshah Road, New Delhi.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-7-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq. IV/37EE/11-85/2546.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 903, at 14, K. G. Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at I.A.C. ACJ. IV, New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi. (Transferor)

(2) M/s. Anupam Theaters & Exhibitors (P) Ltd., Anupam Cinema, Saket, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 903, in Amba Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi. Area 580 sq. ft.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Anupam Theaters & Exhibitors (P) Ltd.,
Anupam Cinema, Saket,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV,
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq. IV/37EE/11-85/2547.—Whereas, I,
JAGDISH MITTAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the Said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 904, at 14, K. G. Marg,
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the office of the Registering Officer at
I.A.C. ACT. IV, New Delhi in November 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer
with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 904 in Amba Deep at 14, K. G. Marg, New
Delhi. Area 520 sq. ft.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 3-7-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq. IV/37EE/11-85/2574.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5, GAURI APARTMENTS, 3 & 4 South End Lane, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at I.A.C. ACI. IV, New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Kailash Nath & Associates,
1006, Kanchenjunga,
18, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)
(2) M/s. Hakim Rai Jai Chand Forging (P) Ltd.,
P. B. No. 17321, Lal Bahadur Shastri Marg,
Bhandup, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Resdl. flat no. 5. (area of 1520 sft) lawn (area 500 sft.) one open car parking space on Ground floor of proposed multistoreyed 'Group Housing Scheme, 'GAURI APARTMENTS' 3&4 South End Lane, New Delhi.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
New Delhi

Date : 3-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Delhi Towers & Estates Ltd.
115, Alsal Bhawan, 16, K. G. Marg,
New Delhi-1. (Transferor)

(2) M/s. D. I. Properties,
2, Civil Street, 3rd floor,
Room No. 3 & 4, Calcutta-700001. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1985

Ref. No. IAC/Acq-IV/SR-III/11-85/326.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Recd. No. 43, Kh. No. 8, 9, 12, 13 Vill. Bijwasan situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1921) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 12 Bighas comprised in Recd. No. 43, Khasra No. 8(4-16), 9(0-15), 12(1-19), 13(4-10), situated in village Bijwasan, New Delhi.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-7-1985
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/SR-III/11-85/313.—Whereas I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/2, undivided share in prop. No. K-58, situated at Jangpura Extension, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Amodh Prakash Singh Chawla & Smt. Bachan Rani r/o 8, Shiv Niketan 18th Road, Khar, Bombay at present K-17, Jangpura Extension, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Lachhmi Narain Kalra, S/o late Shri Jaswant Ram Kalra, r/o IF/156, Iajpuri Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share in property No. K-58, measuring 200 sq. yards situated at Jangpura Extension, New Delhi.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Date : 3-7-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC / Acq-IV / 37EE / 12-85 / 2642.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-107, Himalaya House, K. G. Marg, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Wg. Cdr. V.P. Bhasin & Mrs. Ved Bhasin Krishna Vilas, Camel's Back Road, Mussoorie-248 179. (Transferor)

(2) Mrs. Tarawati Singhania & Mr. D. G. Singhania, P-24, Green Park, Extension, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-107, 10th floor Himalaya House, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-1. Area 833 sq. ft. (Gross).

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-7-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Lala Girdhan Lal Memorial Federation House,
Tansen Marg, New Delhi-1.
(Transferor)

(2) Ushodaya Publications (P) Ltd.
Hyderabad, through their local office,
P.T.I. Building Parliament Street New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/37EE/12-85/2643.—Whereas I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-2, garage No. S-20, at 28, Ferozeshah Road, situated at New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at IAC.ACQ.IV at New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any income or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential Flat No. A-2, on 1st floor & garage No. S-20, in the basement of Lala Girdhar Lal Memorial Apartment at 28, Ferozeshah Road, New Delhi. ,

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-7-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Jain Class Work Pvt. Ltd.,
Jain Bhawan, Ferozabad.

(Transferor)

(2) Hunt Investments Limited,
29A-1, Asaf Ali Road,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq-IV/37EE/12-85/2655.—Whereas I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No. A-2, Deevan Shree, Ferozshah Road, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at IAC.ACQ.IV at New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Residential flat No. A-2 Deevan Shree, Ferozshah Road, New Delhi. Area 2570 feet.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-7-1986
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ansal Prop. & Industries (P) Ltd.
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg
New Delhi.
(Transferor)

(2) Rashi Jayana, Vais Jayana (Minor)
Master Priyank Jayna, 14, Babar Lane,
New Delhi.
(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1986

Ref. No. IAC/Acq.IV/37EE/12-85/2646.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 607, at 14, K. G. Marg situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC. ACQ IV at New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 607, in Amba Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi. Area 525 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-7-1986
Seal :